ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विधायक मुनिरत्न के खिलाफ बलात्कार के मामले में उचित सबूतों का @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 04 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-244

भले नहीं शरीर हो, पर रूह बा'बुलंद है, इसमें तू यकीन कर तू उनके दिखाए स्वर्ग को उतार ला जमीन पर...

प्रभात रंजन दीन

मशहूर गीतकार शैलेंद्र ने लिखा था... तू जिंदा है तो जिंदगी की जीत में यकीन कर, कहीं भी हो स्वर्ग तो उतार ला जमीन पर। शुभ-लाभ प्रकाशन समूह के अभिभावक परम श्रद्धेय श्री गोपाल जी अग्रवाल के व्यक्तित्व को प्रतिमा की तरह साक्षात सामने रख कर उनकी स्मृतियों को साक्षी बनाएं तो शैलेंद्र की उन पंक्तियों में स्वाभाविक बदलाव कुछ यूं हो जाता है... तू जिंदा है तो जिंदगी की जीत में यकीन कर / भले नहीं शरीर हो, पर रूह बा'बुलंद है, इसमें तू यकीन कर / तू उनके दिखाए स्वर्ग को उतार ला जमीन पर...

श्री गोपाल जी अग्रवाल से मेरी मुलाकात वर्ष 2021 में अक्टूबर महीने के उत्तरार्ध में हैदराबाद के एक रेस्तरां में हुई थी। उन्होंने दिल्ली प्रवास के दौरान शुभ-लाभ अखबार में पत्रकारीय-बेहतरी की चिंता अपने एक पत्रकार मित्र रजत अमरनाथ से साझा की थी। रजत ने उन्हें मेरा नाम सुझाया। गोपाल जी ने मुझे फोन किया और मुझे हैदराबाद बुलाया... सब कुछ ऐसे हुआ कि जैसे प्रकृति ने पहले से इसका आयोजन कर रखा हो। आज गोपाल जी नहीं हैं और रजत भाई उनके पहले ही प्रयाण कर चुके। हैदराबाद के चटनी रेस्टोरेंट के कक्ष में आदरणीय गोपाल जी से परिचय की औपचारिकता के बाद मैंने उनसे बेसाख्ता पूछा था, अखबार तो घाटे का व्यापार होता है, तो किस शत्रु ने आपको अखबार निकालने की सलाह दी थी? मेरी पत्रकारीय-विधा ने उन्हें कुरेदा और मुझे उसी पल गोपाल जी के विराट व्यक्तित्व की झलक मिल गई। उन्होंने कहा, अखबार निकालना मेरा व्यापार नहीं, मेरा सरोकार है, मेरा जुनून है जिसे अंग्रेजी में पैशन कहते हैं। उनका ध्यान से कहना जारी था और मेरा ध्यान से सुनना... उन्होंने कहा, अगर यह जुनून न हो तो भावी पीढ़ियां जान ही नहीं पाएंगी कि अखबार क्या होता है। सुबह-सुबह अखबार पढ़ने का संस्कार ही समाज से विलुप्त हो जाएगा। पीढ़ियों को सूचित और शिक्षित करने का प्रथम दायित्व तो अखबार का ही होता है। सुबह अखबार पढ़ना और अखबार के जरिए देश-दुनिया और समाज के साथ-साथ साहित्य को जानना हमने अपने बुजुर्गों से ही तो सीखा है! फिर वह दायित्व हम कैसे छोड़ दें! मैंने तत्काल और तत्क्षण यह निर्णय ले लिया कि मुझे गोपाल जी के साथ काम करना है... और मैंने उन्हें फौरन ही अपना निर्णय सुना भी दिया।

इस तरह हिंदी दैनिक शुभ-लाभ, अंग्रेजी दैनिक सिटिजंस ईवनिंग और तेलुगु दैनिक ध्वनि के साथ मेरी यात्रा शुरू हो गई। वही प्रतिबद्धता, वही अनुशासन, वही जुनून जो गोपाल जी में था, मैंने उसे अखबार में हूबहू उतारने की कोशिश की। वह कोशिश आदरणीय गोपाल जी के दिवंगत होने के बाद भी जारी है। यह एक मशाल है जो एक के बाद दूसरे में फिर तीसरे में और क्रमानुसार हस्तांतरित होती हुई अपनी प्रकाश-यात्रा जारी रखती है। मैंने अपने पत्रकारीय जीवन में तमाम बड़े और मझोले अखबारों में काम करने के अनुभव बटोरे हैं। तमाम पदों की जिम्मेदारियां सीखी हैं। कई अखबारों के शुभारंभ का यज्ञ किया है और दर्जनों अखबारों के मालिकों का संरक्षण और विश्वास जीता है... लेकिन आदरणीय गोपाल जी अग्रवाल की तो बात ही अलग रही। अखबार में खबरों के चयन से लेकर विज्ञापन के स्थान-चयन तक का सम्पूर्ण दायित्व आज के युग में कौन चैयरमैन किसे सौंपता है! खबरों को लेकर साहस

शुभ-लाभ शपथ

इतना कि वे कहते, मैं जेल जाने को तैयार हूं... राष्ट्र और धर्म को लेकर उनकी व्यापक विचारधारा शुभ-लाभ प्रकाशन समूह के अखबारों की प्राण-ऊर्जा के रूप में प्रकाशित और प्रसारित हो रही है।

स्वस्थ हों या अस्वस्थ, गोपाल जी सदैव एक जैसे रहे। स्वस्थ में भी मस्त और अस्वस्थ में और भी ज्यादा मस्त... ताकि दूसरों के मनोबल में कोई कमी न रहे। उनकी किडनियों ने जब काम करना बंद कर दिया, तब भी गोपाल जी ने अपना काम नहीं रोका, बल्कि काम की गति और बढ़ा दी। हैदराबाद के साथ-साथ दिल्ली, बेंगलुरु, तिरुपति, गुवाहाटी, लखनऊ और पटना से शुभ-लाभ का संस्करण शुरू करने को लेकर योजना-बैठकों का सिलसिला चलने लगा। लखनऊ से शुभ-लाभ टाइटल को जिला प्रशासन और दिल्ली स्थित समाचार पत्रों के महानिबंधक की औपचारिक मंजूरी भी मिल गई। बेंगलुरु प्रशासन ने भी औपचारिक मंजूरी देकर उसे पंजीयन के लिए दिल्ली भेज दिया। दिल्ली से तो प्रकाशन शुरू भी हो गया। हैदराबाद से शुभ-लाभ के साथ-साथ अंग्रेजी दैनिक सिटिजंस ईवनिंग और तेलुगु दैनिक ध्वनि का भी प्रकाशन साथ-साथ गतिमान रहा। गोपाल जी डायलिसिस कराते और निकल पड़ते। कभी दिल्ली, कभी मुंबई, कभी बेंगलुरु, कभी तिरुपति, कभी राजस्थान तो कभी नागपुर। हां, नागपुर से भी शुभ-लाभ का संस्करण निकालने के लिए गोपाल जी बड़े उत्साही दिखते और कहते, नागपुर मेरी ससुराल है, वहां से भी संस्करण निकालना है।

देश-दुनिया की खबरों को लेकर गोपाल जी की संलग्नता आत्मिक स्तर पर दिखती। कभी किसी मसले पर अत्यंत उत्तेजित होकर कहते इसे खूब हाईलाइट करिए और कभी अपने अखबार में प्रकाशित खास खबर या विश्लेषण पर प्रसन्न होकर फोन करते और उत्साह बढ़ाते। अपने अखबारी सहकर्मियों का मनोबल बनाए रखने के लिए गोपाल जी उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं का भी ख्याल रखते। अखबार के सहकर्मियों की जरूरत के समय उनकी आर्थिक मदद करने का जज्बा तो देश के तमाम अखबार मालिकों को सीखना चाहिए। यहां तक कि अखबार छोड़ कर जा चुके पूर्व सहयोगी भी उनसे आर्थिक मदद मांगने से नहीं शर्माते थे और गोपाल जी उनकी मदद करने से नहीं चूकते थे। व्यक्तिगत स्तर से लेकर सांगठनिक स्तर तक गोपाल जी समाजसेवा के विभिन्न आयामों से बेहद सक्रिय तौर पर जुड़े रहे और समर्थ लोगों को सेवाधर्म के प्रति प्रोत्साहित (मोटिवेट) करते रहे।

आदरणीय गोपाल जी ने 20 अगस्त की रात को दफ्तर से वर्चुअल मीटिंग की। मैं लखनऊ में था। संपादकीय विभाग के सारे स्टाफ उस मीटिंग में मौजूद थे। उसमें भी गोपाल जी के सामने अखबार का प्रकाशन ही मुद्दा था। वे प्रिंटिंग के समय को लेकर कुछ परिवर्तन चाहते थे। अखबार के विभिन्न पृष्ठों के समाचार-संयोजन से लेकर उसकी बनावट पर लगने वाले समय पर बात की, अपने सुझाव दिए और मेरे सुझाव सुने। विस्तृत वार्ता के बाद फिर एक सुस्पष्ट समय-नीति (डेड-लाइन) निर्धारित हुई। 21 अगस्त की रात को भी गोपाल जी के साथ कुछ नए संपादकीय सहयोगियों को लाने के मसले पर बात हुई। ...और गोपाल जी एवं मेरे भौतिक शरीर के बीच वही आखिरी बात हुई। यानि, गोपाल जी का जज्बा उनकी जिजिविषा के साथ अन्योन्याश्रित था। 22 अगस्त को आदरणीय गोपाल जी ने अपना भौतिक शरीर त्याग दिया... अचानक मिली इस खबर ने हम सबको झकझोर कर रख दिया। भौतिक रूप से माता-पिता और अभिभावक का होना कितना जरूरी होता है, यह उनके विदा होने के बाद अनुभव होता है और बहुत सालता है।

हम उसी अनुभव के व्यथा-काल से गुजर रहे हैं। शुभ-लाभ परिवार के हम सभी सदस्य श्री गोपाल जी अग्रवाल के प्रति अपनी आत्मिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी मशाल को हमेशा प्रज्जवलित रखना हम सब का समवेत संकल्प हो... इसे व्यवहार में उतारना ही उस 'ग्रैंड-गार्डियन' के प्रति सच्ची और नैष्ठिक श्रद्धांजलि होगी...

भारत-जर्मनी के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस

भारत और यूरोपीय संघ के बीच जल्द होगी फ्री-ट्रेड डील

भारत और जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं : वेडफुल

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल के साथ बातचीत के बाद भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की पूरी संभावना है। जयशंकर ने जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ बातचीत के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री ने कहा कि वार्ता में अर्थव्यवस्था, जलवायु परिवर्तन, रक्षा, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत दौरे पर आए जर्मन विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई, जिसमें जर्मन विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और जर्मनी में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। इससे पहले मंगलवार को जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल बेंगलुरु पहुंचे और वहां उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, हम भारत के साथ व्यापार को दोगुना करने संबंधी जर्मनी के लक्ष्य की सराहना करते हैं। विदेश मंत्री ने निर्यात नियंत्रण के मुद्दों को सुलझाने के लिए भी जर्मनी की प्रशंसा की। जयशंकर ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग के लिए जर्मनी की दिलचस्पी का भी स्वागत किया। विदेश मंत्री ने कहा कि जर्मन विदेश मंत्री ▶10पर

भारत और रूस के बीच हुई रक्षा और तेल डील पर चर्चा

एस-400 घातक मिसाइलों की बड़ी खेप आएगी

ट्रंप-टैरिफ के जवाब में रूस ने भारत को दी तेल पर छूट

नई दिल्ली/मॉस्को, 03 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मिसाइलों को ढेर करने वाली एस-400 मिसाइलों की बड़ी खेप भारत आने वाली है। एस-400 मिसाइल सिस्टम की अतिरिक्त आपूर्ति को लेकर भारत और रूस के बीच बातचीत चल रही है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ का बोझ लादे जाने के जवाब में रूस ने भारत को तेल पर छूट देने की घोषणा की है।

रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन के प्रमुख दिमित्री शुगायेव ने कहा, भारत के पास पहले से ही हमारा एस-400 सिस्टम है और इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावना है। इस पर बातचीत हो रही है। उल्लेखनीय है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किया था और पाकिस्तान एवं पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यह सिस्टम भारत को हवाई हमलों से बचाने के लिहाज से काफी अहम है। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5.5 अरब (लगभग 45,000 करोड़) की डील की थी, जिसके तहत पांच एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल सिस्टम मिलने थे। भारत का कहना है कि यह सिस्टम चीन से खतरे का मुकाबला करने के लिए जरूरी है। इस डील की डिलीवरी में कई बार देरी हुई। अब माना जा रहा है कि अंतिम दो सिस्टम 2026 और 2027 में भारत को मिलेंगे।

हाल ही में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रिय मित्र कहा। इसके जवाब में मोदी ने कहा, भारत और रूस ने मुश्किल समय में भी एक-दूसरे का साथ निभाया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी कहा कि भारत ने अमेरिका के दबाव में आकर रूस से संसाधन (जैसे कि हथियार और तेल) खरीदना बंद नहीं किया, रूस इसकी सराहना करता है। ▶10पर

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में मची भारी अफरातफरी

निलंबन के एक दिन बाद ही कविता ने छोड़ी पार्टी

पिता केसीआर और भाई केटीआर को गद्दारों से किया आगाह

हैदराबाद, 03 सितंबर (एजेंसियां)। पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बीआरएस से निलंबित की गई के कविता ने आज हैदराबाद में पार्टी और एमएलसी पद छोड़ने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा, मेरा निलंबन पूरे बीआरएस को नियंत्रित करने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने हरीश राव और संतोष राव पर गंभीर आरोप लगाए। दोनों पर हमला तेज करते हुए उन्होंने कहा कि हरीश राव और संतोष राव के भ्रष्टाचार के कारण केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच हो रही है। के. कविता ने अपने पिता केसीआर और भाई केटीआर को आगाह करते हुए कहा कि हरीश राव और संतोष राव उनके शुभचिंतक नहीं हैं।

कविता ने कहा, तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद मैंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और बीआरएस का झंडा ▶10पर

पाक-बांग्लादेश-अफगानिस्तान में प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को राहत

हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और ईसाइयों को भारत में रहने की अनुमति

पासपोर्ट या वीजा के बिना भी देश में रहने की इजाजत

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। धार्मिक उत्पीड़न के कारण पाकिस्तानी, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत में रहने की अनुमति दी जाएगी। भारत सरकार ने यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है। गृह मंत्रालय की ओर से इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। गृह मंत्रालय ने कहा है कि धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को पासपोर्ट या अन्य वीजा दस्तावेजों के बिना भी देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। पिछले साल लागू हुए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के अनुसार, 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए इन उत्पीड़ित ▶10पर

वोट चोरी का आरोप लगाने वाले कांग्रेसियों की करतूतें उजागर

पहले पवन खेड़ा, अब उनकी पत्नी के भी मिले दो वोटर कार्ड

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के बड़बोले प्रवक्ता पवन खेड़ा के बाद अब उनकी पत्नी कोटा नीलिमा पर भी दो वोटर आईडी रखने का मामला उजागर हुआ है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने तथ्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी खुद वोट चोरी में शामिल हैं। पवन खेड़ा के दो वोटर आईडी के मसले पर चुनाव आयोग ने खेड़ा को नोटिस भेज कर जवाब मांग रखा है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा पर दो वोटर आईडी रखने का मामला अभी थमा भी नहीं था कि अब उनकी पत्नी को लेकर भी ऐसा ही आरोप सामने आया है। पवन खेड़ा को चुनाव आयोग ने नोटिस भी भेजा था। पवन खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा के पास भी दो वोटर आईडी हैं, एक तेलंगाना की खैरताबाद सीट से और दूसरी काका नगर नई दिल्ली सीट से। यानि दोनों पति-पत्नी के नाम दो-दो जगहों पर वोटर लिस्ट में मौजूद हैं। ▶10पर

उमर, शरजील समेत नौ आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

दिल्ली के हिंदू विरोधी दंगों की साजिश में शामिल थे

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा आरोपियों की भूमिका गंभीर

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2020 में दिल्ली में हुए हिंदू विरोधी दंगे के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम समेत 9 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह फैसला जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की बेंच ने सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि इस स्टेज पर यह साफ तौर पर दिखाई देता है कि उमर खालिद और शरजील इमाम ने सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की योजना बनाने और उसे फैलाने में अहम भूमिका निभाई। हाईकोर्ट ने यह भी कहा, हम अभी केस के पूरे तथ्यों में नहीं जा रहे, लेकिन इस समय उनके खिलाफ जो सबूत हैं, वो उनकी भूमिका को बाकी आरोपियों से अलग और ज्यादा गंभीर दिखाते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने पाया कि दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन विधेयक ▶10पर

कोई भी दुख और मृत्यु से सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने बारह भावना अंतर्गत दूसरी अशरण भावना का महत्व समझाते हुए कहा कि इस संसार में कोई भी दुख और मृत्यु से सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता। सभी को आत्मनिर्भर होना आवश्यक है।

मृत्यु और दुख पर विजय पाने का एकमात्र उपाय है अपने सभी कर्मों का नाश करके और तीर्थंकरों द्वारा बताए गए धर्म के सत्य मार्ग की शरण लेना। यह हमें यह एहसास कराती है कि सुरक्षा और संरक्षण के लिए छिपने की कोई जगह नहीं है। जब हमारे प्रियजन पीड़ा में मर जाते हैं, तो हम उन्हें बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकते। धन, प्रसिद्धि, मित्र, रिश्तेदार – इनमें से कोई भी बचाव नहीं कर सकता और अपरिहार्य को बदल नहीं सकता। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि अशरण भावना यह संदेश देती है कि व्यक्ति को इस बात पर चिंतन करना चाहिए कि कैसे और क्यों कोई भी उसे सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता या उसके जीवन की रक्षा नहीं कर सकता। अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानना चाहिए। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में गुरुवार को सुबह दादागुरुदेव राजेन्द्र सूरिश्वरजी का 207 जोड़ा सहित गुरुपद महापूजन रेणुका मंदिर हॉल में होगा। रात्रि भक्ति संगीतकार विपिन पोरवाल द्वारा होगी। राजू भंडारी ने बताया कि दावणगेरे के इतिहास में पहली बार 207 जोड़ा युक्त श्री गुरुपद महापूजन कलिकाल कल्पतरु विश्व पूज्य प्रातः स्मरणीय दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरिश्वरजी महाराजा का पूजन साध्वीजी श्री भव्यगुणाश्रीजी एवं साध्वीजी श्री शितलगुणाश्रीजी के मुख से मंत्रोच्चार द्वारा पढ़ाई जायेगी एवं संगीत सम्राट विपिन पोरवाल, बेंगलूरु द्वारा पूजन में सुमधुर संगीत के साथ संपन्न होगा।

पांचों इंद्रियों पर अनुशासन ही जीवन है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा घर के बुजुर्ग घर परिवार संघ समाज की शान होते हैं और अनुभव की खान होते हैं। इन्हें पूरा सम्मान मिलना चाहिए। ये वो मेहमान होते हैं जिनका कोई भरोसा नहीं कि कब तक इनका आशीर्वाद हमे मिलता रहेगा। जब तक हैं, तब तक इन्हें खूब आदर देना चाहिए। बुजुर्गों के पास अपार आत्म शक्ति होती हैं। सभा में उपस्थित किशनलाल कोठारी का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रौढ़ अवस्था में भी एक साथ 9 उपवास का संकल्प ले कर उन्होंने सबल आत्म विश्वास का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि बचपन और पचपन के शौक समान होते हैं। इनकी भावनाओं को सम्मान मिलना चाहिए। कहीं ये बुजुर्ग मजबूर न हो जाए, यह हमे ध्यान रखना चाहिए। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि संयम ही जीवन है। स्वयं पर नियंत्रण संयम है। पांचों इंद्रियों पर अनुशासन जीवन है। मन को वश में रखना, स्वभाव में रमण करना, कषाय का शमन करना और मर्यादा में रहना ही संयम है। संयम में सभी समाधान है। संयम एक बांध के समान है जो आते हुए पाप मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। विषय और विकार कचरा है। मन वचन और काया की शुद्धि से इस कचरे को हटा सकते हैं। स्व प्रशंसा और पर निंदा से बचना भी संयम है। प्रवचन सभा में अनेक तपस्वियों का संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सम्मान किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

अहिंसा के महान साधक थे आचार्य भिक्षु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन धर्म की आचार्य परम्परा में आचार्य भिक्षु का नाम एक क्रांतिकारी प्रभावक एवं सत्याग्रही आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित है। उन्होंने साधना की पवित्रता, संघ की सुदृढ़ता, सामुदायिक व्यवस्था संविभागिता पर बहुत बल दिया। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा आचार्य भिक्षु का 223 वां चरम महोत्सव हम त्रिदिवसीय कार्यक्रम के रूप में मना रहे हैं। आचार्य भिक्षु के सिद्धान्त आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा–हिंसा भाव, भाषा और क्रिया से जुड़ी है। किसी का मात्र प्राण वियोजन कर देना ही हिंसा नहीं निषेधात्मक भावों जीना भी हिंसा है।

हिंसा में तलवार के लिए हाथ भले न भी उठे पर किसी को मारने का संकल्प भी मानस भूमि पर उतर गया तो वह व्यक्ति हिंसा का भागीदार बन जायेगा।

व्यक्ति स्वयं अपराध न करे पर अपराध में दिया गया सहयोग अपराध की स्वीकृति ही होगी इसलिए कृत, कारित और अनुमोदित हिंसा हिंसा है। मन का संयम निषेधात्मक भावों का शोधन करेगा, भाषा का संयम वैचारिक संघर्षों को विराम देगा और क्रिया का संयम इच्छाओं और अपेक्षाओं के बीच संतुलन स्थापित करेगा।

मंगलाचरण महिला मंडल की बहनों के द्वारा भिक्षु अष्टकम से किया गया।

साध्वी विनितयशाजी ने एक कविता के माध्यम से अपने आराध्य को अपनी श्रद्धा समर्पित करते हुए कुशलता से मंच का संचालन किया। साध्वी वर्धमानयशा जी ने आगमवाणी पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी।

शरीर नहीं अपनी इंद्रियों को करें पतला: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि क्रोध, मान, माया, लोभ को ही कषाय कहते हैं।

जो अच्छा काम करने से रोकती है वहीं कषाय है। तीन चीजों को पतला करों। शरीर पतला है तो कोई बात नहीं। लेकिन अपनी पांच इन्द्रियों को पतला जरूर करें। इनकी इच्छाओं को घटाओं। इनको घटाने के बाद ही सही मार्ग मिलेगा। इंद्रियों को नियंत्रित करने से पहले मनुष्य को अपने मन को नियंत्रित करना चाहिए। जब तक मन नियंत्रित नहीं होगा तब तक इंद्रियों पर नियंत्रण करना संभव नहीं होगा। गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं करने की वजह से ही कषाय करता जा रहा है। कषाय करने में मनुष्य की समस्या और दुविधा बढ़ती जाती है। जब दुख और कष्ट आता है तो मनुष्य भगवान और गुरु के चरणों में जाता है। लेकिन अगर अच्छे समय में कषाय से बचें और भगवान के चरणों में रहें तो दुख ही नहीं आएगा। इंद्रियां बहुत बलवान और शक्तिशाली होती हैं। अगर थोड़ा ध्यान नहीं रखे तो मामला गड़बड़ हो जाता है। आंख दो है लेकिन उसका काम एक है। कान दो है, उसका भी काम एक है। लेकिन इन पर अगर ध्यान नहीं दिया तो हर काम गड़बड़ कर देते हैं। इसलिए किसी के प्रति खराब नहीं बोलना चाहिए। किसी के लिए अपशब्द बोलने से अपना ही कषाय बढ़ता है। पुराने जमाने में लोगों में एक दूसरे के प्रति बहुत आदर सम्मान था। लेकिन अब ऐसा बिल्कुल नहीं है। आगम कहता है कि अंधे को अंधा नहीं कहना चाहिए। लंगड़े को लंगड़ा नहीं कहना चाहिए। सभी के प्रति अच्छा वचन ही बोलना चाहिए। एक वचन प्यार भरता है तो दूसरा वचन जख्म देता है। सभी से मीठा बोलना चाहिए। मीठी बोली ही काम आती है। कड़वी बोली कभी काम नहीं आती है। वचन के हाथ पांव नहीं होते हैं, लेकिन एक वचन औषधि और एक वचन घाव देता है। इसलिए आपको देखना है कि आप अपने वचनों से दूसरे को क्या दे रहे हैं। जहां भी बोलें सोच समझ कर ही बोलें। ऐसा करने से मनुष्य अपने कर्मों के बंध से बच सकेगा। त्रिशला महिला मंडल भारती नगर की महिलाओं ने गुरु दर्शन किए। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को मध्यान 2 से प्रवचन में युग प्रधान एका भवतारी आचार्य सम्राट श्री जयमलजी का 318 वां जन्मदिवस मनाया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का अभिनन्दन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेंगलूरु आगमन पर प्रवासियों ने भावभीना अभिनन्दन किया। इस अवसर पर माली (सैनी) युवा संगठन के अध्यक्ष नन्दकिशोर सोलंकी, रिखबचंद छाजेड़, जगदीश सुंदेशा, गुमानसिंह दासपा, कुलदीप सिंह सांथुआ, तेजपाल बागड़ी, देवेंद्र पालड़िया, रमेश बागड़ी, दिनेश बागड़ी, राजेश गहलोत, निर्मल तंवर, सुनील बागड़ी, भीखाराम पालड़िया, सुभाष मेवाड़ा, रमेश सीरवी, सुखदेव जाट सहित अन्य प्रवासियों ने गहलोत का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रवासियों से कहा कि आपके सुख दुःख में सदैव हाजिर रहता हूँ और आगे भी सदैव रहूँगा। उन्होंने कहा की प्रवासी जहां भी रहते हैं वहां सदैव सेवा कार्य में आगे रहते हैं।

हमारी भावनाओं से ही जीवन का उत्थान और पतन जुड़ा: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी निर्मला जी के सानिध्य में साध्वी नंदिनी जी ने मेरी भावना के नौवें पद का विवेचन करते हुए कहा कि जिस प्रकार शरीर पर मैल जमता है तो बदबू आती है, उसी प्रकार आत्मा पर जमा मैल भी दुर्गंध देता है।

आत्मा का मैल हटाने के लिए आत्मशुद्धि आवश्यक है, और आत्मशुद्धि शुभ भावों से ही संभव है। जब महापुरुष अंतर्मन से जुड़ता है, वह आत्मधर्म से जुड़ता है और उसके भाव शुद्ध हो जाते हैं। इसीलिए 'सुखी रहे सब जीव जगत में, कोई कभी न घबराए' की भावना ही सच्चा आत्मकल्याण है। उन्होंने आगे कहा कि संसार में अनेक लोग ऐसे होते हैं जो प्राणी मात्र के सुख की कामना करते हैं और दूसरों के दुख दूर करने के लिए अपने सुख का बलिदान कर देते हैं। यही साधक और महापुरुष कहलाते हैं। 'मेरी भावना' हमें सिखाती है कि हमसे किसी के मन में बैर उत्पन्न न हो और हमारे भाव सदैव शुद्ध रहें।

यदि नरक से बचना चाहते हो तो बुरे कार्यों का त्याग करना आवश्यक है। हमारी भावनाओं से ही जीवन का उत्थान और पतन जुड़ा होता है। साध्वी उपमा ने मधुर स्तवन प्रस्तुत किया। साध्वी उपासना ने उज्जैन नगरी के राजकुमार गोविंदसिंह की प्रेरक धारावाहिक कहानी की शुरुआत की और कर्म सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कर्म सिद्धांत को मानने वाला ही सच्चा साधक और अनुयायी है। गोपाल हो या कंगाल, राजा हो या रंक, भक्त हो या भगवान कर्म सभी को भोगने पड़ते हैं। जिस प्रकार मदारी बंदर को नचाता है, उसी तरह कर्म की सत्ता इंसान को कठपुतली की तरह नचाती है। आगामी सोमवार, 8 सितंबर को आचार्य जयमल जन्मोत्सव तप, त्याग और धर्म आराधना द्वारा मनाया जाएगा। अंत में अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में बुधवार को परिवर्तनी एकादशी के पावन अवसर पर भजन संध्या का आयोजन सायं 4.15 बजे से किया गया। जिसमें स्थानीय भजन गायकों ने बाबा श्याम को मधुर भजनों से रिझाया। इस अवसर पर बाबा श्याम का मनमोहक फूलों से श्रृंगार किया गया। सुबह से ही श्याम भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए। सायं 7 बजे आरती का भी भक्तों ने लाभ लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक दिवसीय दौरे पर बेंगलूरु पहुंचने पर एयरपोर्ट पर कांग्रेस महासचिव बिशन सिंह वीराना, कांग्रेस के युवा नेता लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित और सम्पत राज आलाशन, मीठालाल राजपुरोहित साथु ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे नगरथपेट पहुंचे, जहाँ पिछले दिनों आगजनी की घटना में राजस्थान के पाँच लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी, को करीब से देखा। साथ ही पीड़ित परिवारों के सदस्यों से मुलाकात कर सांत्वना दी और राजस्थान सरकार से भी हर सम्भव मदद कराने का आश्वासन दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भीम आर्मी द्वारा गांधी भवन में आयोजित पद ग्रहण समारोह में पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में नरेंद्र बाबू और विशेष अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत मौजूद थे।

नकाबपोश चोरों के गिरोह ने घर में सेंध लगाने की कोशिश की, सीसीटीवी में कैद

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुक्कीकट्टे के पास मंगलवार रात करीब 1 बजे नकाबपोश चोरों के एक गिरोह ने घरों में सेंध लगाने की कोशिश की। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। तीन सदस्यीय गिरोह ने सबसे पहले मुच्छलागोडु के पास सुब्रह्मण्य नगर स्थित विट्ठल पुजारी के घर को निशाना बनाया, जहाँ उन्होंने कीमती सामान की तलाश में घर की तलाशी ली, लेकिन खाली हाथ लौट गए। बाद में, जब उन्होंने पास के एक अन्य घर में घुसने की कोशिश की, तो निवासियों ने लाइट जला दी, जिससे चोरों को सूचना मिल गई और वे तुरंत मौके से भाग गए। इलाके के सीसीटीवी फुटेज में गिरोह को सड़क पर घूमते और घरों की पहचान करते हुए भी देखा जा सकता है। सूचना मिलने पर, उडुपी शहर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया।

विधायक मुनिरत्न के खिलाफ बलात्कार के मामले में उचित सबूतों का अभाव

एसआईटी ने सौंपी बी रिपोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के राजराजेश्वरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक मुनिरत्न के खिलाफ बलात्कार के मामले में उचित सबूतों के अभाव में विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने अदालत में बी रिपोर्ट पेश की है। चूँकि पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, विधायक द्वारा महिला के साथ बलात्कार किए जाने की पुष्टि करने वाले कोई उचित दस्तावेज या सबूत नहीं हैं, इसलिए एसआईटी ने जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत में बी रिपोर्ट पेश की है। यह बलात्कार के मामले में फंसे मुनिरत्न के लिए एक बड़ी जीत है। अदालत ने अभी तक बी रिपोर्ट स्वीकार नहीं की है। मुनिरत्न ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को झूठा बताते हुए मामले को रद्द करने की मांग करते हुए

एक याचिका दायर की थी। अब, मुनिरत्न के वकील ने उच्च न्यायालय को बताया कि एसआईटी ने बी रिपोर्ट पेश की है जिसमें कहा गया है कि आरोप साबित नहीं हुए हैं। यह बात सामने आई है कि महिला को तब भी नींद की दवा दी गई थी जब वह गोलियां ले रही थी। 8 बार दवा दी गई थी। शरीर में नींद की गोलियों का कोई सबूत नहीं मिला है। पीड़िता द्वारा लगाए गए आर-ोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं है। इसलिए, 'बी' रिपोर्ट दर्ज की गई है। राजराजेश्वरी नगर के भाजपा विधायक मुनिरत्न के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है। एक भाजपा कार्यकर्ता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। विधायक मुनिरत्न, उनके समर्थक वसंत, चन्नकेशव, कमल और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शहर के आरएमसीकार्ड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

महिला का आरोप था कि बलात्कार से पहले दिए गए इंजेक्शन की वजह से मुझे अब ईडीआर नामक बीमारी हो गई है। महिला ने अपनी शिकायत में कहा था कि वह इससे परेशान थी और उसने आत्महत्या का प्रयास किया था।

एक भाजपा कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 376ए, 270, 323, 354, 504, 506, 509, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है। महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में उसने कहा है कि वह भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम करती थी। मेरे पति के मुझे छोड़ने के बाद, मैं अकेले रह रही थी। मुझे वेश्यावृत्ति के आरोप में जेल भेजा गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। महिला ने आरोप लगाया कि कुछ लोग मुझे बहला-फुसलाकर अपने कार्यालय ले गए और मेरे साथ सामूहिक बलात्कार किया, क्योंकि मैं भाजपा में थी। पहले, चूँकि मैं भाजपा में थी, इसलिए तत्कालीन कांग्रेस विधायक मुनिरत्न ने मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज करवाकर मुझे जेल भिजवा दिया था। बाद में, 11 जून, 2023 को, वह मुझे जेपी पार्क के पास विधायक के कार्यालय की दूसरी मंजिल पर ले गए, मुझे नंगा किया और अपने दो साथियों से सामूहिक बलात्कार करवाया। इसके अलावा, उन्होंने मुझे एक ऐसा इंजेक्शन दिया जिससे एक खतरनाक बीमारी हो सकती थी। महिला ने आरोप लगाया कि मुनिरत्न ने उसे इस मामले का जिक्र कहीं न करने की धमकी दी और उसके चेहरे पर पेशाब भी किया। सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया और एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का आदेश दिया।

भ्रष्टाचार के आरोपों के मद्देनजर मै इस्तीफा देने को हूं तैयार: निगम अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भोवी विकास निगम के अध्यक्ष एस. रवि कुमार ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा देने की बात कही है। शिवमोग्गा में पत्रकारों से बात करते हुए रवि कुमार ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने उनसे फोन पर बात की और आरोपों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने कहा मैंने उनसे कहा कि यह मेरे खिलाफ एक साजिश है। सरकार और पार्टी को शर्मिंदगी से बचाने के लिए मैं इस्तीफा दे दूँगा। वायरल हुए वीडियो क्लिप के बारे में, रवि कुमार ने कहा कि वीडियो क्लिप के साथ छेड़छाड़ की गई है और साजिश के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों का इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने दावा किया कि वीडियो उनके कार्यालय में शूट किया गया था और रिकॉर्ड की गई बातचीत के साथ छेड़छाड़ की गई है। मैंने पूरे मामले की जाँच की माँग की है। पिछले दो दिनों में एक महिला और अध्यक्ष के बीच बातचीत

का एक वीडियो क्लिप वायरल हुआ था। क्लिप में, रवि कुमार निगम की एक योजना के पात्र लाभार्थियों को लाभ देने वाले आयोग के बारे में बात करते हुए दिखाई दे रहे थे। क्लिप में एक मंत्री का भी जिक्र था। वीडियो वायरल होते ही विपक्षी नेताओं ने कर्नाटक सरकार से जाँच के आदेश देने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। अध्यक्ष ने वीडियो क्लिप में होने की बात स्वीकार की। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत का केवल एक हिस्सा ही असली था, और कुछ अंश शायद कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करके जोड़े गए थे। एक सवाल के जवाब में, उन्होंने कहा कि समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा का इस बातचीत से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम के अधिकारी उनके खिलाफ साजिश में शामिल थे। उन्होंने आगे कहा पहले निगम पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। कार्यभार संभालने के बाद, मैंने अनुशासन लागू किया, और इससे अधिकारी नाखुश हुए होंगे।

टमाटर की कीमतों में अचानक गिरावट से किसान चिंतित!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले एक पखवाड़े से टमाटर की कीमतों में सुधार के बाद अचानक गिरावट आई है, जिससे टमाटर उत्पादक परेशान हैं। बारिश, बादल छाए रहने और बीमारियों के कारण टमाटर की गुणवत्ता कम हो रही है, जिससे बाजार में कीमतें गिर रही हैं। पिछले 15 दिनों से धीरे-धीरे बढ़ रहे टमाटर के दाम अब अचानक गिर गए हैं। एक हफ्ते पहले, एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मंडी, कोलार एपीएमसी मंडी में 15 किलो टमाटर का एक डिब्बा 750 रुपये में बिक रहा था। अब यह घटकर 250 से 300 रुपये पर आ गया है। इस वजह से टमाटर उत्पादक किसान मुश्किल में हैं। पिछले हफ्ते खुदरा बाजार में एक किलो टमाटर 40 से 50 रुपये में बिक रहा था, लेकिन अब यह 15 से 20 रुपये पर आ गया है। कीमतों में गिरावट उन

किसानों पर वज्रपात की तरह पड़ी है जो बारिश और शुभ त्योहारों व समारोहों से होने वाले मुनाफे का आनंद ले रहे थे। पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में टमाटर की माँग है। ऐसे में अगर टमाटर खरीदकर बाहर भेज दिया जाए, तो फल जल्दी खराब हो जाते हैं और उनकी गुणवत्ता भी अच्छी नहीं होती, जिससे नुकसान होता है। एक व्यापारी ने बताया कि यही वजह है कि व्यापारी खरीदने से हिचकिचा रहे हैं, और यही कीमत में गिरावट का कारण है। खराब मौसम, बीमारियों और बारिश के कारण फसल बर्बाद हो गई, और टमाटर की कीमत बढ़नी चाहिए थी। लेकिन, कीमत गिर गई है। टमाटर एक तरह की लॉटरी वाली फसल है, और कोई नहीं बता सकता कि इसकी कीमत कब बढ़ेगी या गिरेगी। अगर बढ़ेगी, तो शतक लगाएगी, और अगर दाम नीचे पहुँच जाए, तो 10 रुपये या 5 रुपये प्रति किलो बिकेगी। किसी भी स्थिति में, नुकसान सिर्फ किसानों को ही होगा।

प्रगति समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और मंत्री तिम्मापुर के बीच बहस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृष्णा अपर नदी परियोजना के तीसरे चरण की प्रगति समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और आबकारी मंत्री आर.बी. तिम्मापुर के बीच बहस हो गई।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने कृष्णा अपर नदी परियोजना के तीसरे चरण के कार्यान्वयन से संबंधित भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, पुनर्निर्माण, भूमि मुआवजा और विभिन्न अदालतों में अतिरिक्त मुआवजे की मांग को लेकर दायर मामलों के संबंध में एक बैठक बुलाई थी। बैठक में मंत्री प्रियांक खड़गे, एन.एस. बोसराजू, शिवानंद पाटिल, आर.बी. तिम्मापुर, शरण बसप्पा दर्शनपुर, डी. सुधाकर और अन्य शामिल हुए। आर.बी. तिम्मापुर ने बैठक में किसानों को

40 से 50 लाख रुपये प्रति एकड़ जमीन का मुआवजा देने की मांग की थी। इससे नाराज डी.के. शिवकुमार ने कहा मंत्री महोदय, कैबिनेट में मंत्री रहते हुए आपका ऐसा बोलना उचित नहीं है। इससे पहले जल संसाधन मंत्री और मुख्यमंत्री रहे बसवराज बोम्मई ने जमीन के मुआवजे की एक कीमत तय की थी। अब मंत्री होने के नाते आप उसे थोड़ा बढ़ाकर मुआवजा दे सकते हैं। जैसा आपने कहा, आप 40 से 50 लाख रुपये नहीं दे सकते। जिसके बाद मंत्री ने कहा लोगों की राय आपके ध्यान में लाना मेरी जिम्मेदारी है। मैंने वह काम किया है। अपने अनुभव और अवसर के आधार पर कोई फैसला लीजिए। विधायकों और किसान नेताओं को बोलने दीजिए। डी.के. शिवकुमार ने कहा ऐसे मंच पर एक मंत्री के तौर पर आपको ऐसा नहीं बोलना चाहिए। यह बातचीत मीडिया के सामने हो रही थी। मंत्री प्रियांक खड़गे ने मीडिया के कैमरामैन को बाहर भेजने की कोशिश की ताकि विवाद उजागर न हो और जनता में गलत धारणा न बने। डी.के. शिवकुमार ने ऐसा नहीं होने दिया और कहा कि मीडिया को वहाँ होना चाहिए और विधायकों को बोलने दिया। कृष्णा अपर नदी तृतीय चरण परियोजना की लागत दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, परियोजना की लागत 75 हजार करोड़ से बढ़कर एक लाख करोड़ से भी ज्यादा हो गई है। सभी सरकारें इस परियोजना को लागू करने और पूरा करने का वादा करती रही हैं।

लेकिन भूमि अधिग्रहण की उच्च लागत के कारण परियोजना अभी अपने प्रारंभिक चरण में है। डी.के. शिवकुमार ने परियोजना को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की थी। बैठक में मुआवजा बढ़ाने की वकालत करने पर मंत्री तिम्मापुर डी.के. शिवकुमार के निशाने पर आ गए हैं।

भाजपा नेताओं के खिलाफ हानिकारक सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी. एन. अश्वथनारायण ने कहा कि धर्मस्थल चलो जुलूस में शामिल हमारे नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक वीडियो वायरल हुआ है और उसमें हानिकारक सामग्री पोस्ट की गई है।

उन्होंने आपत्ति जताई है कि सरकार और गृह विभाग ने इसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। शहर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि सौजन्या के मुद्दे पर कोई सहमति नहीं है।

हमारे प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने कहा है कि वह सौजन्या की माँ की माँग का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह उनके घर भी गए हैं। अगर

धर्म के मुद्दे पर ऐसा कोई खेल खेला गया, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर कोई और सोशल मीडिया पोस्ट आता है, तो उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया सामग्री को हटाने की मांग की। भाजपा ने कानूनी लड़ाई लड़ी है। देश और राज्य के विभिन्न हिस्सों से धर्म की रक्षा के लिए लड़ने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को हिंदू समाज की रक्षा करनी चाहिए। हम धर्मस्थल के श्री मंजूनाथस्वामी का अपमान करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने बताया कि हमने साजिश का विरोध करने और सरकार को एक स्पष्ट संदेश देने के लिए धर्मस्थल चलो का आयोजन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर रील बनाकर और हमारे नेत-ाओं और भाजपा के निर्वाचित प्रतिनिधियों के वीडियो बनाकर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मांग की कि इस सामग्री को पोस्ट करने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए और सामग्री को वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उप्परपेटे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है।

इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, राज्य महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सी. मंजुला, प्रकाशन की राज्य समन्वयक एस. दत्तात्री, बेंगलूरु सेंट्रल जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, भाजपा राज्य कानूनी प्रकोष्ठ के संयोजक वसंत कुमार, भाजपा राज्य मीडिया सह-संयोजक प्रशांत केदानजी और वकीलों की एक टीम उपस्थित थी।

10.60 लाख रुपये के गांजा के साथ चार अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर पुलिस ने नशीले पदार्थ बेचने वाले चार अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है और कुल 10.60 लाख रुपये का गांजा जब्त किया है। विवेकनगर पुलिस स्टेशन ने दो मामलों में उड़ीसा और बिहार के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 5.60 लाख रुपये का गांजा जब्त किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि वे वन्नारपेट जाने वाली सड़क पर एएससी सेंटर परिसर के बगल वाले फुटपाथ पर नशीले पदार्थ बेच रहे हैं। विशेष सूचना के आधार पर, एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और बाद में पुलिस ने उस जगह पर छापा मारा और

व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की। पता चला कि वह उड़ीसा का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह शहर में रहता था और किसी अनजान व्यक्ति से कम दाम पर गांजा खरीदकर उसे ऊंचे दामों पर बेचता था।

आरोपी ने 5 लाख रुपये की मांग की। पुलिस ने 11 किलो 150 ग्राम गांजा जब्त किया है जिसकी कीमत 1.5 लाख रुपये है। एक अन्य मामले में, विवेकनगर पुलिस ने बिहार से एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 60,000 रुपये मूल्य का 2 किलो 270 ग्राम गांजा बरामद किया है। नीलसांद्रा स्थित एक पार्क के पास एक व्यक्ति द्वारा गांजा बेचे जाने की सूचना मिलने पर पुलिस ने उस स्थान पर छापा मारा और उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पता चला कि वह बिहार का रहने वाला है। आरोपी ने किसी अज्ञात व्यक्ति से कम दामों पर मादक पदार्थ गांजा खरीदा था और उसे ट्रेन से शहर लाकर आम जनता और कॉलेज के छात्रों को बेचा था। इंस्पेक्टर शिवकुमार और उनकी टीम ने इन दोनों मामलों का खुलासा करने में सफलता प्राप्त की है।

गोवा के मुख्यमंत्री ने कुमारस्वामी से मुलाकात की, राज्य की राजनीति में तनाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से मुलाकात ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। इससे राजनीतिक संदेह पैदा हो गया है कि क्या एनडीए नेता कर्नाटक कांग्रेस में चल रहे आंतरिक घटनाक्रम का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। नई दिल्ली में दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात ने राजनीतिक उत्सुकता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि सावंत और

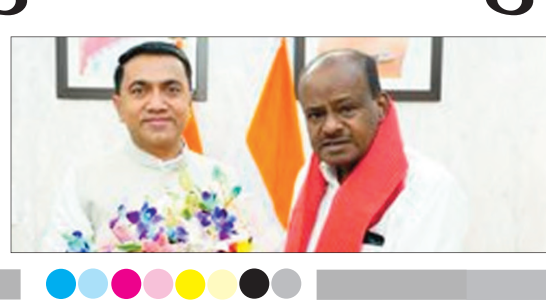

कुमारस्वामी ने देश और कर्नाटक के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। उन्होंने हाल ही में कर्नाटक राज्य में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम पर विचारों का आदान-प्रदान किया है। जेडीएस सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने राज्य कांग्रेस में चल रहे घटनाक्रम पर विचार-विमर्श किया है। कुछ दिन पहले जेडीएस और एनडीए के बीच गठबंधन में सावंत की अहम भूमिका थी। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुमारस्वामी से बातचीत की थी। इससे पहले, शाह ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक से अलग-अलग बातचीत की थी। पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना ने भविष्यवाणी की थी कि सितंबर में क्रांति होगी। विपक्षी नेताओं ने बयान दिया था कि कांग्रेस में तूफान आएगा, जिसमें मुख्यमंत्री बदलना भी शामिल है।

जाति सर्वेक्षण में जल्दबाजी न करे सरकार: वी. सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार ने कहा कि भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्य पिछड़ा वर्ग स्थायी आयोग के अध्यक्ष से जल्दबाजी में जाति सर्वेक्षण न कराने का आग्रह किया है। उन्होंने मीडिया को बताया कि भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह कहना उचित नहीं है कि हम 15 दिनों में और दशहरे के दौरान सर्वेक्षण पूरा कर लेंगे। किसी दबाव में सर्वेक्षण कराना उचित नहीं है। लगभग डेढ़ महीने में 2 करोड़ घरों का सर्वेक्षण करना आसान नहीं है। हमने मांग की है कि सर्वेक्षण गर्मियों के दौरान किया जाए। समाचार पत्रों में 1,400 जातियों की सूची प्रकाशित की गई है और उस पर आपत्तियाँ मांगी गई हैं। ऐसी नई जातियाँ बनाई गई हैं जो सरकार की किसी भी जाति सूची या किसी भी आयोग की जाति सूची में नहीं हैं। कुरुबा ईसाई, मादिवाला ईसाई, वोक्कालिगा ईसाई - इस तरह 107 जगहों पर नई जातियों की घोषणा की गई है। उन्हें कोड नंबर दिए गए थे और यह किसी भी कारण से अस्वीकार्य था।

ऐसी संभावना है कि यह पूरे राज्य में एक जन आंदोलन बन जाएगा। जब हमने ईसाइयों के बारे में पूछा, तो हमने 2-3 उपजातियों के बारे में पूछा। हमने मुसलमानों में कुछ उपजातियों के बारे में पूछा। उन्होंने सभी हिंदू उपजातियों को ईसाई और मुसलमान बताकर धर्मांतरण को बढ़ावा देने की कोशिश करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को संदेह है कि यह एक और आरक्षण योजना है। उन्होंने मांग की थी कि नई बनाई गई जातियों को सूची से हटा दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध किया गया था कि सर्वेक्षण के लिए पावती पत्र अनिवार्य रूप से दिया जाए। कन्नड़ व्याकरण के अनुसार, 1,400 जातियों को सूचीबद्ध किया गया है। हमने अनुरोध किया है कि यह श्रेणी के अनुसार किया जाए। उन्होंने सब कुछ शांति से सुना। हालाँकि, ऐसा लगता है कि वे इसे 15 दिनों में करने के लिए जिद्दी हैं। इसे जल्दी में किया जाना चाहिए और रिपोर्ट को अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण भावी राज्य सरकारों के अगले कार्यक्रम तैयार करने की भूमिका है और उन्होंने अनुरोध किया है कि यह सर्वेक्षण जल्दबाजी में न किया जाए। राज्य पिछड़ा वर्ग स्थायी आयोग कर्नाटक में एक शैक्षिक आर्थिक सर्वेक्षण कराने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले, कांताराजू की अध्यक्षता वाले आयोग ने 165 करोड़ रुपये की लागत से एक रिपोर्ट तैयार की थी। वह रिपोर्ट सरकार के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि 165 करोड़ रुपये बेकार थे। बाद में, न्यायमूर्ति नागमोहनदास द्वारा 110 करोड़ रुपये की लागत से आंतरिक आरक्षण पर सर्वेक्षण भी कराया गया। उन्होंने बताया कि सरकार ने उस सर्वेक्षण के किसी भी पहलू पर विचार किए बिना अपना रुख कैसे घोषित किया, यह कर्नाटक में बहस का विषय है। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य के लोगों के मन में व्याप्त भ्रम और शंकाओं से अवगत है। उन्होंने कहा कि यह भावना व्यक्त की गई है कि अगला सर्वेक्षण सही होना चाहिए। सांसद पी.सी. मोहन, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हरतालू हलप्पा, विधानसभा में मुख्य विपक्षी सचेतक डोड्डनगौड़ा एच. पाटिल, विधान परिषद में मुख्य विपक्षी सचेतक एन. रविकुमार, विधान परिषद सदस्य एस. केशव प्रसाद, भाजपा के प्रदेश सचिव शरणु तारिकेरी एवं अंबिका हुलिनायकर, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रघु कौटिल्य, पूर्व विधायक एन.एल. नरेंद्र बाबू, पूर्व विधान परिषद सदस्य एम.डी. लक्ष्मीनारायण और अन्य गणमान्य लोगों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

धर्मस्थल हत्याकांड: ग्रामीणों ने एसआईटी को पत्र लिखकर कथित कब्रिस्तानों का खुलासा करने की पेशकश की

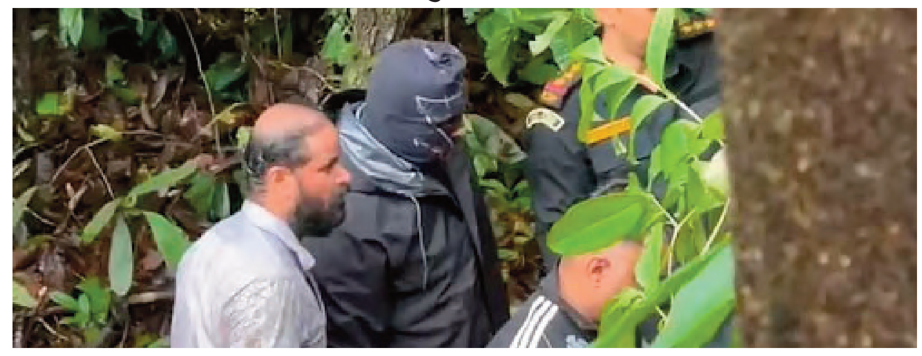

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, ग्रामीणों के एक समूह ने विशेष जाँच दल (एसआईटी) को पत्र लिखकर उन स्थानों की ओर इशारा करने की इच्छा व्यक्त की है जहाँ उनका दावा है कि हत्या के शिकार लोगों को गुप्त रूप से दफनाया गया था। धर्मस्थल निवासी तुकाराम गौड़ा द्वारा प्रस्तुत पत्र में कहा गया है कि हालाँकि इस मामले ने समुदाय में भय पैदा कर दिया है, लेकिन एसआईटी के गठन से यह विश्वास बहाल हुआ है कि एक पारदर्शी और निष्पक्ष जाँच की जाएगी। पत्र में कहा गया है, मामला बहुत गंभीर हो गया है और हम डर के साये में जी रहे हैं।

लेकिन सरकार द्वारा एसआईटी गठित करने से निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ जाँच में हमारा विश्वास बढ़ा है। हम जाँच में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। पत्र में विशेष रूप से चिन्नैया का नाम लिया गया है, जो पूर्व सफाई कर्मचारी हैं और जिनके 1995 और 2014 के बीच सामूहिक दफनाने और यौन उत्पीड़न के शिकार लोगों के चौंकाने वाले आरोपों के बाद वर्तमान जाँच शुरू हुई है।

ग्रामीणों ने लिखा हमने मीडिया रिपोर्टों में दिखाए गए व्यक्ति को पहचान लिया है। हमने उसे शवों को विभिन्न स्थानों पर ले जाते और दफनाते देखा। हालाँकि ये कथित कृत्य गुप्त रूप से किए गए थे। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीण परिवेश में ऐसी घटनाएँ शायद ही कभी छिपी रहती हैं। पत्र में आगे कहा गया है, हमारे ग्रामीण परिवेश में, गुप्त गतिविधियाँ भी अंततः प्रकाश में आ ही जाती हैं। पत्र में चिन्नैया द्वारा बाद में अपने बयान से मुकरने को लेकर पैदा हुए भ्रम पर भी चिंता जताई गई, जिसकी मीडिया में व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई थी। उन्होंने कहा यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने अपनी गवाही क्यों वापस ले ली - और इससे और भी सवाल उठते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अभियुक्तों ने जानबूझकर शवों को दफनाने के लिए कम लोगों की आवाजाही वाले सुनसान स्थानों को चुना। उन्होंने कहा कि वे एसआईटी को उन्हीं स्थानों तक ले जाने के लिए तैयार हैं। पत्र के अंत में लिखा है, हम एसआईटी को चिन्हित दफन स्थलों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। सच्चाई और न्याय की खातिर, हम पूरा सहयोग देने को तैयार हैं। चिन्नैया के दावों की जाँच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने उनके निर्देशों के आधार पर नेत्रवती नदी के किनारे दो स्थानों से कंकाल के अवशेष पहले ही बरामद कर लिए हैं। धर्मस्थल विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे राजनीतिक विवाद, सामाजिक तनाव और जवाबदेही की मांग बढ़ती जा रही है - जबकि जांचकर्ता परेशान करने वाले आरोपों की गहराई से जांच कर रहे हैं।

क्या सिद्धरामैया में सोनिया गांधी से यह पूछने का साहस है कि, क्या आप कन्नड़ जानती हैं?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से पूछा है कि क्या उनमें सोनिया गांधी से यह पूछने का साहस है कि ''क्या आप कन्नड़ जानते हैं? उन्होंने वेबसाइट पर लिखा सिद्धरामैया, क्षमा करें, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कन्नड़ पर आपकी नेता सोनिया गांधी जितनी पकड़ नहीं है। क्योंकि आपने सोनिया गांधी से कभी यह नहीं पूछा कि क्या आप कन्नड़ जानते हैं। या आपने पूछने की हिम्मत ही नहीं की। आखिर आपकी पार्टी के नेता भारत के राष्ट्रपति से भी बड़े हैं? राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अखिल भारतीय वाक् एवं श्रवण संस्थान के हीरक जयंती समारोह में भाग लेने के लिए दो दिवसीय दौरे पर मैसूरु पहुँचीं। शिष्टाचार के तहत, राज्यपाल थावर चंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और कई अन्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए, सिद्धरामैया ने पूछा 'मैडम, क्या आप कन्नड़ जानती हैं? फिर भाषण देते हुए कहा, 'मैं कन्नड़ में बोलूंगा।

सोना तस्करी मामले में अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अवैध सोने की तस्करी के मामले में जेल में बंद कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को एक और बड़ा झटका लगा है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने उन्हें 102.55 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का नोटिस जारी किया है।

यह मामला बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनकी गिरफ्तारी से जुड़ा है, जहाँ रान्या को देश में सोने की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था। कार्रवाई के दौरान, डीआरआई अधिकारियों ने उनके पास से 14.8 किलोग्राम सोना जब्त किया। बाद की जाँच में पता चला कि अभिनेत्री ने 15 दिनों के अंतराल में चार बार दुबई की यात्रा की थी, और हर बार कथित तौर पर तस्करी की गतिविधियों में शामिल रही थी। डीआरआई ने निष्कर्ष निकाला कि ये यात्राएँ एक समन्वित सोना तस्करी रैकेट का हिस्सा थीं जिसमें रान्या राव की सक्रिय भूमिका थी। गिरफ्तारी के बाद, रान्या को सीओएफईपीओएसए अधिनियम (विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम) के तहत दोषी ठहराया गया था। सीओएफईपीओएसए के कड़े निवारक निरोध प्रावधानों के तहत उन्हें एक साल की जेल की सजा सुनाई गई है, जो पूरी सजा के दौरान जमानत की संभावना को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करते हैं। हाल ही में, सीओएफईपीओएसए मामलों की देखरेख करने वाले सलाहकार बोर्ड ने निरोध आदेश को बरकरार रखा है, और पुष्टि की है कि रान्या राव अपनी पूरी सजा के दौरान बिना किसी अंतरिम राहत या जमानत के सलाखों के पीछे रहेंगी। डीआरआई द्वारा 102.55 करोड़ रुपये का जुर्माना नोटिस सीमा शुल्क और तस्करी कानूनों के तहत वित्तीय और कानूनी कार्यवाही के एक हिस्से के रूप में जारी किया गया है।

इस नोटिस का उद्देश्य उस सोने का वित्तीय मूल्य वसूलना है जिसकी उसने तस्करी करने की कोशिश की थी, साथ ही भारतीय सीमा शुल्क और विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन के लिए अतिरिक्त दंडात्मक जुर्माना भी लगाया गया है। अब आपराधिक सजा और वित्तीय दंड दोनों लागू होने के साथ, रान्या राव को गंभीर दीर्घकालिक परिणामों का सामना करना पड़ रहा है, जो हाल के वर्षों में सबसे हाई-प्रोफाइल सेलिब्रिटी से जुड़े तस्करी मामलों में से एक है।

पेरमपल्ली रोड टूटी, गड्ढे खतरनाक होने से यात्री चिंतित

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कभी मणिपाल और अंबलगिल के बीच एक अहम संपर्क मार्ग रहा पेरामपल्ली रोड अब गहरे गड्ढों, उबड़-खाबड़ सतह और भीषण जलभराव से यात्रियों के लिए मुसीबत बन गया है। भारतीय आहार निगम के पास का यह मार्ग, जहाँ रोजाना नियमित यातायात होता है, पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, जिससे यात्रा न केवल असुविधाजनक, बल्कि बेहद खतरनाक भी हो गई है। हाल ही में हुई भारी और लगातार बारिश ने पहले से ही नाजुक इस सड़क को और भी ज्यादा खराब कर दिया है। हालाँकि अधिकारियों ने गीले मिश्रण से अस्थायी मरम्मत का प्रयास किया था, लेकिन बारिश ने उन्हें बहा दिया है और गंदे पानी से ढके खुले गड्ढे छोड़ गए हैं। खास तौर पर दोपहिया वाहन चालकों को ज्यादा खतरा है, क्योंकि उन्हें इन गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाने में मुश्किल होती है। पीक आवर्स में इस जर्जर सड़क से गुजरने वाले एक यात्री ने कहा गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना तब तक नामुमकिन है जब तक बहुत देर न हो जाए। हर सफर एक जोखिम भरा लगता है। सवारियों के लिए जोखिम के अलावा, सड़क की खराब हालत ने यातायात की गति को काफी धीमा कर दिया है, अक्सर एम्बुलेंस जाम में फँस जाती हैं, जिससे गंभीर आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी की चिंताएँ बढ़ जाती हैं। पहले से ही एक संकरा गलियारा, पेरामपल्ली रोड भारी वाहनों की आवाजाही से और भी बदतर हो गया है, जिससे सतह का क्षरण हो गया है, जिससे खतरनाक गड्ढे, ढीली बजरी और असमान जमीन बन गई है। कुछ इलाकों में, विस्थापित सड़क सामग्री ढेरों में जमा हो गई है, जिससे चालकों को अचानक मोड़ना या ब्रेक लगाना पड़ता है - जिससे स्किड और टक्कर का खतरा बढ़ जाता है। जैसे-जैसे जनता की नाराजगी बढ़ती जा रही है, तत्काल कार्रवाई की माँग तेज होती जा रही है। उडुपी नगर परिषद के अध्यक्ष प्रभाकर पुजारी ने पुष्टि की कि यह सड़क लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने कहा हमने पीडब्ल्यूडी को जल्द से जल्द मरम्मत कार्य शुरू करने और सुचारू यातायात सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रशासनिक जटिलताओं और समय से पहले मानसून आने के कारण सड़क चौड़ीकरण के प्रयासों में देरी हुई है, जिससे पूर्व-नियोजित रखरखाव कार्यक्रम बाधित हुआ है। पुजारी ने बताया कि इस संकट से निपटने के लिए परिषद ने मरम्मत कार्य को 35 वार्डों में चार पैकेजों में बाँट दिया है, जिसके लिए कुल 20 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं - प्रत्येक पैकेज के लिए 5 लाख रुपये। हमारी योजना बड़े गड्ढों को ठंडे तारकोल से भरने की है, जिसके लिए कम से कम एक दिन सूखा चाहिए। अब जबकि बारिश कम हो गई है, मरम्मत जल्द ही शुरू हो जाएगी। इस बीच, दुर्घटना के जोखिम को कम करने के लिए अस्थायी पैचिंग के लिए गीले मिश्रण का इस्तेमाल किया गया है।

सांप्रदायिक तनाव बढ़ने के बीच ईडी ने धर्मस्थल विवाद में विदेशी फंडिंग लिंक की जांच शुरू की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धर्मस्थल विवाद से जुड़े सांप्रदायिक तनाव को भड़काने के लिए संदिग्ध विदेशी फंडिंग के आरोपों की प्रारंभिक जाँच शुरू कर दी है। सूत्रों ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही यह जाँच, दक्षिण कन्नड़ जिले के इस मंदिर नगरी में विवाद को बढ़ावा देने के लिए विदेशी धन का इस्तेमाल करने के आरोपी व्यक्तियों और संस्थाओं जिनमें गैर-सरकारी संगठन भी शामिल हैं के दस्तावेजों और लेन-देन पर केंद्रित है। अधिकारियों ने बताया कि अगर विदेशी फंडिंग मानदंडों का उल्लंघन या धन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह जाँच कर्नाटक भाजपा द्वारा सोमवार को धर्मस्थल चलो रैली आयोजित करने के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। पार्टी ने धर्मस्थल के खिलाफ साजिश और बदनाम करने वाले अभियान की राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) से जाँच की माँग की और कांग्रेस सरकार पर मामले को प्रभावी ढंग से संभालने में विफल रहने का आरोप लगाया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब धर्मस्थल के एक पूर्व सफाई कर्मचारी चिन्नैया ने आरोप लगाया कि 1995 से 2014 तक अपनी नौकरी के दौरान, उन्हें कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था, जिनमें कथित तौर पर यौन उत्पीड़न के निशान वाली महिलाओं और नाबालिगों के शव भी शामिल थे। उनके दावों में मंदिर प्रशासकों की संलिप्तता प्रतीत हुई, लेकिन बाद में चिन्नैया को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर झूठी गवाही देने का आरोप लगाया गया। राज्य सरकार ने आरोपों की जाँच के लिए एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) का गठन किया। चिन्नैया के नेतृत्व में, टीम ने नेत्रवती नदी के किनारे कई स्थलों की खुदाई की और दो स्थानों पर कंकाल के अवशेष बरामद किए, जिससे जनहित और जाँच और बढ़ गई। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने मंगलवार को तीखे जवाब में, जाँच के घेरे में आए दो कार्यकर्ताओं - गिरीश मत्तनवर और महेश शेट्टी - पर आरएसएस और भाजपा से जुड़े होने का आरोप लगाया। दोनों कार्यकर्ताओं पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ वीडियो प्रसारित करने के आरोप में अलग-अलग पुलिस मामले दर्ज हैं। इन वीडियो से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने और जनभावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया गया है।

छात्रा से बलात्कार और वीडियो शेयर करने के आरोप में नाबालिग समेत आठ गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बाजपे पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा से बलात्कार और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में एक नाबालिग लड़के समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कार्तिक, राकेश सलदान्हा, जीवन, संदीप, रक्षित, श्रवण और सुरेश शामिल हैं। नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। दो महीने पहले हुई यह घटना हाल ही में सामने आई। पुलिस ने बताया कि कार्तिक इंस्टाग्राम पर एक प्रथम श्रेणी पीयूसी छात्रा के संपर्क में आया, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। जून में, उसने कथित तौर पर लड़की को बहला-फुसलाकर अड्यार जलप्रपात के पास एक जंगल में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। घटनास्थल पर मौजूद उसके दोस्त राकेश सलदान्हा ने भी पीड़िता के साथ बलात्कार किया। कार्तिक ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर लिया और बाद में वीडियो उसके दोस्तों के बीच वायरल हो गया। इसके बाद, पीड़िता ने 16 अगस्त को बाजपे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा ने मोदी की नीतियों को सराहा, लिखा पत्र

ट्रंप की टैरिफ नीति अनुचित मोदी की कूटनीति सराहनीय

भारत अपने मूल्यों के साथ दुनिया में नई पहचान बनाएगा

नई दिल्ली, 03 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा ने अमेरिका के टैरिफ वार को अनुचित बताया है। उन्होंने पीएम मोदी की मल्टी-अलाइनमेंट नीति को भविष्य में भारत के लिए फायदेमंद बताया। इसके साथ ही उन्होंने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने में भारत की भूमिका की सराहना की। देवगौड़ा ने कहा, मोदी सरकार की दूरदृष्टि और सक्रिय कूटनीति से आने वाले समय में भारत को बड़े लाभ होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने इस बारे में मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी पत्र भी लिखा है।

देवगौड़ा ने उस पत्र में कहा है कि अमेरिकी सरकार यह टैरिफ पॉलिसी जल्द ही धर्म और न्याय के दबाव में बदलने पर मजबूर होगी क्योंकि भारत के पास दुनिया में सबसे अनोखा आर्थिक, जनसांख्यिकीय और लोकतांत्रिक संतुलन है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत अपने मूल्यों के साथ दुनिया में नई पहचान बनाएगा।

अमेरिकी टैरिफ अनुचित और अन्यायपूर्ण है, अमेरिका को अपना रुख बदलना होगा। प्रधानमंत्री मोदी की नीति से भारत नए विश्व क्रम का केंद्र बनेगा और सरकार की दूरदृष्टि और सक्रिय कूटनीति से आने वाले समय में भारत को बड़े लाभ होंगे।

टैरिफ वॉर पर बोले एचडी देवगौड़ा

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने पीएम मोदी के हालिया जापान और चीन दौरे की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, मुझे राहत है कि आपने अमेरिका के अनुचित टैरिफ वार के बाद विकल्प तलाशने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए हैं। मुझे भरोसा है कि इन दौरों और आपकी बातचीत का भारत को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया में मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए, वे सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि एक नए विश्व क्रम की शुरुआत का संकेत देते हैं, जिसमें भारत केंद्र में होगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए मोदी की पहल की सराहना करते हुए कहा, आप इस मुद्दे पर लगातार सक्रिय रहे हैं। भारत के शब्द दुनिया में गंभीरता से लिए जाते हैं क्योंकि वे ईमानदारी और ऐतिहासिक मूल्यों से भरे होते हैं।

देवगौड़ा ने कहा, पहले भारत की विदेश नीति असहभागिता पर आधारित थी, लेकिन बदलते समय में मोदी की असहभागिता नीति ज्यादा व्यवहारिक और रचनात्मक है। उन्होंने कहा हमें दुनिया से अपने हिसाब से जुड़ना चाहिए, अपनी शर्तों पर, लेकिन अपने सांस्कृतिक और सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखते हुए। यही भारत को अलग और खास बनाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में लिखा, पीएम मोदी मौजूदा चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। राष्ट्र को इस मोड़ से निकालने के लिए धैर्य और आत्मविश्वास की जरूरत है। भगवान ने आपको यह दोनों खूब दिए हैं। मेरी शुभकामनाएं हैं कि आपको और शक्ति तथा अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिले।

विकास महोत्सव का आयोजन

हैदराबाद, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आचार्य श्री तुलसी के व्यक्तित्व और कार्यों को समर्पित 'विकास महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. साध्वीश्री गवेषणाश्री ने आचार्य तुलसी को एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में वर्णित किया, जिनकी ख्याति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में फैली हुई है। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी ने धर्म को एक नई परिभाषा दी और वह वास्तव में विकास के एक अग्रणी पुरुष थे। उन्होंने 'अणुव्रत' के माध्यम से धर्म की एक नई व्याख्या प्रस्तुत की, जिससे लोगों में नई ऊर्जा और शक्ति का संचार हुआ।

साध्वीश्री ने आगे कहा कि आचार्य तुलसी एक क्रांतिकारी आचार्य थे, जिन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ की छवि को सात समुंदर पार तक पहुंचाया।

साध्वी मयंकप्रभा ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ एक विकासशील संघ है, जिसने 250 वर्षों में विकास की कई मंजिलों को तय किया है।

साध्वी मेरुप्रभा ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए आचार्य तुलसी को एक कुशल साहित्यकार, प्रवचनकार और लेखक बताया।

साध्वी दक्षप्रभा ने एक मधुर गीतिका प्रस्तुत कर विकास महोत्सव के महत्व को उजागर किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती चांद बैद के मंगलाचरण से हुआ, जिसके बाद महिला मंडल ने गीतिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशील जी संचेती, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के उपाध्यक्ष निखिल कोटेचा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, महिला मंडल की अध्यक्ष नमिता जी सिंघी, उपाध्यक्ष सुशीला जी मोदी और उपासिका रीता सुराणा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भूटान के जे खेंपो और प्रधानमंत्री तोबगे राजगीर में शाही मंदिर समारोह के लिए भारत यात्रा पर

नई दिल्ली, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भूटान के जे खेंपो, मुख्य मठाधीश ट्रुलकु जिग्मे चोएद्रा और भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे बुधवार को चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं जहां वे गुरुवार को बिहार के राजगीर में शाही भूटान मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। भूटान के प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी ओम ताशी डोमा भी आ रही हैं। ये सभी आज सीधे बिहार के गयाजी पहुंचेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद भूटान के प्रधानमंत्री अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर भी जाएँगे। राजगीर स्थित शाही भूटान मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा भारत और भूटान के बीच बौद्ध धर्म की साझा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस मंदिर के लिए भूमि बिहार सरकार द्वारा प्रदान की गई है। परम पावन जे खेंपो और भूटान के प्रधानमंत्री की यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के अनुरूप है, जो इस विशेष साझेदारी की एक पहचान है।

विदेश मंत्रालय ने बताया है कि श्री तोबगे का विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से भी मिलने का कार्यक्रम है।

श्री तोबगे गुरूवार को गयाजी में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। शुक्रवार सुबह वह अयोध्या जायेंगे और दोपहर बाद राजधानी दिल्ली के लिए रवाना होंगे। शाम को डॉ. जयशंकर से मुलाकात के बाद श्री तोबगे शनिवार को वह भूटान रवाना हो जायेंगे।

श्री तोबगे इसी वर्ष फरवरी में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आये थे। उन्होंने 'स्कूल ऑफ़ अल्टीमेट लीडरशिप' सम्मेलन में हिस्सा लिया था। बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक भी की थी।

भारी बारिश में जम्मू कश्मीर सीमा पर कई जगह तारबंदी ध्वस्त

बार्डर पर बाड़ और चौकियां क्षतिग्रस्त, घुसपैठ का खतरा बढ़ा

जम्मू, 03 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू फ्रंटियर के कई स्थानों पर बाढ़ ने तारबंदी को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया है। बीएसएफ की कई सीमा चौकियां पानी में डूबी हुई हैं। इसके बावजूद सीमा सुरक्षा बल ने हार नहीं मानी और कुदरती कहर के साथ ही दुश्मन के नापाक इरादों से निपटने को सीमा पर पीछे से कड़ी निगरानी रखकर और नावों के जरिए गश्त आरंभ की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाकिस्तान इस स्थिति का फायदा उठाकर घुसपैठियों को इस तरफ न भेज सके।

बाड़ और सीमा चौकियों को हुए नुकसान का तुरंत आकलन करना संभव नहीं है क्योंकि कई जगहों पर वे अभी भी पानी में डूबी हुई हैं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ज्यादातर जगहों पर बाड़ और अग्रिम चौकियों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन चिनाब के कहर के कारण अखनूर के परगवाल द्वीप पर काफी नुकसान हुआ है। बाढ़ का पानी कम होने पर बाड़ और सीमा चौकियों को हुए नुकसान का सही आकलन किया जाएगा क्योंकि फिलहाल कुछ इलाकों का दौरा करना संभव नहीं है। इन सभी नुकसानों के बावजूद, सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए बीएसएफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गश्त और कड़ी निगरानी में कोई कमी नहीं की गई है।

बीएसएफ द्वारा सीमा पर गश्त के लिए हर संभव तरीके अपनाए जा रहे हैं, जिसमें बाढ़ग्रस्त इलाकों से कुछ दूरी तक गश्त, कई जगहों पर नावों का इस्तेमाल, निगरानी कैमरे लगाना आदि शामिल हैं। बीएसएफ के अधिकारी कहते हैं कि पानी कम होने और बाड़ को हुए नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद, जहां भी जरूरत होगी, नई बाड़ लगाने या मरम्मत का काम शुरू किया जाएगा। जहां बाड़ की मरम्मत की जा सकती है, वहां काम तुरंत शुरू किया जाएगा और जहां नई बाड़ लगाने की जरूरत होगी, वहां औपचारिकताएं पूरी होने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

याद रहे जम्मू, सांबा और कठुआ पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं और जम्मू क्षेत्र के अन्य जिलों के अलावा ये तीनों जिले भारी बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। अखनूर और बसंतर के विभिन्न हिस्सों से होकर बहने वाली चिनाब नदी और उसकी सहायक नदियां और सांबा में उसकी सहायक नदियां 26 अगस्त और उसके बाद के दिनों से ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके अलावा, जम्मू, सांबा और कठुआ में कई नाले उफान पर थे, जिससे बाड़ और सीमा चौकियों के अलावा सरकारी बुनियादी ढांचे और नागरिक सम्पत्ति को भारी नुकसान हुआ। जबकि मानसून के प्रकोप से पहले ही, हीरानगर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा और कठुआ जिले के कुछ अन्य इलाकों के अलावा पंजाब के पठानकोट जिले से घुसपैठ की कोशिशों की खबरें आती रही हैं।

टीटीडी ने गौ संरक्षण के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया

तिरुमाला, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपनी गौशालाओं में पशु कल्याण, स्वास्थ्य, पोषण और प्रबंधन के स्तर में सुधार के लिए एक गौ संरक्षण विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। यह समिति टीटीडी की सभी गौशालाओं के संचालन में विशेषज्ञता आधारित सुधार लाने के लिए अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी।

इस समिति के गठन की घोषणा 14 अगस्त 2025 को टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी के आदेश पर एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से की गई। समिति के सदस्यों में पशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रबंधन के क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हैं:- श्रीधर कोटी - श्री कृष्णा गौसेवा ट्रस्ट, तेलंगाना,

डॉ. साईबाबा - सेवानिवृत्त डीडी ग्रेड वैज्ञानिक एवं एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के सह-विकल्पित सदस्य, सी. वामसी कृष्णा - प्रबंध निदेशक, वीके डेयरी एसेंशियल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद और डॉ. के. वीरा ब्रह्माईआह - डीन, एसवीवीयू, तिरुपति।

समिति के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। यह समिति हर तीन महीने में एक बार बैठक करेगी और अपनी सिफारिशें टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी को प्रस्तुत करेगी। सदस्यों को कोई मानदेय नहीं दिया जाएगा। आधिकारिक दौरे के दौरान सदस्यों को निःशुल्क आवास, भोजन और स्थानीय परिवहन की सुविधा प्रदान की जाएगी। गृह नगर से तिरुपति आने-जाने का वास्तविक यात्रा व्यय बिल जमा करने पर वापस किया जाएगा। आधिकारिक दौरे पर आने वाले सदस्यों और उनके साथ आने वाले परिवार के सदस्यों को श्री वेंकटेश्वर स्वामी के प्रोटोकॉल ब्रेक दर्शन की सुविधा सशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी को किसी भी सदस्य को समिति में जोड़ने या हटाने का अधिकार होगा।

टीटीडी के एस.वी. गौ संरक्षण शाला के निदेशक को इस समिति से संबंधित सभी आवश्यक कार्यवाइयां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

यह कदम टीटीडी द्वारा गौ संरक्षण और पशु कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आशा है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों से गौशालाओं की स्थिति में सुधार होगा, पशुओं के स्वास्थ्य और पोषण के स्तर में वृद्धि होगी और प्रबंधन प्रणाली अधिक पारदर्शी एवं कुशल बनेगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट : अरुण कुमार को दिलाई गई शपथ, जजों की संख्या हुई 65

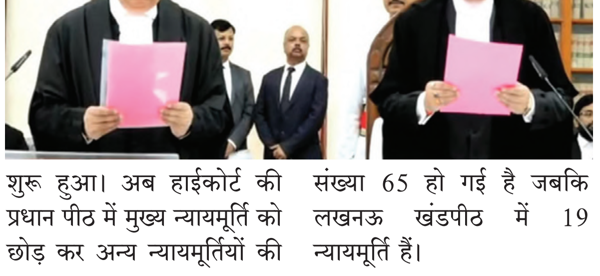

प्रयागराज, 03 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता अरुण कुमार ने न्यायमूर्ति पद की शपथ ली। बुधवार को हाईकोर्ट के न्यायकक्ष में आयोजित समारोह में मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने जस्टिस अरुण कुमार को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह के चलते न्यायिक कार्य 10.45 बजे से शुरू हुआ। अब हाईकोर्ट की प्रधान पीठ में मुख्य न्यायमूर्ति को छोड़ कर अन्य न्यायमूर्तियों की संख्या 65 हो गई है जबकि लखनऊ खंडपीठ में 19 न्यायमूर्ति हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति के 160 पद स्वीकृत हैं। दो दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने 26 अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारियों को न्यायमूर्ति बनाए जाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार के नाम को लगभग दो साल बाद सरकार की स्वीकृति मिली है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने नौ मई 2023 को उनकी उम्मीदवारी को दोबारा अनुशंसित करते हुए उन्हें इस पद के लिए योग्य और उपयुक्त बताया था। 51 वर्षीय अधिवक्ता अरुण कुमार को लगभग 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने संवैधानिक, दीवानी और राजस्व क्षेत्राधिकार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामलों की पैरवी की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बावजूद उनकी नियुक्ति करीब दो साल बाद हुई है।

जमुई में कार से भारी मात्रा में शराब जब्त, बक्सर बॉर्डर पर कार्टन खोलते ही पुलिस वाले हैरान

जमुई, 03 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराब तस्करों की दिमाग अख से भी ज्याादा तेज काम कर रहा है। मगर, बिहार की पुलिस भी तस्करों के पीछे पड़ी हुई है।

ज्यादातर साजिश को नाकाम करने की पुरजोर कोशिश में जुटी हुई है। जमुई के चंद्रदीप थाना क्षेत्र के पिपरा गांव से उत्पाद पुलिस और जिला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो नंबर प्लेट वाली कार से 40 पेटी यानी 360 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। वहीं, बक्सर में शराब लदी पिकअप को छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया। पिकअप तिरपाल से ढंककर शराब की तस्करी की जा रही थी।

जमुई के उत्पाद अधीक्षक सुभाष कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पिपरा मोड़ से पिपरा गांव जाने वाली सड़क की निगरानी करते हुए एक संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही चालक ने जंगल की ओर कार लेकर भागने लगा। इस दौरान पुलिस ने काफी तेज गति से उसका पीछा किया। लेकिन, वो पुलिस को चकमा देकर और कार को बीच सड़क पर छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली, उससे 40 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

जांच के क्रम में यह पता चला कि कार में दो नंबर प्लेट लगा हुआ है और पुलिस को चकमा देने के लिए असली नंबर प्लेट को नकली नंबर प्लेट से ढंक दिया गया है।

फिलहाल कर और शराब को जब्त करके मामला दर्ज कर लिया गया है।

तकनीक और विकास में सहयोग दे रहा आईआईटी कानपुर

उद्योग-अकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए सीएम योगी

कानपुर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को आईआईटी कानपुर के समन्वय से उद्योग-अकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इंडस्ट्री और अकादमिक संस्थानों के सहयोग का मुद्दा केवल शोध और नवाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे-सीधे आम नागरिक के जीवन स्तर, वैश्विक चुनौतियों और सतत विकास से जुड़ा हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और सस्टेनेबिलिटी जैसे विषयों पर मंथन भारत को न केवल आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाएगा, बल्कि तकनीक और विकास का वैश्विक केंद्र स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम जिस विषय पर एकत्र हुए हैं, वह केवल इंडस्ट्री-एकेडमिया सहयोग का समन्वय ही नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के सामने खड़ी चुनौतियों से जुड़ा हुआ है। ये चुनौतियां सीधे-सीधे आम नागरिक के जीवन स्तर को प्रभावित करती हैं। इसीलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) जैसे तीन महत्त्वपूर्ण स्तंभों पर तकनीकी सत्र होंगे और चर्चा होगी। कभी 17वीं शताब्दी तक भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। वैश्विक जीडीपी में हमारा योगदान 25 प्रतिशत तक था। लेकिन 150-200 वर्षों में ऐसा क्या कुछ हुआ कि यह लगातार गिरता गया और 1947 तक आते-आते भारत का योगदान केवल 2 प्रतिशत रह गया। सीएम योगी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हमने भारत को बदलते हुए देखा है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले दो वर्षों में तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। आगे चलकर हमें दूसरी अर्थव्यवस्था बनने का अवसर भी मिलेगा। यह यात्रा केवल आर्थिक विकास की नहीं है, बल्कि विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में है।

आईआईटी कानपुर का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी कानपुर का गौरवशाली इतिहास है। पिछले छह दशकों में इस संस्थान ने देश को तकनीक की दिशा में बहुत कुछ दिया है। हाल ही में मैंने नोएडा में ड्रोन टेक्नोलॉजी केंद्र का दौरा किया। वहां आईआईटी कानपुर से जुड़े लोग भी मिले। मैंने देखा कि हमारे युवा नई सामरिक चुनौतियों का सामना करने के लिए कैसे तैयार हो रहे हैं।

आईआईटी कानपुर भी उसमें अपना योगदान दे रहा है। हमें हमेशा यह विश्वास रखना चाहिए कि हम कर सकते हैं। दुनिया का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत में था। वहीं से चरक और सुश्रुत जैसे आयुर्वेदाचार्य निकले। यही हमारी परंपरा है कि हर अक्षर, हर वनस्पति और हर मनुष्य में कुछ बनने की क्षमता होती है। बस एक जोड़ने वाले की आवश्यकता होती है। मुझे विश्वास है कि आईआईटी जैसे संस्थान वही जोड़ने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 1947 में उत्तर प्रदेश का योगदान राष्ट्रीय जीडीपी में 14 प्रतिशत तक था। लेकिन 2017 तक यह घटकर केवल 7-8 प्रतिशत रह गया। निराशा का माहौल था, उद्योग निवेश नहीं करना चाहते थे, युवा पलायन कर रहे थे। कभी समृद्ध रहा प्रदेश बीमारू कहलाने लगा। पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है।

आज प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। बेहतर सुरक्षा, निवेश, बुनियादी ढांचा और सुशासन के साथ यूपी ने नए मानक स्थापित किए हैं। हर क्षेत्र में परिवर्तन दिखाई दे रहा है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने नेतृत्व किया है। प्रदेश की विधान सभा देश की पहली विधान सभा है, जिसने लगातार 36 घंटे चर्चा कर यह तय किया कि कैसे सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पूरे किए जा सकते हैं। आज शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल प्रबंधन हर क्षेत्र में ठोस काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड का उदाहरण देते हुए कहा कि कभी यह इलाका सूखे, पलायन और डकैतों की समस्या से जूझता था। आज यहां हर घर नल से जल पहुंच रहा है, खेतों तक सिंचाई हो रही है और डिफेंस कॉरिडोर के दो महत्वपूर्ण नोड (चित्रकूट और झांसी) में निवेश आ रहा है। पहले जहां किसान सालाना 5000 कमाता था, आज वही किसान 50,000 तक कमा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की दिशा में भी प्रदेश ने मिसाल कायम की है। पिछले आठ वर्षों में 240 करोड़ पौधरोपण कर एक नया रिकॉर्ड बनाया गया है। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट भी मान चुका है कि उत्तर प्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ा है। यही सतत विकास की ओर हमारे प्रयासों का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर सुरक्षा आज की सबसे बड़ी चुनौती है। 2017 में केवल दो साइबर थाने थे, वह भी सक्रिय नहीं थे। आज प्रदेश के 75 जिलों में साइबर थाने हैं, 1500 से अधिक थानों में साइबर डेस्क है और राज्य साइबर एवं फॉरेंसिक संस्थान की स्थापना भी हो चुकी है। लेकिन अभी और बहुत कुछ करना बाकी है। इसी दिशा में हम आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर कार्य करना चाहते हैं। मेरा मानना है कि भारत का पहला डीप-टेक भारत 2025 मॉडल तैयार करने में आईआईटी कानपुर इसका केंद्र बने। गौतमबुद्धनगर में हमने इसके लिए कुछ भूमि भी अलॉट की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग जगत से भी मेरा आग्रह है कि केवल लाभ कमाने की मानसिकता से आगे न बढ़ें। लाभ का एक बड़ा हिस्सा नवाचार और अनुसंधान में लगाएं। आईआईटी कानपुर इस दिशा में एक मॉडल स्टडी बन सकता है जो इंस्टीट्यूशन को इस बारे में अवगत करा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 2017 से पहले देखा कि हमारी अकादमिक संस्थाएं कहीं-कहीं टॉपू की तरह हो गई थीं।

माहौल न मिलने के कारण उनका आपसी संवाद और समन्वय न के बराबर था। यह पेंडुलम बनकर झूलते रहते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमने इन्हें जोड़ा है। कोविड के दौरान आईआईटी कानपुर का सहयोग हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण रहा। आज डिफेंस कॉरिडोर और मेड-टेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भी आईआईटी कानपुर की बड़ी भूमिका है। मुख्यमंत्री बोले कि मनुष्य की चेतना के तीन स्तर होते हैं-चेतन मन मॉडल स्टडी का माध्यम बन सकता है। अवचेतन मन इनोवेशन का माध्यम बन सकता है और गहन चेतन आरएंडडी का बहुत बड़ा थिंक टैंक बन सकता है। अगर हम इन्हें समन्वय से आगे बढ़ाएं तो भारत फिर से वही स्थान प्राप्त कर सकता है, जो कभी था। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां से होने वाला यह मंथन एक ठोस निष्कर्ष तक पहुंचेगा और भारत तथा उत्तर प्रदेश को नई दिशा देगा। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान,आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर प्रो. मणींद्र अग्रवाल, चीफ टेक्नोलॉजी अफसर टीसीएस डॉ. हैरी क्रीन, डिप्टी डायरेक्टर आईआईटी कानपुर प्रो. ब्रजभूषण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय डीपटेक सम्मेलन का शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भारत के पहले राष्ट्रीय डीपटेक सम्मेलन (डीपटेक भार 2025) का भव्य शुभारंभ आईआईटी कानपुर से हुआ। इस दौरान आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को डीप-टेक लैब की स्थापना के संबंध में प्रस्तुतिकरण के जरिए जानकारी दी। मालूम हो कि यह ऐतिहासिक आयोजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक और बायोसाइंसेज जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों पर केंद्रित है। सम्मेलन का उद्देश्य भारत को डीपटेक शक्ति के रूप में स्थापित करना और उत्तर प्रदेश को देश का पहला डीपटेक-रेडी राज्य बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना है। यह पहल प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में भी सहयोग करेगी। साथ ही डीपटेक इकोसिस्टम का लाभ अब केवल महानगरों तक सीमित न रहकर टियर-2 और टियर-3 शहरों तथा वहां के युवाओं और स्टार्टअप्स तक पहुंचेगा। इससे छोटे शहरों के नवाचार सीधे राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर से जुड़ सकेंगे। सम्मेलन में डीपटेक पॉलिसी 2035, देश का पहला डीपटेक एक्सेलेरेटर और भारत का पहला एआई को-पायलट लॉन्च किया गया। इन पहलों से नवाचार को नई दिशा मिलेगी और भारत वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में अपनी मजबूत भूमिका दर्ज करेगा। यह सम्मेलन वैश्विक सहयोग और निवेश का भी बड़ा मंच बनेगा। इसमें डीआरडीओ, इसरो, एमईआईटीवाई, डीएसी सहित 200 से अधिक वेंचर कैपिटल फर्मों और उद्योग जगत के लीडर्स ने भाग लिया। उम्मीद है कि इन रणनीतिक बैठकों से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में हाई-टेक निवेश और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

पारिवारिक विवाद समाप्त करने की यूपी सरकार की पहल

2.25 लाख पारिवारिक विवाद खत्म होंगे, बचेंगे 3800 करोड़

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने पारिवारिक विवादों को खत्म करने का बहुत आसान हल निकाल लिया है। विभाग का मानना है कि इस फैसले से सम्पत्ति बंटवारे के करीब 2.25 लाख विवाद मिनटों में खत्म हो जाएंगे। पारिवारिक सम्पत्तियों के बंटवारे का अधिकतम शुल्क 5 हजार रुपए करने का फैसला न केवल अदालतों का बोझ कम करेगा बल्कि परिवारों में सौहार्द्र का माहौल भी बनाएगा। पहले यह शुल्क सम्पत्ति के बाजार मूल्य का 5 प्रतिशत तक होता था। विभाग का मानना है कि इस फैसले से सम्पत्ति बंटवारे के करीब 2.25 लाख विवाद मिनटों में खत्म हो जाएंगे। कानूनी सलाह आदि पर होने खर्च में 3800 करोड़ रुपए तक की बचत होगी और स्टांप राजस्व के रूप में 500 करोड़ तक की वृद्धि होगी। अभी इस मद में कोई राजस्व नहीं मिलता। प्रदेश में फिलहाल राजस्व अदालतों में लगभग 26,866 भूमि एवं सम्पत्ति संबंधी विवाद लंबित हैं, जिनमें से बड़ी संख्या पारिवारिक सम्पत्तियों के बंटवारे से जुड़ी है। इसके अलावा करीब दो लाख मामले अलग-अलग रूप में चल रहे हैं। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि शुल्क घटने से कम-आय वर्ग के लोग भी अब सम्पत्ति विभाजन का पंजीकरण कराएंगे, जिससे लंबित मामलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। अनुमान है कि 70 फीसदी विवाद एक वर्ष में खत्म हो जाएंगे।

सम्पत्ति विवाद पुलिस थानों और तहसील स्तर पर झगड़ों का कारण बनते हैं। अपंजीकृत बंटवारे से झगड़े लंबा खिंचते थे। अब शुल्क घटने से लोग सीधे पंजीकृत विभाजन की ओर बढ़ेंगे, जिससे पुलिस और तहसील स्टाफ पर भार कम होगा। पहले महंगे शुल्क के कारण लोग बंटवारे से बचते थे, लेकिन अब केवल 5,000 की सीमा तय होने से बड़ी संख्या में लोग आगे आएंगे। रजिस्ट्री विभाग का मानना है कि अगर प्रदेश में हर साल औसतन 50,000 पारिवारिक सम्पत्ति बंटवारे पंजीकृत होते हैं, तो सरकार को इससे कम से कम 500 करोड़ तक की अतिरिक्त आय हो सकती है। पुराने लंबित मामलों के निस्तारण से भी हजारों पंजीकरण होंगे, जिससे शुरुआती वर्षों में राजस्व में और बढ़ोतरी संभव है।

विदेश से बड़े निवेश के प्रयास में जुटी योगी सरकार

200 से ज्यादा कंपनियों से हो रही है बातचीत

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने एक बड़े अभियान की शुरुआत की है। सरकार का फोकस विदेश से पूंजी लाना और राज्य को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए योगी सरकार अब तक करीब 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से बातचीत की जा चुकी है। राज्य सरकार इन देशों में भारत के दूतावासों और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर प्रयास कर रही है। इसका नतीजा यह है कि निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश तेजी से एक ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है।

जिन देशों पर सबसे ज्यादा फोकस है, उनमें अमेरिका, जापान, चीन, फ्रांस, डेनमार्क की कंपनियां शामिल हैं। इनमें अमेरिका से 30 से ज्यादा, जर्मनी से 30 के करीब, जापान से 20, चीन से 14, स्विट्जरलैंड और फ्रांस से 7-7, डेनमार्क से 6 और स्पेन से 5 कंपनियां शामिल हैं। इन देशों की कंपनियां भी उत्तर प्रदेश में निवेश की इच्छुक हैं। उनकी इच्छा को धरातल पर उतारने के लिए यूपी सरकार विशेष टीम और कंट्री-स्पेसिफिक डेस्क बनाने पर भी विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार इन लीड्स को हर हाल में कम्फर्म निवेश में बदलने के लिए प्रयासरत है और इसके लिए इन देशों में स्थित भारतीय दूतावासों की भी मदद ली जा रही है।

निवेश प्रोत्साहन की पहल के तहत उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से कई और भी इनीशिएटिव्स लिए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अब तक 574 प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें से 70 कंपनियां पहले से ही उत्तर प्रदेश में कार्यरत हैं। इसके अलावा 11 कंपनियों के पास नए प्रोजेक्ट्स हैं। 20 कंपनियों ने सीधे यूपी सरकार के साथ एमओयू किया है। वहीं, 473 कंपनियों के साथ सरकार लगातार एक्टिव फॉलो-अप कर रही है। विदेशी निवेशकों को बेहतर सुविधा देने के लिए यूपी सरकार ने एक अभिनव कदम उठाया है। 814 कंपनियों (फॉर्च्यून 500 और इंडिया नेक्स्ट 500 से जुड़ी) के लिए अकाउंट मैनेजर्स नियुक्त किए गए हैं। इन कंपनियों में शिपिंग, शिप बिल्डिंग, टेलीकॉम, रिटेल, पेट्रोकेमिकल्स, इंश्योरेंस और पब्लिक सेक्टर बैंक शामिल हैं। साथ ही गुजरात स्टेट पेट्रोनेट और टीएन न्यूजप्रिंट जैसी स्टेट पीएसयू कंपनियां भी इस मिशन में शामिल हैं। इस पहल के माध्यम से अब तक 50 नए एमओयू साइन किए जा चुके हैं, जबकि 16 नई लीड्स और 282 कंपनियों के साथ चर्चा अभी भी चल रही है।

उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर विदेशी कंपनियों की रुचि कई वजहों से है। इसमें सबसे बड़ी वजह स्ट्रॉन्ग पॉलिटिकल लीडरशिप है, जिसके तहत सीएम योगी की स्थिर और निर्णायक नीतियां महत्वपूर्ण रही हैं। इसके अलावा, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट्स, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अलावा, सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य होने का लाभ भी मिलने की संभावना है। यही नहीं, सिंगल विंडो सिस्टम और निवेशक सुविधा केंद्र जैसे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार भी अहम भूमिका निभा रहा है।

हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से मांगा जवाब

जातीय रैलियां रोकने के क्या उपाय कर रही है सरकार?

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जातीय रैलियों पर रोक के मामले में केंद्र और राज्य सरकार से पूछा है कि दोनों सरकारें जातीय रैलियां रोकने को क्या उपाय कर रही हैं? कोर्ट ने दोनों को जवाब दाखिल करने का समय देकर अगली सुनवाई अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में नियत की है। पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को मामले में जवाब पेश करने का मौका दिया था। साथ ही कोर्ट ने याची को भी पिछले 10 साल में राजनीतिक दलों द्वारा आयोजित की गई जातीय रैलियों का ब्योरा नए हलफनामे पर दाखिल करने को कहा था।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने बुधवार को यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया। पहले, इस मामले में कोर्ट ने पक्षकारों केंद्र व राज्य सरकार समेत केंद्रीय निर्वाचन आयोग एवं चार राजनीतिक दलों कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से जवाब मांगा था। याचिकाकर्ता ने यह याचिका वर्ष 2013 में दायर की थी। उसका कहना था कि उत्तर प्रदेश में जातियों पर आधारित राजनीतिक रैलियों की बाढ़ आ गई है। सियासी दल ब्राह्मण रैली, क्षत्रिय रैली, वैश्य सम्मेलन आदि नाम देकर अंधाधुंध जातीय रैलियां कर रहे हैं। जिन पर रोक लगाई जानी चाहिए।

दरअसल, 11 जुलाई 2013 को कोर्ट ने को एक अहम आदेश में पूरे उत्तर प्रदेश में जातियों के आधार पर की जा रही राजनीतिक दलों की रैलियों पर तत्काल रोक लगा दी थी। साथ ही इन पक्षकारों को नोटिस जारी की थी। याची का तर्क था कि इससे सामाजिक एकता और समरसता को जहां नुकसान हो रहा है वहीं, ऐसी जातीय रैलियां तथा सम्मेलन समाज में लोगों के बीच जहर घोलने का काम कर रहे हैं, जो संविधान की मंशा के खिलाफ है। गौरतलब है कि 2013 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा ने प्रदेश के करीब 40 जिलों में ब्राह्मण भाईचारा सम्मेलन आयोजित किये थे। उसके अलावा सपा ने भी पहले लखनऊ में ऐसा ही सम्मेलन किया था। साथ ही उसने मुस्लिम सम्मेलन भी आयोजित किये थे।

प्रदेश में हर साल होती है 4500 करोड़ की बिजली चोरी

महंगी बिजली खरीदने में खर्च होते हैं तीन हजार करोड़

लखनऊ, 03 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बिजली राज्य उपभोक्ता परिषद के अनुसार यूपी में हर साल करीब 4500 करोड़ की बिजली चोरी हो जाती है। इस पर अंकुश लगाकर निजीकरण से बचा जा सकता है। पावर कॉरपोरेशन और विद्युत वितरण विभागों द्वारा हर साल महंगी बिजली खरीद पर तीन हजार करोड़ खर्च किया जा रहा है, जबकि साढ़े चार हजार करोड़ की बिजली चोरी हो रही है। इन दोनों पर अंकुश लगाकर करीब साढ़े सात हजार करोड़ बचाया जा सकता है।

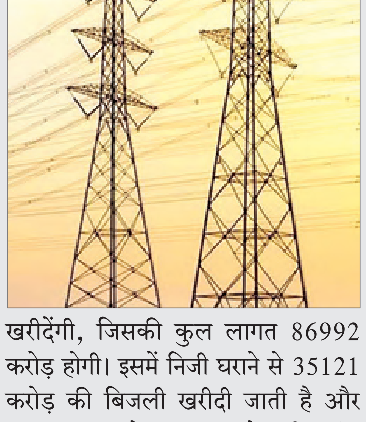

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि वर्ष 2025 26 में बिजली कंपनियां 1 लाख 64 हजार 592 मिलियन यूनिट बिजली खरीदेंगी, जिसकी कुल लागत 86992 करोड़ होगी। इसमें निजी घराने से 35121 करोड़ की बिजली खरीदी जाती है और राज्य उत्पादन से 20670 करोड़ की खरीद होती है। प्रदेश सरकार द्वारा जो राजस्व सब्सिडी दी जाती है, वह वर्ष 2025-26 के लिए 17512 करोड़ है। कुल बिजली खरीद की औसत लागत 5.28 रुपये प्रति यूनिट आ रही। उत्तर प्रदेश में बिजली खरीद में पारदर्शी नीति अपनाकर सस्ती बिजली के उपाय पर बिजली कंपनियों को कम करने की जरूरत है। प्रदेश में वितरण हानियों को यदि 13 फीसदी मान लिया जाए तो उसमें लगभग 5 फीसदी बिजली चोरी है।

ऐसे में साल भर में लगभग 4500 करोड़ की बिजली चोरी होती है ऐसे में बिजली चोरी पर अंकुश लगाकर भी काफी हद तक हम अपने घाटे को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महंगी बिजली खरीद और बिजली चोरी पर प्रभावी नीति बनाकर उत्तर प्रदेश में निजीकरण को डाला जा सकता है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा कि शत-प्रतिशत राजस्व की वसूली करके करोड़ों रुपए जुटाया जा सकता है।

संपादकीय

संकल्पों का सम्मान

शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन से इतर प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिग की बैठक संपन्न हुईं जिसमें दोनों नेताओं ने सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की दिशा में काम करने पर जोर दिया। वैश्विक व्यापार को स्थिर करने की दिशा में काम करने का भी संकल्प लिया। इस बैठक में दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि दोनों देश प्रातिद्वंद्वी नहीं बल्कि विकास में साझेदार हैं। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों पक्षों के बीच मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। दोनों ही नेताओं ने अमेरिका की टैरिफ संबंधी नीति के कारण पैदा हुईं आर्थिक उथल-पुथल के बीच वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में अपनी अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को भी स्वीकार किया। दोनों देशों ने सीमा पर शांति प्राबंधन की जरूरतों पर सहमति जताईं, दोनों देशों में वैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत पर सहमति तथा उड़ान फिर से शुरू करने पर सहमति हुईं। दरअसल भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए राष्ट्रपति शी ने ही अपनी समकक्ष भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में की थी, इसलिए रविवार को हुईं दोनों देशों के शासनाध्यक्षों के बीच बैठक के दौरान चीन का पक्ष बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाएगा। राष्ट्रपति शी का यह कहना कि दोनों देशों का मित्र बनना सही विकल्प है और उन्हें सीमा विवाद को अपने संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए। राष्ट्रपति शी ने हाथी यानि भारत और ड्रैगन यानि चीन को एक दूसरे की सफलता का मिलकर जश्न मनाना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने इस वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों को अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना एवं संभालना होगा ताकि इसका निरंतर मजबूत और स्थिर विकास सुनिाति हो सके। प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति शी से कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान एवं संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रातिबद्ध है क्योंकि दोनों देश के बीच सहयोग 2.8 अरब लोगों के कल्याण से जुड़ा है। प्राधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी से यह भी कहा कि सीमा से सैनिकों की वापसी के बाद अब शांति और स्थिरता का माहौल है। हमारे प्रातिनिधि सीमा प्राबंधन पर भी एक समझौते पर पहुंच गए हैं। सच बात तो यह है कि दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती देने में सीमा विवाद की उपेक्षा नहीं की जा सकती। इसलिए दोनों नेताओं को एक ऐसा मैकनिज्म विकसित करने की जरूरत है जिससे फौजी खुद कोईं पैसला करने पर मजबूर न हों। राष्ट्रपति शी का यह कहना तो बहुत आसान है कि सीमा विवाद को अपने संबंधों को परिभाषित नहीं होने देना चाहिए किन्तु सीमा विवाद एक ऐसा संवेदनशील मुद्दा है जिसे नजरंदाज करना मुश्किल ही नहीं बल्कि असंभव है। यही कारण है कि राष्ट्रपति शी का यह विचार कि दोनों देशों को मित्रता का संबंध बनाकर रहना चाहिए, पूरा होते नहीं दिखता। इसलिए दोनों देशों को चाहिए कि वे ईंमानदारी से सीमा संबंधी मैकेनिज्म को विकसित करने का प्रायास तो करें ही साथ अपने उपभोक्ताओं को एक दूसरे के उत्पादों की खरीद के लिए खोल दें और कोशिश करें कि व्यापार संतुलन कायम हो तथा बना रहे। यह सच है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ टेरर से भारत और चीन की नजदीकियां बढ़ी हैं किन्तु दोनों की कोशिश यह होनी चाहिए कि दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले दोनों देशों को आपसी संबंधों को स्थिर एवं भरोसेमंद बनाने के लिए दोनों देशों को एक दूसरे की जरूरतों को महसूस भी करना होगा। बहरहाल देखना यह है कि चीन ने मित्रता और सहयोग की जितने बातें की हैं क्या उन्हें वह व्यवहार रूप में सार्थक कर सकेगा! यदि चीन पहल करता है तो भारत की तरफ से अपने संकल्पों को पूरा करने की पूरी कोशिश होगी। यदि ऐसा हुआ तो अब दुनिया में एशिया के इन दोनों देशों को कोईं भी नजरंदाज नहीं कर पाएगा। इसलिए दोनों के लिए आज दिए गए वचनों एवं किए गए संकल्पों का सम्मान दोनों के हित में है।

वैश्विक व्यापार को स्थिर करने की दिशा में काम करने का भी संकल्प लिया। इस बैठक में दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि दोनों देश प्रातिद्वंद्वी नहीं बल्कि विकास में साझेदार हैं। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों पक्षों के बीच मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। दोनों ही नेताओं ने अमेरिका की टैरिफ संबंधी नीति के कारण पैदा हुईं आर्थिक उथल-पुथल के बीच वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में अपनी अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को भी स्वीकार किया। दोनों देशों ने सीमा पर शांति प्राबंधन की जरूरतों पर सहमति जताईं, दोनों देशों में वैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत पर सहमति तथा उड़ान फिर से शुरू करने पर सहमति हुईं। दरअसल भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए राष्ट्रपति शी ने ही अपनी समकक्ष भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में की थी, इसलिए रविवार को हुईं दोनों देशों के शासनाध्यक्षों के बीच बैठक के दौरान चीन का पक्ष बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाएगा। राष्ट्रपति शी का यह कहना कि दोनों देशों का मित्र बनना सही विकल्प है और उन्हें सीमा विवाद को अपने संबंधों को परिभाषित नहीं करने देना चाहिए।

कुछ अलग

ध्यान से समाधि की ओर तभी चलेंगे, जब द्वंद्वमुक्त होंगे

योग सूत्र में कहा गया है कि चित्तवृतियों अथवा मन पर नियंत्रण ही योग है। योग के आठ अंग हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। चिकित्सा-पद्धति के रूप में या फिर शरीर और मन के रूपांतरण के लिए योग के इन सभी आठों अंगों का अभ्यास करना अनिवार्य है। योग में शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के अभ्यास सम्मिलित होते हैं। सवाल है कि शारीरिक अभ्यास क्रम महत्वपूर्ण है या मानसिक अभ्यास क्रम? हमारा शरीर और व्यक्तित्व वास्तव में हमारी भाव प्रक्रिया से ही बनता है। जैसा हम लगातार चिंतन करते हैं, जो कुछ भी हम सोचते रहते हैं, हम वैसे ही हो जाते हैं। इसलिए हमारी विचार प्रक्रिया का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य या फिर रोग पर भी पड़ता है। यही विचार प्रक्रिया रोग के उपचार में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां मन महत्वपूर्ण हो जाता है। जैसा या जो भी हम चाहते हैं वह मन-मस्तिष्क की एक खास अवस्था (अल्फा) में ही पूरा होता है। अब प्रश्न उठता है कि अगर सारा खेल मन का ही है तो फिर आसन और प्राणायाम की हमें जरूरत ही क्या है? वास्तव में भौतिक शरीर की जड़ता को खत्म करके उसे मन से जोड़ने और उसके बाद मन को अपेक्षित दशा अर्थात अल्फा अवस्था में ले जाने के लिए योगासन और प्राणायाम का अभ्यास अनिवार्य है। जब हम योग-साधना करते हैं तो कोई न कोई भाव तो हमारे मन में व्याप्त होता ही है। मन के कई स्तर हैं। चेतन या जाग्रत अवस्था में भी भाव तो होता है लेकिन वह वास्तविकता में नहीं बदलता, क्योंकि एकाग्रता और ध्यान के बिना यह असंभव है।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने तेज गति पर फोड़ा सड़क हादसों का ठीकरा

सड़क हादसेः बेसुध प्रशासन, लाचार सरकार

प्रमोद भार्गव

देशभर में इस साल जनवरी से जून के बीच केवल राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 26,770 लोगों ने प्राण गंवा दिए हैं। नीतिन गडकरी ने संसद के मानसून सत्र में राज्यसभा में लिखित जानकारी सांसद संबित पात्रा के प्रश्न के उत्तर में दी थी। गडकरी ने बताया था कि सरकार 2022 से प्रत्येक वर्श राज्यों और केंद्र षासित प्रदेशों से मिले आंकड़ों के आधार पर भारत में 'सड़क दुर्घटनाएं' षीर्शक से रपट प्रकाशित करती है। देशभर में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के प्रबंधन और विश्लेशण के लिए 'इलेक्ट्रोनिक डिटेल' एक्सिडेंट रिपोर्ट (ई-डार) पोर्टल विकसित किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 53,372 लोगों ने और 2024 में 52,609 लोगों के प्राण चले गए थे और 2025 के बीते छह माह में 26,770 लोगों की मौतें हुई हैं।

देश में सड़क दुर्घटनाओं को लेकर 2023 की नई रिपोर्ट आई है, लेकिन हाल वही पुराना है। बीते वर्श की तुलना में 4.2 प्रतिशत हादसे बढ़ गए, इनमें जान गवांने वालों की संख्या भी बढ़ गई। षासन और प्रशासन ने बड़े हादसों का ठीकरा वाहनों की तेज रफ्तार पर फोड़कर अपनी चिंता पूरी कर ली। केंद्रिय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी सड़क हादसों का दोशी अकर्मण्य आधिकारियों को जता देते हैं, लेकिन जब यह निकम्मे हैं, तो इन पर कार्यवाही क्यों नहीं होती। अतएव रिपोर्ट का निश्कर्श है कि प्रशासन बेसुध है और सरकार नौकरशाही के आगे लाचार है। देशभर में इस साल जनवरी से जून के बीच केवल राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 26,770 लोगों ने प्राण गंवा दिए हैं। नीतिन गडकरी ने संसद के मानसून सत्र में राज्यसभा में लिखित जानकारी सांसद संबित पात्रा के प्रश्न के उत्तर में दी थी। गडकरी ने बताया था कि सरकार 2022 से प्रत्येक वर्श राज्यों और केंद्र षासित प्रदेशों से मिले आंकड़ों के आधार पर भारत में 'सड़क दुर्घटनाएं' षीर्शक से रपट प्रकाशित करती है। देशभर में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के प्रबंधन और विश्लेशण के लिए 'इलेक्ट्रोनिक डिटेल' एक्सिडेंट रिपोर्ट (ई-डार) पोर्टल विकसित किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 53,372 लोगों ने और 2024 में 52,609 लोगों के प्राण चले गए थे और 2025 के बीते छह माह में 26,770 लोगों की मौते हुई हैं। देश में सड़कों पर एक्सप्रेस हाइवे, चौड़ीकरण और ग्रामों में सड़कों के विस्तार के चलते जिस अनुपात में रफ्तार की सुविधा बढ़ी है, उसी अनुपात में दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। पूरे देश में एक्सप्रेस-वे पर निरंतर दुर्घटनाएं घट रही हैं। यह चिंता की बात है कि आखिर ये हादसे क्यों हो रहे हैं? केंद्र सरकार ने नवंबर 2022 में जानकारी दी थी कि देशभर में हई कुल सड़क दुर्घटनाओं में 32.9 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे पर घटी हैं। इनकी वजह तेज गति रही है। साल है कि जब तेज रफ्तार से हादसे हो रहे हैं, तो इन्हें रोकने के उपाय क्या किए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों में तो गति राडार लगाए गए हैं। व्यावसायिक वाहनों में भी स्पीड गवर्नर लगाने की योजना है, लेकिन वह ठंडे बस्ते में पड़ी है। यह योजना इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। इसे वाहन की ईंधन प्रदाय प्रणाली से जोड़ा जाता है, जो गति बढ़ाने के लिए अतिरिक्त तेल इंजन में जाने ही नहीं देती है। दुर्घटनाओं के बढ़ने का एक बड़ा कारण देश को कार और दो पहिया वाहनों से पाट देना भी है। षराब पीकर वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है।

अब तक यह आम धारणा बनी हुई है कि सड़क हादसे राजमार्गों पर अधिक होते हैं। किंतु सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एक नई तस्वीर पेश की है। इससे पता चला है कि राजमार्गों से कहीं अधिक हादसे भीतरी सड़कों पर भी होने लगे हैं। यह वाकई हकीकत है। ग्रामीण इलाकों में जबसे ट्रेक्टर, बाइक और कार-जीपों की संख्या बढ़ी है, तब से इन छोटे समझे जाने वाले मार्गों पर

दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बीते दो दशकों के भीतर गांव-गांव सड़कें पहुंची हैं और उसी तादाद में वाहन भी बढ़े हैं। विडंबना यह भी रही कि इसी दौरान गांव-गांव षराब की वैध-अवैध बिक्री भी षुरू हो गई, जो दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन रही है। सड़क हादसों में भारत को हर साल मानव संसाधन का सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ता है। अंतरराश्ट्रीय सड़क संगठन (आईआरएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में भारत की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से ज्यादा हैं। इस जानकारी के अनुसार 12.5 लाख लोगों की दुनिया में प्रतिवर्श सड़क हादसों में मौतें होती हैं, इनमें सर्वाधिक भारत में होती है। जो परिवार हादसे में अपने परिजन को गंवाता है, उस पर पांच लाख रुपए का औसतन अतिरिक्त बोझ पड़ता है। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं में षराब पीकर वाहन चलाना, नाबालिग बाइकर्स का सड़कों पर बेलगाम होना भी हैं, वहीं देश में बढ़ते सड़क हादसों के कारण राश्ट्रीय राजमार्गों में भी तलाशे जा रहे हैं। दरअसल देश में हरेक साल करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं और चार से पांच लाख घायल होते हैं, उनमें ज्यादातर युवा होते हैं। दूसरी तरफ सरकार राजमार्गों पर ऐसे स्थल तलाश रही है, जहां अधिकतम दुर्घटनाएं होती हैं। इसके बाद इन स्थलों पर ऐसे सुधार किए जाएंगे, जिससे घटनाएं कम हों। राजमार्ग लंबे व तेज गति के सफर के लिए होते हैं। इसलिए अक्सर वाहनों की गति तेज रहती है। भारी मालवाहक वाहन राजमार्गों से ही गुजरते हैं। ऐसे में यदि वाहन चालकों को आसानी से षराब की उपलब्धता दिखाई दे तो उसके प्रति स्वाभाविक रूप से लालच पैदा हो जाता है। इसके सेवन के साथ ही खतरे की आशंका बढ़ जाती है। राजमार्गों पर हर पांच किलोमीटर की दूरी पर औसतन षराब की तीन दुकानें हैं। इस बाबत पूर्व प्रधान न्यायाधीश टीएस ठाकुर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शराब लॉबी के दबाव में अंधाधुंध परमिट बांटने की प्रवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि, 'शराब के भयावह सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर खूब चर्चा की जाती है, लेकिन संवैधानिक निर्देश के बावजूद सरकारें शराब पर अंकुश लगाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखा पाती हैं। शराब कारोबारी भी धन के बूते ऐसी पहलों को व्यर्थ कर देते हैं और सरकारें राजस्व कमाई की दुहाई देकर शराब की बिक्री जारी रखती हैं।' पिछले डेढ़ दशक में देशभर की सड़कों पर क्षमता से अधिक वाहन आए हैं। अतएव उसी अनुपात में हादसे भी बढ़े हैं। इन हादसों में ज्यादातर मरने वाले लोगों में 40 फीसदी, 26 से 45 आयुवर्ग के होते हैं। यही वह महत्वपूर्ण समय होता है, जब इन पर परिवार के उत्तरदायित्व के निर्वहन का सबसे ज्यादा दबाव होता है। ऐसे में दुर्घटना में प्राण गवां चुके व्यक्ति के परिजनों पर सामाजिक, आर्थिक और आवासीय समस्याओं का संकट एक साथ टूट पड़ता है। इन हादसों में 19 से 25 साल के इतने युवा मारे जाते हैं, जितने लोग कैंसर, टीबी और मलेरिया से भी नहीं मरते। ये हादसे मानवजन्य विसंगतियों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। आबादी में पीढ़ी व आयुवर्ग के अनुसार जो अंतर होना चाहिए, उसका संतुलन भी गड़बड़ा रहा है। यदि सड़क पर गति को नियंत्रित नहीं किया गया तो सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या इतनी बढ़ जाएगी कि षायद आबादी नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की जरुरत ही नहीं रह जाएगी? यातायात सुचारु रूप से संचालित हो, इसके लिए जापान, अमेरिका और सिंगापुर के यातायात कानून से भी सीख लेने की बात कही जा रही है। खासतौर से यूरोपीय देशों में अंतरराश्ट्रीय स्तर पर एक आचार संहिता लागू है, जिसका ज्यादातर देश पालन करते हैं। इस संहिता के मुताबिक यदि किसी कार की गति 35 किमी प्रति घंटा है, तो दो कारों के बीच की दूरी 74 फीट होनी चाहिए। 40 मील प्रतिघंटा की रफ्तार होने पर यह अंतर 104 फीट और 45 फीट की गति पर यह अंतर 132 फीट होना चाहिए। संहिता में चालकों के नियम भी तय किए गए हैं। यदि चालक की मुट्ठी बंद करने की ताकत पौने सोलह किलोग्राम से कम निकलती है तो माना जाना चाहिए कि यह व्यक्ति वाहन चलाने लायक नहीं है। संहिता की षर्त के मुताबिक वाहन चलाने लायक उस व्यक्ति को माना जाएगा जो 20 मीटर आगे चल रहे वाहन का नंबर आसानी से पढ़ ले। हमारे यहां तो 80 साल के षक्ति और दृश्टि से कमजोर हो चुके बुजुर्ग भी सड़कों पर वाहन चलाते खूब देखे जाते हैं। फिर वाहनों के अनुपात में हमारी सड़कों पर जगह भी नहीं है। 74 फीट दूरी बनाएं रखने की बात तो छोड़िए, देश के महानगरों में 2 से 5 फीट की दूरी वाहनों के बीच बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। जाहिर है, हम लायसेंस प्रणाली को श्रेश्ठ बनाने के लिए बात भले दुनिया के देशों का अनुकरण करने की करें, लेकिन नतीजे कारगर निकलें ऐसी उम्मीद कम ही है? लिहाजा सड़कों से वाहन कम किए बिना दुर्घटनाओं से छुटकारा मुश्किल है। दूसरी तरफ कार एवं बाइक लॉबी हमारे यहां इतनी मजबूत है कि वह कारों के उत्पादन में कमी लाने नहीं देगी, बल्कि उसकी तो कोशिश है कि कारें सड़कां पर निर्बाध चलें। इसके लिए पदयात्री, साइकिल, तांगा और साइकिल रिक्शा को ही सड़कों से हटा दिया जाए।

देश दुनिया से

प्राकृतिक आपदा या 'डीप स्टेट' का वेदर वार

ऐसे में एक ही स्थान पर बार-बार बादल फटने, निरंतर बारिश होने, सूखे स्थानों पर बाढ़ आने जैसी स्थितियां 'डीप स्टेट' के षड्यंत्रकारी प्रहार की संभावना को बल प्रदान करतीं है। इस हेतु देश को व्यापक तैयारी करने की आवश्यकता है तभी प्रावृतिक प्रकोप की आड़ में प्रहार करने वालों से निपटा जा सकेगा। विभिन्न स्थानों पर बाढ़ का प्रकोप चरमसीमा पर है। अनेक स्थानों पर जलपल्रय जैसी स्थितियां निर्मित हो रहीं हैं। एक ही क्षेत्र में कईं बार बादल फटने जैसी घटनायें सामने आ रहीं हैं। मौसम वैज्ञानिक भी अचानक होने वाले इन वायुमण्डलीय परिवर्तनों पर आर्यंचकित हैं। आम आवाम इसे प्रवृति विरुद्ध किये जाने वाले मानवीय वृत्यों की परिणति के रूप में देख रहा है। उसका मानना है कि पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी करते हुए स्वार्थ परूति हेतु चन्द लोगों ने मनमाने तरीके संगठित रूप से अपनाये, प्रावृतिक संपदा का खतरनाक दोहन किया और संजोया वर्चस्व की जंग में जीत का सपना। परमाणु विस्फोट, जंगीय घटनायें और उपग्रहों जैसे कारक इस सबके लिए उत्तरदायी माने जा रहे हैं। इस आमराय के अलावा 'डीप स्टेट' के षडयंत्रकारी वेदर वार की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। विगत वुछ दिनों में विश्व के अनेक हिस्सों में भीषण बाढ की स्थितियां सामने आईं है जिनमें भारी तबाही हुईं है। अतीत के पó पलटें तो स्थिति भयावह दिखाईं पडती है। उदाहरण के लिए केवल अमेरिका के टेक्सास राज्य में गत माह आईं भीषण बाढ़ को ही ले लें तो वहां की तबाही, आरोपों-प्रत्यारोपों का गर्म होता बाजार और 'डीप स्टेट' का ज्वलंत होता मुद्दा आज विश्वव्यापी हो गया है। ग्वाडालूप नदी में अचानक पानी बढ़ने से केर काउंटी समेत कईं इलाकों में जलपल्रय जैसे हालात बन गए थे। केर काउंटी में रिकॉर्ड 11 इंच बारिश से अचानक बाढ़ आ गईं और मात्र 45 मिनट में ही पूरा शहर पानी में डूब गया था। इस मूसलाधार बारिश के कारण प्रति घंटे 2-3 इंच तक बारिश दर्ज हुईं जिससे टेक्सास हिल वंट्री और ग्वाडालूप नदी के किनारों को सीधा प्रभावित किया। ग्वाडालूप नदी का जलस्तर 45 मिनट में 26 फीट से ज़्यादा और सुबह तक 37.52 फीट की ऊंचाईं को छूने लगा, जो एक कीर्तिमान है। इस संबंध में प्रावृतिक आपदा के सामान्य सिद्धान्त के अलावा एक 'वंस्पिरेसी थ्योरी' भी सामने आईं है जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह प्रावृतिक आपदा नहीं बल्कि 'वेदर वार' था, जो पूरी तरह से मानव निंमित था अर्थात 'वेदर' को 'वेपन' बनाकर प्रहार किया गया था। इस कारक को अनेक अमेरिकी अधिकारी भी समर्थन दे हैं। क्यू-एनोन समुदाय के सदस्यों के अनुसार यह 'क्लाउड सीडिग' है जिसके तहत सिल्वर आयोडाइड, ड्राईं आइस जैसे तत्वों की सहायता से इस तरह की स्थितियां निंमित की जाती हैं। 'वेटरन्स आन पेट्रोल' नामक संस्था के संस्थापक माइकल मेयर ने कहा कि टेक्सास पर वेदर वेपन से हमला हुआ है,

मौसम वैज्ञानिक भी अचानक होने वाले इन वायुमण्डलीय परिवर्तनों पर आर्यंचकित हैं। आम आवाम इसे प्रवृति विरुद्ध किये जाने वाले मानवीय वृत्यों की परिणति के रूप में देख रहा है। उसका मानना है कि पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी करते हुए स्वार्थ परूति हेतु चन्द लोगों ने मनमाने तरीके संगठित रूप से अपनाये, प्रावृतिक संपदा का खतरनाक दोहन किया और संजोया वर्चस्व की जंग में जीत का सपना। परमाणु विस्फोट, जंगीय घटनायें और उपग्रहों जैसे कारक इस सबके लिए उत्तरदायी माने जा रहे हैं।

जिसमें बच्चों की मौतें हुईं हैं, ये देशद्रोह है। महिला संगठन 'वोमेल फार अमेरिका फस्र्ट' की डायरेक्टर वैंडिस टेलर ने कहा कि पेक बाढ़, पेक तूफान, सब नकली है। पूर्व स्पेशल फोर्स के कमांडर पीट चेम्बर्स ने सवाल उठाते हुए इसी तरह के विचार व्यत्त किये है। एनएसए अधिकारी माइकल फ्लिन ने कहा कि क्या कोईं बता सकता है, ये किसने किया? रिपब्लिकन सांसद मार्जरी टेलर ग्रीन ने तो संसद में एक बिल लाने की घोषणा तक कर दी जिसमें किसी भी तरह के रसायनों को वायुमंडल में छोड़कर मौसम बदलने की कोशिश को अपराध माना जाएगा। टास्क फोर्स ने तो बिलगेट्स, पीटर थिल तथा क्लिटन फाउंडेशन तक पर वेदर वार करने के आरोप लगाये हैं। उल्लेखनीय है कि बिलगेट्स ने अपने बचपन के दोस्त पॉल एलन के साथ मिलकर 'माइव्रोसॉफ्ट' की स्थापना की थी जबकि पीटर थिल को 'पे पाल' के सहसंस्थापकों के रूप में जाना जाता है। 'बिल क्लिटन फाउंडेशन' तो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिटन द्वारा स्थापित की गईं थी। दूसरी ओर 'डीप स्टेट' पर लगाये जा रहे आरोपों का खण्डन करते हुए ूस्टन के मौसम वैज्ञानिक मैट लांजा ने कहा कि 'क्लाउड सीडिग' से इतनी बड़ी बाढ़ संभव नहीं। पहले से मौजूद मौसमी परिस्थितियां ही इस तबाही के लिए जिम्मेदार थीं। 'रेनमेकर' नामक 'क्लाउड सीडिग' वंपनी के संस्थापक अगस्टस डोरिको ने कहा कि हम कोईं 'डीप स्टेट' प्लांट नहीं हैं और न ही बिल गेट्स या सीआईंए से जुड़े हैं, हम पारर्दशिता के पक्षधर हैं। रिपब्लिकन सीनेटर टेड ू्ज़ ने कहा कि ऐसी बातों का कोईं वैज्ञानिक आधार नहीं है। डीप स्टेट से जुडे लोग इस बात को प्रचारित करने में जुटे है कि इस बारिश का कारण उष्णकटिबंधीय तूफान बैरी के अवशेषों और मेसोस्केल कन्वेक्टिव वोर्टेक्स यानी एमसीवी के मिलना है। अमेरिका के इस उदाहरण के आधार पर भारत सहित अन्य देशों में आकार ले रहे वर्षा के दावानल को वैज्ञानिक नजरिये, पर्दे के पीछे से चल रहे षड्यंत्रकारी प्रयोगों और अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर समझना बेहद आवश्यक है। 'डीप स्टेट' की कारगुजारियों को जहां टास्क फोर्स सहित अनेक संगठन और वैज्ञानिक रेखांकित कर रहे हैं वहीं 'रेनमेकर' नामक 'क्लाउड सीडिग' वंपनी के संस्थापक अगस्टस डोरिको का यह कहना कि हम कोईं 'डीप स्टेट' प्लांट नहीं हैं और न ही बिल गेट्स या सीआईंए से जुड़े हैं, अपने आप में अनेक प्रश्नों के उत्तर प्रदान कर देता है। इस संबंध में वैदिक ग्रन्थ भी प्रमाण के रूप में उपलब्ध हैं जिनमें सतयुगकालीन देव-दैत्व युद्ध, त्रेताकालीन राम-रावण युद्ध तथा द्वापरकालीन महाभारत को रेखांकित किया गया है। इन युद्धों में अग्निबाणों को समाप्त करने हेतु जलबाण चलाये गये थे यानी वर्षा करने वाले शस्त्र उस समय के परा विज्ञान के दिग्गजों के पास उपलब्ध थे। उस समय विमान, अमोघ शस्त्र, कवच आदि होने की बात कही गईं है जो वर्तमान में वायुयान, मिसाइल, डिफेंस सिस्टम के रूप में निरंतर विकसित हो रहे हैं। ऐसे में एक ही स्थान पर बार-बार बादल फटने, निरंतर बारिश होने, सूखे स्थानों पर बाढ आने जैसी स्थितियां 'डीप स्टेट' के षडयंत्रकारी प्रहार की संभावना को बल प्रदान करतीं है। इस हेतु देश को व्यापक तैयारी करने की आवश्यकता है तभी प्रावृतिक प्रकोप की आड़ में प्रहार करने वालों से निपटा जा सकेगा।

आप का नजरिया

तुरंत मदद जरूरी

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन-धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना-बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन-धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है। इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू-भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन-धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ऋृष्ा को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने। इस संकट की घड़ी से उबरने के लिये राजनीतिक मतभेदों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। निस्संदेह, केंद्र सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावितों के लिये तत्काल मदद के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करने की जरूरत है। बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास, शीघ्र जल निकासी और राज्य सरकार और गैर सरकारी संगठनों के मजबूत समन्वय के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की जरूरत है। इस संकट की घड़ी का मुकाबला सभी पक्षों के तालमेल व ईमानदार प्रयासों से ही संभव हो सकेगा।

खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस-नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है।

दृष्टि कोण

हिमालयी पारिस्थितिकी के अनुकूल बनें विकास योजनाएं

बीते पांच अगस्त को हरसिल और गंगोत्री के बीच खीरगंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से अचानक आई तेज बाढ़ और भारी मलबे ने धराली में तबाही मचाई। इस आपदा ने दर्जनों मकान, होटल और दुकानें नष्ट कर दीं, कई लोग मृत और अनगिनत लोग लापता हो गए। हरसिल में भी बाढ़ के कारण ग्यारह जवान लापता हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी द्वारा बचाव कार्य जारी हैं। शीतकालीन पर्यटन से जुड़े इस क्षेत्र का मार्ग बाधित हो गया है। पारंपरिक नदी मार्गों में पत्थर, मिट्टी और मलबे के अवरोध से बाढ़ का प्रवाह दिशा बदल गया, जिससे त्रासदी और भी गंभीर हुई। उत्तरकाशी और गंगोत्री के बीच स्थित धराली क्षेत्र उत्तरकाशी के पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में आता है। हाल ही में यमुनोत्री मार्ग पर स्याना चट्टी में बादल फटने से गंभीर हादसा भी हुआ। ऐसे नाजुक और सामरिक क्षेत्रों में खनन, सड़क निर्माण, जलाशय और सुरंग निर्माण तथा औद्योगिकीकरण के कार्यों में सरकारों और जनता को आत्म-नियंत्रण बरतना चाहिए। पर्यावरण हितैषी तकनीकें अपनानी जरूरी हैं। उत्तरकाशी जिले में लगातार विभिन्न आपदाओं का सामना करना पड़ता रहा है जैसे सिलक्यारा सुरंग दुर्घटना व भयावह उत्तरकाशी भूकंप। मनेरी भाली परियोजना के पास झीलें बनती रहीं और भटवाड़ी के धंसने की घटनाएं भी नई नहीं। भटवाड़ी ब्लॉक में ही धराली आता है। गोमुख से लेकर उत्तरकाशी मुख्यालय और चिन्याली सौड़ तक का क्षेत्र बीते दो दशकों से लगातार आपदाओं से ग्रस्त है। यहां गंभीर भूस्खलन, बाढ़ें और तबाही बार-बार होती रही हैं। खासकर उत्तरकाशी में वरुणावर्त पहाड़ अपने भूस्खलनों से 2003 से लोगों को भयभीत कर रहा है। क्षेत्र के पहाड़ 1990 के तीव्र भूकंप से पहले से ही कमजोर हैं, जबकि 4 -4.5 तीव्रता के भूकंप नियमित आते रहते हैं। इस दौरान उत्तरकाशी और आसपास के पुल टूटते रहे हैं, जिससे कई गांव कई दिन तक अलग-थलग पड़ जाते हैं। वर्ष

2010 से इस पूरे क्षेत्र में लगातार बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाएं हो रही हैं। चट्टानें गिरने से जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है, गांव ध्वस्त हो रहे हैं और उन्हें पुनः बसाने की आवश्यकता सामान्य सी बात हो गई है। गंगोत्री और गोमुख का संकट व्यापक रूप से ज्ञात है, जबकि भटवाड़ी और अस्सी गंगा के क्षेत्र भी ऐसे ही संवेदनशील हैं, जहां पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। निस्संदेह, यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक है। 2017 में उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में पंद्रह गांवों की प्रतिनिधि महिलाएं इसी इकोसेंसिटिव क्षेत्र में काटे जाने के लिए चिन्हित पेड़ बचाने के लिए संकल्पबद्ध हुई थीं। इस क्षेत्र में 1990 में हुए भयावह विनाश के बाद कहा गया था कि अब सारे मकान, भवन आदि भूकंप-रोधी बनाए जाएंगे। सुरंगें नहीं बनाई जाएंगी। किन्तु आज भी आप सरकारी स्तर पर भूकंप-रोधी निर्माण या नदी तटों के समीप बसावटों को रोकने में गंभीरता शायद ही पाएंगे। महत्वाकांक्षी चारधाम परियोजना उत्तरकाशी इकोसेंसिटिव क्षेत्र से ही बनती है। प्रधानमंत्री ने साल 2016 में इसकी आधारशिला रखी। बिना पर्यावरण प्रभाव आकलन के इस सड़क पर काम शुरू किया गया था। तब एनजीटी में चुनौती दी गई थी। उच्चतम न्यायालय में भी मामला पहुंचा था। स्मरण रहे कि चारधाम राजमार्ग पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पॉवर कमेटी के चेयरमैन ने पर्यावरण मंत्रालय के सचिव को 13 अगस्त 2020 को एक पत्र लिखा था कि इस परियोजना में वन्यजीव व वानिकी के नियमों की बेहद गंभीर अवहेलना व उल्लंघन हुआ है।

लंदन में कदम रखते ही तमिलों ने स्नेह से मुझे गले लगा लिया : मुख्यमंत्री स्टालिन

लंदन,03 सितंबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन अपनी जर्मनी की यात्रा पुरी कर लंदन पहुंच गए हैं। लंदन में भारतीय मूल के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बुधवार को इसकी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अपने पोस्ट में लिखा, इंग्लैंड (लंदन) में कदम रखते ही भारतीय मूल के नागरिकों और तमिलों ने स्नेह से मुझे गले लगा लिया। समुद्र पार की इस यात्रा में मुझे घर जैसी खुशबू मिली। मैं इस उत्साहपूर्ण स्वागत से बहुत प्रसन्न हूं।

उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, इंग्लैंड में कदम रखते ही मुझे गर्मजोशी और स्नेह से गले लगाया गया, ऐसा स्वागत जिसने दूर-दूर तक घर की खुशबू फैला दी।

मुख्यमंत्री स्टालिन लंदन में कई निवेशकों के साथ बैठक करने वाले हैं। वे यहां रहने वाले तमिलों के साथ भी बैठक करेंगे और उनसे तमिलनाडु में निवेश करने के लिए आग्रह करने वाले हैं। आत्मसम्मान आंदोलन की शताब्दी के उपलक्ष्य में स्टालिन 4 सितंबर को यूनाइटेड किंगडम की अपनी यात्रा के दौरान ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय में आत्म-सम्मान आंदोलन और उसकी विरासत सम्मेलन 2025 को संबोधित करेंगे। वह विश्वविद्यालय परिसर में समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी के चित्र का अनावरण भी करेंगे। इस बीच तमिलनाडु सरकार ने घोषणा की है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में टीएन राइजिंग इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव के तहत जर्मनी में आयोजित तमिलनाडु निवेशक सम्मेलन में 26 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए हैं। अब हस्ताक्षरित निवेश बढ़कर 7020 करोड़ रुपये हो गया है और इससे 15,320 लोगों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। सरकार की ओर से बताया गया कि हस्ताक्षरित समझौते इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस, हरित ऊर्जा और ऑटो कंपोनेंट्स सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिससे तमिलनाडु की एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थिति और मजबूत होती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से एक सप्ताह के जर्मनी और इंग्लैंड दौरे पर हैं। इसी कड़ी में उन्होंने 2 सितंबर को अपनी जर्मनी यात्रा समाप्त की और अपने यूरोपीय दौरे के अगले चरण में इंग्लैंड पहुंच गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

महिला के भेष में पुरुषों के साथ निजी पलों को किया रिकॉर्ड, आया भूचाल

बीजिंग। पडोसी देश चीन के नानजिंग शहर में एक शख्स, जिसे लोग 'सिस्टर हॉन्ग' या 'नानजिंग अंकल रेड' के नाम से जानते हैं। 'नानजिंग अंकल रेड' पर आरोप है कि उसने महिला का रूप धारण कर 1,000 से ज्यादा पुरुषों के साथ निजी पलों को गुप्त रूप से रिकॉर्ड किया और फिर उन्हें ऑनलाइन बेच दिया। आरोपी लंबे गाउन, विग और भारी मेकअप करके खुद को महिला बताता था। सोशल मीडिया पर वह ब्यूटी फिल्टर और बदली हुई आवाज का इस्तेमाल करता था, ताकि पुरुषों को यह यकीन हो सके कि वे किसी महिला से बात कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, आरोपी जियाओ ने अपने घर में हिडन कैमरा लगाया हुआ था। वह पुरुषों को प्यार और नजदीकी रिश्तों का झांसा देकर घर बुलाता और उनके साथ बिताए पलों को रिकॉर्ड कर लेता। इसके बाद वह इन वीडियो को ऑनलाइन ग्रुप्स में शेयर करता था। बताया जा रहा है कि उसने मेंबरशिप के लिए लोगों से 150 युआन चार्ज भी किया। कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि जियाओ की उम्र 60 साल के करीब है और उसने लगभग 1691 पुरुषों के साथ संबंध बनाए। हालांकि, पुलिस ने इस संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया कहा और साफ किया कि आरोपी की उम्र 38 साल है। दिलचस्प बात यह है कि जियाओ पुरुषों से पैसे की मांग नहीं करता था। इसके बजाय वह उनसे छोटे-छोटे गिफ्ट लेता था- जैसे दूध, फल, स्नैक्स या यहां तक कि आधी बोतल कुकिंग ऑयल। इस घोटाले ने कई परिवारों और रिश्तों में तूफान ला दिया। वीडियो और तस्वीरें इतनी डिटेल में शेयर हुईं कि कई पुरुषों की पहचान उनके परिवार और दोस्तों ने कर ली। एक मां को पता चला कि उसका बेटा, जो किंडरगार्टन में इंग्लिश टीचर है, इस वीडियो में शामिल है। वहीं, एक महिला को झटका तब लगा जब उसने अपने मंगेतर को भी इन वीडियो में देखा। नानजिंग पुलिस ने जियाओ को गिरफ्तार कर लिया है ।

सींग वाले इंसान की खोपड़ी मिली, वैज्ञानिक हैरान

लंदन। हाल ही में शोधकर्ताओं को ग्रीस में एक ऐसी खोपड़ी मिली है जिसने विज्ञान जगत को चौंका दिया है।

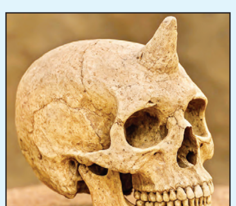

यह खोपड़ी न तो पूरी तरह इंसान की प्रतीत होती है और न ही निएंडरथल की। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसमें सींग जैसी संरचना मिली है, जिसने वैज्ञानिकों के सामने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि यह जीवाश्म यूरोप के मानव विकास के इतिहास में एक अहम कड़ी हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह संभवतः होमो हाइडलबर्गेंसिस नामक समूह से जुड़ा है, जो करीब 300,000 से 600,000 वर्ष पहले यूरोप में मौजूद था। इस समूह की उत्पत्ति अफ्रीका में हुई थी और लगभग पांच लाख साल पहले इसके कुछ सदस्य यूरोप आ गए थे। खोपड़ी सबसे पहले 1960 के दशक में ग्रीस के उत्तरी हिस्से में पेट्रालोना गुफा में मिली थी। हालांकि, तब इसकी सही आयु और संरचना का पता नहीं चल सका। आधुनिक तकनीक और यूरेनियम सीरीज डेटिंग विधि की मदद से अब यह निष्कर्ष निकला है कि यह खोपड़ी 600,000 से 300,000 साल पुरानी है। अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक युवा वयस्क पुरुष की खोपड़ी है। लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम के पैलियोएन्थ्रोपोलॉजिस्ट क्रिस स्ट्रिंगर, जो इस शोध से जुड़े हैं, का मानना है कि यह खोज मानव विकास की समझ को नई दिशा दे सकती है।

यूएन का 2231 नंबर का प्रस्ताव बढा सकता है मुश्किल, ईरान के छिन सकते हैं हथियार

जिनेवा। यूरोपियन देश नहीं चाहते कि ईरान के पास हथियारों का जखीरा हो। इसके लिए हर वक्त् कुछ न

कुछ पैंतरेबाजी चलती रही है। यूएन सिक्योरिटी काउंसिल का प्रस्ताव नंबर 2231 ईरान और दुनिया के बीच भरोसे की डोर था। लेकिन अब जब यूरोपीय देश खुद स्नेपबैक का सहारा ले रहे हैं, तो इसका मतलब है कि ईरान पर फिर से पुराने प्रतिबंधों का खतरा मंडरा रहा है। अगर ऐसा हुआ तो न सिर्फ ईरान बल्कि पूरी दुनिया पर इसका असर पड़ेगा। दरअसल, 2015 में ईरान और छह बड़े देशों अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के बीच एक समझौता हुआ, जिसे ज्वाइंट कांप्रेहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) यानी ईरान परमाणु समझौता कहा जाता है। इस समझौते के तहत ईरान ने वादा किया कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करेगा, ताकि वह परमाणु हथियार न बना सके। बदले में, उस पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटाए जाएंगे और उसकी अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी।

गाजा में इजराइली हमले में 105 फिलिस्तीनी भी मारे गए, बच्चों और पत्रकारों की भी मौत

भोजन और पानी लेने निकले लोग भी अब सीधे निशाने पर

अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार मारे गए

गाजा सिटी,03 सितंबर (एजेंसियां)।

इज़राइल ने गाज़ा सिटी पर मंगलवार को भीषण हमला तेज कर दिया, जिसमें कम से कम 105 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। मारे गए लोगों में 32 लोग वे थे जो मदद पाने के लिए लाइन में खड़े थे, जबकि कई बच्चे और पत्रकार भी इस हमले की चपेट में आ गए। सबसे ज्यादा तबाही अल-सबरा इलाक़े में हुई, जहां कई दिनों से लगातार बमबारी जारी है। गाज़ा प्रशासन का कहना है कि सिर्फ भोजन और पानी लेने निकले लोग भी अब सीधे निशाने पर हैं।

खान यूनिस के पास अल-मवासी इलाके में, जिसे पहले सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था, पानी भरने के लिए खड़े 21 लोगों पर ड्रोन से हमला किया गया। इनमें 7 बच्चे शामिल थे। घटनास्थल से मिले वीडियो में खून से सने पानी के डिब्बे और मासूमों के शव दिखाई दिए। फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसाल ने कहा की वे लोग सिर्फ पानी लेने लाइन में खड़े थे, तभी उन पर हमला कर दिया गया। जिंदगी की तलाश अब मौत में बदल गई है।

गाज़ा सिटी में अल-अफ़ परिवार के घर पर भी इज़राइली हमला हुआ, जिसमें 10 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। हमले में दो पत्रकार अल-मनारा के रस्मी सालेम और ईमान अल-ज़ामली की मौत हो गई। अक्टूबर 2023 से अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार मारे जा चुके हैं, जिससे यह युद्ध दुनिया का सबसे खतरनाक संघर्ष पत्रकारों के लिए बन गया है।

इज़राइल की नाकाबंदी के कारण लोग सिर्फ हमलों से ही नहीं, बल्कि भूख से भी मर रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 13 लोग भूख से मरे, जबकि युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 361 लोग भुखमरी के शिकार हो चुके हैं। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि युद्ध निर्णायक चरण में है और सेना गाज़ा सिटी पर कब्ज़े की तैयारी कर रही है। इस बीच हजारों रिजर्व सैनिकों को बुलाया गया, हालांकि इज़राइली मीडिया के अनुसार 365 सैनिकों ने ड्यूटी पर आने से इनकार कर दिया है।

बेल्जियम ने मंगलवार को फिलिस्तीन को मान्यता दी और अन्य देशों से भी ऐसा करने की अपील की। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कदम नरसंहार और जबरन विस्थापन रोकने के लिए ज़रूरी है। इस बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने इज़राइल के कई ठिकानों और एक कार्गो जहाज़ को ड्रोन और मिसाइल से निशाना बनाया है।

भारत से पंगा लेकर फंस गए राष्ट्रपति, अमेरिका में लग रहे ट्रंप वापस जाओ के नारे

वॉशिंगटन। भारत पर अनावश्यक टैरिफ लगाकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुरी तरह फंस गए हैं। उनका पूरी दुनिया में विरोध हो रहा है और तो और अमेरिका में ट्रंप वापस जाओ के नारे भी गूंज रहे हैं। उनके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन होने लगा है। 'ट्रंप वापस जाओ'के नारे लगाए जा रहे हैं। ट्रंप की नीतियों से परेशान हजारों श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन किया। श्रमिक दिवस के मौके कामगार उनके न्यूयॉर्क स्थित आवास के बाहर जुटे और ट्रंप वापस जाओ के नारे लगाए। एक साथ कई शहरों में अमेरिकी राष्ट्रपति के विरोध में प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लहराए जिन पर कथित फासीवादी शासन को खत्म करने की मांग लिखी थी। शिकागो और न्यूयॉर्क में वन फेयर वेज संगठन के तत्वाधान में प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य श्रमिकों को होने वाली परेशानी और न्यूनतम मजदूरी की ओर ध्यान खींचना था। जहां न्यूनतम संघीय मेहनताना 7.25 डॉलर प्रति घंटा है। शिकागो में ट्रंप टॉवर के बाहर प्रदर्शनकारियों ने नेशनल गार्ड नहीं चाहिए और उसे जेल में डालो के नारे लगाए। वॉशिंगटन डी सी और सैन फ्रांसिस्को में भी लोग सड़कों पर उतरे। वॉशिंगटन में भी बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए। उनके हाथों में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट का अतिक्रमण बंद करो लिखे पोस्टर और डीसी को मुक्त करो, नकाबपोश गुंडे नहीं चाहिए लिखे बैनर लहराए। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार को कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में आव्रजन प्रवर्तन के विरोध में प्रदर्शनों के दौरान ट्रंप प्रशासन द्वारा नेशनल गार्ड सैनिकों का इस्तेमाल करना अवैध है।

जिनपिंग ने रखा जीजीआई का प्रस्ताव....अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को मिर्ची लगना तय

पुतिन ने इस प्रस्ताव का कर दिया समर्थन

बीजिंग,03 सितंबर (एजेंसियां)।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक को संबोधित कर ग्लोबल गवर्नेंस इनिशिएटिव (जीजीआई) का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुपक्षीय व्यवस्था होनी चाहिए और किसी एक देश को ही सर्वशक्तिमान नहीं मानना चाहिए है। जिनपिंग ने एससीओ नेताओं को संबोधित कर कहा यह बात कही, जिस पर रूस ने तत्काल सहमति जाहिर की है। इसके अलावा भारत भी इस पर सहमत है, क्योंकि लंबे समय से पीएम नरेंद्र मोदी भी कहते रहे हैं कि वैश्विक संबंध समानता के आधार पर तय होने चाहिए। जिनपिंग का यह फॉर्मूला सीधे तौर पर अमेरिका के लिए खुला चैलेंज है, जो इन दिनों तमाम देशों पर टैरिफ लगा रहा है।

अमेरिका ने सबसे बड़ा टैरिफ भारत पर लगाया है। इसके बाद जिनपिंग का बयान अहम है। शी ने कहा, मैं आप लोगों के समक्ष ग्लोबल गवर्नेंस इनिशिएटिव का प्रस्ताव रखना चाहता हूं। मैं सभी देशों के साथ काम करने के लिए तत्पर हूं। यह संबंध समानता के आधार पर होनी चाहिए और मानव सभ्यता के साझा भविष्य के निर्माण के लिए सहयोग की भावना पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ के लिए यह जरूरी है। जिनपिंग ने कहा कि यह विजन वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक व्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। जिनपिंग ने कहा, सबसे पहले हमें समानता के आधार पर बात करनी होगी। हम सभी को यह मानना होगा कि क्षेत्रफल, क्षमता, संपदा से परे सभी देशों को एक समान माना जाए। सभी को ग्लोबल गवर्नेंस में निर्णय लेने का मौका मिले तो वहीं लाभार्थी के तौर पर भी बराबर हों। हमें वैश्विक संबंधों में अधिक लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रोत्साहित करना होगा। इसके अलावा विकासशील देशों को भी शामिल करना होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों से बंधे हुए हैं, लेकिन इनका सही ढंग से और यूएन चार्टर के अनुसार पालन होना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन

साओ पाउलो में ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनेरो प्रदर्शनकारियों के पीछे खड़े नजर आ रहे।

चीन के विक्ट्री डे परेड में सबसे बड़ा सैन्य प्रदर्शन शी जिनपिंग ने कहा-चीन किसी से नहीं डरता

बीजिंग,03 सितंबर (एजेंसियां)।

दूसरे विश्वयुद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ मिली जीत की 80वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में चीन का विक्ट्री डे परेड बुधवार को थियानमेन चौक पर हुआ। इस बहाने चीन ने बड़ा सैन्य परेड का प्रदर्शन करते हुए दुनिया को लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और न्यू इलेक्ट्रानिक वारफेयर सहित आधुनिक हथियार दिखाए।

इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन, बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको सहित मलेशिया, म्यांमार, मंगोलिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव सहित 26 देशों के शीर्ष नेता मौजूद रहे।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस अवसर पर कहा कि चीन को आगे बढ़ने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि उनका देश किसी धौंस जमानेवाले से डरता नहीं है और हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि यह एक नई यात्रा, नया युग है।

इस अवसर पर चीन ने अबतक का सबसे बड़ा सैन्य परेड करते हुए आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया। जिसमें जे 20 और जे 35 जैसे लड़ाकू विमान, डीएफ 31 एजी और डीएफ 41 बैलिस्टिक मिसाइलें, डीएफ-जेडएफ हाइपरसोनिक मिसाइल, एयर डिफेंस सिस्टम, टैंक और बख्तरबंद वाहन शामिल हैं। परेड में 10 हजार से ज्यादा सैनिक शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जापान ने अमेरिका के परमाणु हमले के बाद 15 अगस्त 1945 को समर्पण किया था जिसके बाद 2 सितंबर 1945 को चीन के खिलाफ भी हार स्वीकार कर ली। इसी उपलक्ष्य में चीन विक्ट्री डे परेड मनाता रहा है।

नेपाल में विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत

काठमांडू,03 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में विदेशी नागरिकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नेपाल सरकार ने ट्रैकिंग प्रणाली की शुरुआत की है। विदेशी नागरिकों द्वारा धर्म परिवर्तन, मानवतस्करी जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल होने से लेकर वीजा की अवधि से अधिक दिनों तक रहने वाले विदेशी नागरिकों पर नजर रखने में यह प्रणाली कारगर साबित होगी।

गृह मंत्रालय के अंतर्गत रहे आव्रजन विभाग ने नेपाल में आने वाले सभी विदेशी नागरिकों पर नजर रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत करने जा रही है। इसके लिए विमान से हवाई अड्डे पर आने के बाद सभी विदेशी नागरिकों को एक ऐप डाउनलोड करके उसमें अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। आवज्रन विभाग सबसे पहले इसकी शुरुआत काठमांडू से करने जा रहा है।

आवज्रन विभाग के महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने बुधवार को घोषणा की है कि वह नेपाल में विदेशियों के प्रवेश, ठहरने और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 17 सितंबर, 2025 से विदेशी नागरिकों के पंजीकरण और ट्रैकिंग प्रणाली (एफएनआरटीएस) को लागू करेगा।

महानिदेशक तिवारी के अनुसार, इस प्रणाली को चरणों में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया पहले चरण में, इसे 17 सितंबर से काठमांडू के भीतर सभी स्टार होटलों में लागू किया जाएगा। दूसरे चरण में, 16 नवंबर से शुरू होने वाले, इस प्रणाली का विस्तार सभी स्टार होटलों, एयरलाइनों, पर्यटन और ट्रैवल एजेंसियों, मनी एक्सचेंज तक किया जाएगा।

महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक धीरे-धीरे अन्य होटलों, अतिथि गृहों और सेवा प्रदाताओं तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को विदेशी नागरिकों के रिकॉर्ड को बनाए रखने, उनकी सुरक्षा बढ़ाने, आपात स्थितियों में खोज और बचाव कार्यों को सुविधाजनक बनाने और सुरक्षा एजेंसियों और पर्यटन हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसके साथ ही विदेशी नागरिकों द्वारा नेपाल में मानवतस्करी एवं संगठित अपराधों सहित कई गैर कानूनी गतिविधि में शामिल होने, धर्म परिवर्तन जैसे असंवैधानिक कार्य में लिप्त होने और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद लंबे समय तक यहां छिप कर रहने वाले विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए यह प्रणाली कारगर साबित होने वाली है।

विदेशी नागरिकों की सेवा करने वाले सार्वजनिक और निजी संस्थानों को इस प्रणाली के साथ एकीकरण करना आवश्यक है। पंजीकरण और उपयोगकर्ता नियमावली के बारे में विवरण आप्रवासन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

आईओए और आईओसी की साझेदारी बहाल अब खिलाड़ियों को मिलेगा सीधा फायदा

नई दिल्ली,03 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ साझेदारी के दोबारा शुरु होने और ओलंपिक सॉलिडेरिटी कार्यक्रमों की बहाली का स्वागत किया है। यह उपलब्धि भारतीय खेलों में हाल ही में हुए महत्वपूर्ण शासन सुधारों और प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है।

आईओसी ने आईओए अध्यक्ष को भेजे एक पत्र में संघ और भारत सरकार के उठाए गए सकारात्मक कदमों की सराहना की, जिनका उद्देश्य जमीनी स्तर से लेकर एलीट स्तर तक खिलाड़ियों को सहयोग और समर्थन प्रदान करना है। आईओसी ने आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीइओ) के रूप में रघुराम अय्यर की औपचारिक नियुक्ति और राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम (नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट) अपनाने को भारतीय खेल व्यवस्था की नींव मजबूत करने के लिए अहम माना है। ओलंपिक सॉलिडेरिटी कार्यक्रमों की बहाली से भारत के खिलाड़ियों को सीधा लाभ मिलेगा। इस पहल से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, तैयारी और ओलंपिक खेलों सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए प्रत्यक्ष फंडिंग और विकास के अवसर उपलब्ध होंगे।

आईओए अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा ने इस घोषणा को भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, यह आईओए और भारत सरकार के साझा संकल्प को दर्शाता है कि नई और परिवर्तनकारी खेल नीति के तहत खेल शासन में उच्चतम मानकों को बनाए रखा जाए। आईओसी के साथ यह नई साझेदारी हमारे खिलाड़ियों को उनके ओलंपिक सपनों को साकार करने में बड़ी भूमिका निभाएगी।

भारतीय ओलंपिक संघ ने आश्वासन दिया है कि वह आईओसी के साथ मिलकर भारत में ओलंपिक आंदोलन को और सशक्त बनाने और खिलाड़ियों को सतत समर्थन देने की दिशा में काम करता रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः पुरुष युगल के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे युकी भांबरी

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई है। वे न्यूज़ीलैंड के साथी माइकल वीनस के साथ मिलकर यूएस ओपन के पुरुष युगल स्पर्धा में क्वार्टरफाइनल दौर में पहुंचे हैं। पुरुष युगल स्पर्धा में 14वीं वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुत्ज़ को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। अब गुरुवार को इस जोड़ी का सामना 11वीं वरीयता प्राप्त क्रोएशिया के निकोला मेक्टिक और अमेरिकी दिग्गज राजीव राम की जोड़ी से होगा। 33 वर्षीय युकी इस सीज़न में ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने रॉबर्ट गैलोवे के साथ मिलकर फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे दौर तक जगह बनाई थी। मियामी ओपन 2025 के बाद युकी देश के नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बने थे, जहां उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए रोहन बोपन्ना को पीछे छोड़ा था। युकी वर्तमान में एटीपी डबल्स रैंकिंग में 32वें स्थान पर हैं, जबकि लाइव रैंकिंगमें वे 28वें नंबर पर पहुंच गए हैं। युकी का हालिया प्रदर्शन शानदार रहा है और इसी कड़ी में मार्च 2025 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपायरिन के साथ मिलकर दुबई टेनिस चैंपियनशिप जीतकर अपना पहला एटीपी 500 खिताब हासिल किया था ।

भारत के सुकांत कदम एसएल4 पैरा बैडमिंटन श्रेणी में बने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय पैरा बैडमिंटन स्टार सुकांत कदम ने एसएल 4 कैटेगरी में वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग हासिल कर नया इतिहास रच दिया है। यह पहली बार है, जब वे वैश्विक रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंचे हैं। सुकांत ने पिछले कुछ वर्षों में वर्ल्ड पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप और एशियन पैरा गेम्स में कई पदक जीते हैं। हाल ही में उन्होंने स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी रैंकिंग और आत्मविश्वास को और मजबूती दी। अब उनका अगला लक्ष्य चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 है, जहां वे अपनी वर्ल्ड नंबर-1 स्थिति बरकरार रखने और 2026 एशियन गेम्स के लिए तैयारी करने उतरेंगे। अपनी सफलता पर खुशी जताते हुए सुकांत कदम ने कहा, वर्ल्ड नंबर-1 बनना मेरे लिए किसी सपने के पूरे होने जैसा है। यह मुझे रोजाना और मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मेरा ध्यान अब चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल और अगले साल एशियन गेम्स पर है, जहां मैं भारत के लिए गोल्ड जीतना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं चाहता हूं कि मेरी यह उपलब्धि भारत को गर्व महसूस कराए और आने वाली पीढ़ी के पैरा एथलीट्स को प्रेरित करे। मैं अपने कोच निखिल कानेतकर और मयंक गोले का आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा मार्गदर्शन किया। साथ ही अपनी टीम को भी धन्यवाद, जो इस सफर में मेरे साथ खड़ी रही। जुलाई, 2025 में सुकांत ने ब्रिटिश और आयरिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में भी शानदार प्रदर्शन किया था। एसएल4 कैटेगरी के सेमीफाइनल में उन्होंने भारत के नवीन शिवकुमार को सीधे सेटों में हराया। हालांकि फाइनल में वे फ्रांस के पैरा ओलंपिक चैंपियन लुकास माजुर से कड़े मुकाबले में हारकर रजत पदक पर सिमट गए।

यूएस ओपन 2025ः जोकोविच ने फ्रिट्ज़ को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में मंगलवार को 38 वर्षीय नोवाक जोकोविच ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ को 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा। फ्रिट्ज़ के खिलाफ अपने अब तक के सभी 10 मुकाबले जीत चुके जोकोविच को इस बार भी कड़ी टक्कर मिली। पहले सेट में उन्होंने नौवें गेम में पांच ब्रेक प्वॉइंट बचाते हुए बढ़त बनाई और फिर दमदार क्रॉसकोर्ट शॉट के साथ दूसरा सेट भी अपने नाम किया। हालांकि चौथे सीड फ्रिट्ज़ ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने पक्ष में किया और घरेलू दर्शकों में उम्मीद जगाई। लेकिन जोकोविच ने अपनी लय वापस हासिल करते हुए चौथे सेट में 5-4 की बढ़त बनाई और आखिरकार मैच को अपने नाम कर लिया।

मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज़ खान पर डोपिंग के कारण 6 साल का बैन

नई दिल्ली,03 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज़ खान को डोपिंग में पकड़े जाने और 12 महीने के भीतर तीन डोप टेस्ट मिस करने के चलते 6 साल का प्रतिबंध झेलना होगा। पिछले साल परवेज़ ने अमेरिकी कॉलेजिएट एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था, लेकिन इसके तुरंत बाद पंचकूला (हरियाणा) में आयोजित नेशनल इंटर-स्टेट चैम्पियनशिप में उनके सैंपल में प्रतिबंधित दवा एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाई गई। इसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

ईपीओ क्या है

ईपीओ एक ऐसी दवा है जो लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाती है और एथलीट्स की स्टैमिना बढ़ाने के लिए डोपिंग में इस्तेमाल की जाती है। मेडिकल क्षेत्र में इसका उपयोग कैंसर रोगियों के इलाज में किया जाता है। परवेज़ ने सैंपल क्बकी जांच नहीं करवाई और सैंपल की रिपोर्ट को ही स्वीकार कर लिया। इस अपराध के लिए सामान्य तौर पर 4 साल का प्रतिबंध लगता है। लेकिन इसके अलावा उन्होंने 12 मई, 10 जुलाई और 5 दिसंबर 2023 को तीन डोप टेस्ट भी मिस किए, जो अपने आप में दो साल का बैन लाता है। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) की एंटी-डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल (एडीडीपी) ने 6 अगस्त को दिए फैसले में कहा,खिलाड़ी का सैंपल ईपीओ पॉजिटिव पाया गया है। साथ ही उसने 12 महीने की अवधि में एक और एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन किया है। इसलिए दोनों उल्लंघनों की सजा मिलाकर प्रतिबंध की अवधि 6 साल तय की जाती है। यह प्रतिबंध 28 अगस्त 2024 से लागू माना जाएगा, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था। इस दौरान 27 जून 2024 के बाद उनके सभी प्रतिस्पर्धी परिणाम रद्द कर दिए जाएंगे और जीते हुए पदक, अंक व पुरस्कार वापस लेने होंगे।

अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई

एडीडीपी की ताज़ा सूची में अन्य खिलाड़ियों को भी डोपिंग के चलते बैन किया गया है, जिनमें

सुम्मी (क्वार्टरमाइलर, हरियाणा) - 2 साल का बैन (14 अक्टूबर 2024 से), रेशमा दत्ता केवटे - 4 साल का बैन, श्रीराग ए.एस. - 5 साल का बैन, अनिरुद्ध अरविंद (रेसिंग कार ड्राइवर, चेन्नई) - 3 महीने का बैन (22 अगस्त से), रोहित चमोली (मुक्केबाज़, एशियन जूनियर गोल्ड मेडलिस्ट 2021) - 2 साल का बैन (23 अगस्त से),

दीपक सिंह (वेटलिफ्टिंग) - 4 साल का बैन (25 सितंबर 2024 से), सिमरनजीत कौर (वेटलिफ्टिंग) - 5 साल का बैन (22 अगस्त से), अर्जु (रेसलिंग) - 4 साल का बैन (11 जून 2024 से), मोहित नांदल (कबड्डी) - 4 साल का बैन (14 अगस्त से) शामिल हैं।

चिन्नास्वामी स्टेडियम हादसे के कारण सबसे खुशी का दिन ही सबसे दुखदायी बना : विराट

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की खिताबी जीत के बाद विक्ट्री परेडा हादसे को लेकर अपनी तोड़ी चुप्पी तोड़ी है। विराट ने कहा है कि चार जून को भगदड़ के कारण हुए इस दर्दनाक हादसे के कारण टीम का सबसे खुशी का दिन ही सबसे दुखदायी बन गया था। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। आरसीबी के 18 साल में पहली बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए जश्न में ढाई लाख के करीब प्रशंसक जमा हो गये थे। कोहली ने कहा, ''आप कभी भी इस तरह की दिल तोड़ने वाली घटना का सामना नहीं करना चाहते। जो हमारी टीम के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, वह इसी कारण से एक दुखद घटना में बदल गया।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों और चोटिल हुए अपने प्रशंसकों के बारे में सोचता हूं और प्रार्थना करता हूं। आपकी क्षति अब हमारी कहानी का हिस्सा है। हम मिलकर सावधानी, सम्मान और जिम्मेदारी से आगे बढ़ेंगे।'' इस अराजकता का कारण स्टेडियम में जरुरत से अधिक भीड़ भी। ये फ्रेंचाइजी द्वारा सोशल मीडिया पर भेजे गए निमंत्रणों के कारण उमड़ी थी। पुलिस ने स्वीकार किया कि दर्शकों को नियंत्रित करने के लिए उनके पास संख्या बल बहुत कम था और जांच में आरसीबी को प्रशंसकों को बड़ी संख्या में आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

आईसीसी एकदिवसीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे जिम्बाब्वे के रजा

दुबई,03 सितंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। रजा के अब 302 रेटिंग अंक हैं। रजा ने अफगानिस्तान के ऑलराउंडरों अजमतुल्लाह उमरजई 296 अंक और मोहम्मद नबी 292 अंक को पीछे छोड़ा। अब उमरजई दूसरे और नबी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। रजा ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 92 और नाबाद 59 रनों के अलावा एक विकेट भी लिया था। इससे रजा को बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नौ स्थान का लाभ हुआ है और वह 22वें स्थान पर चले गए हैं।

एकदिवसीय मैचों की सीरीज के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। पथुम निसांका 654 अंक लेकर बल्लेबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर आकर 13वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज में 122 और 76 रन बनाये। वहीं जनिथ लियानागे 13 स्थान के लाभ के साथ ही 29वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी रैंकिंग में असिथ फर्नांडो छह पायदान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर और दिलशान मदुशंका आठ स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर आ गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज नंबर-1 एकदिवसीय गेंदबाज बने हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में चार विकेट लेने के बाद 31 रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ ही कुल 690 अंक हासिल किये हैं। वहीं भारतीय टीम के शुभमन गिल एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। शुभमन के 784 अंक हैं। वहीं टी20 रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। अफगानिस्तान के मो नबी 231 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नबी ने शारजाह में पिछले हफ्ते तीन मैचों में चार विकेट लिए। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान दो अर्धशतक लगाने के बाद टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में 12 स्थान ऊपर आकर 20वें पर पहुंच गए हैं।

एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन , टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में पंड्या शीर्ष पर बरकरार

इंग्लैंड के आईसीसी रैंकिंग में आठवें नंबर पर खिसकते ही जाफर ने वॉन पर कसा ताना

हैडिंग्ले। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में मिली शर्मनाक हार के बाद मेजबान इंग्लैंड की टीम आईसीसी रैंकिंग में आठवें नंबर पर खिसक गयी है। इसी को देखते हुए भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक वान पर व्यंग्य कसा है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने आधे ओवरों में ही जीत हासिल कर ली थी। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.3 ओवर में ही 131 रन ही बना पायी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था। जाफर और वॉन सोशल मीडिया पर एकदूसरे की खिंचाई करते रहते हैं। इस बार जाफर को अवसर मिल गया। जाफर ने इंग्लैंड की खराब रैंकिंग पर वॉन को टैग करते हुए कहा, इंग्लैंड आठवे नंबर पर , यह निश्चित रूप से क्रिकेट भावना के खिलाफ है। आईसीसी को इस पर ध्यान देना चाहिये।इस मैच में 132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की ओरे से एडन मारक्रम ने 13 चौके और दो छक्कों की सहायता से 86 रनों की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका ने वर्ल्ड कप के लिए घोषित की टीम, वैन नीकेर्क बाहर

नई दिल्ली,03 सितंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका की पूर्व कप्तान डेन वैन नीकेर्क को महिला वर्ल्ड कप की टीम में जगह नहीं मिली है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने बुधवार को 15 सदस्यीय मजबूत टीम का ऐलान किया। वैन नीकेर्क ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय संन्यास से वापसी की थी और तैयारी कैंप के लिए 20 सदस्यीय स्क्वॉड में शामिल थीं, लेकिन आखिरकार अंतिम चयन से बाहर हो गईं।

टीम की कमान लॉरा लौरा वोल्वार्ड्ट संभालेंगी। उनके साथ क्लोई ट्रायन, मरिजाने कप्प, सुने लूस और आयाबोंगा खाका जैसी अनुभवी खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी साइनलो जाफ्टा और कराबो मेसो निभाएंगी। खास बात यह है कि कराबो मेसो पहली बार सीनियर वर्ल्ड कप खेलेंगी। युवा ऑलराउंडर मियाने स्मिट को ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में चुना गया है। वे पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में भी इसी भूमिका में थीं। टूर्नामेंट से पहले दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी और वहां तीन वनडे खेलेगी। इसके बाद टीम 3 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी। इसके अलावा वे न्यूजीलैंड, भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया से भी भिड़ेंगी। हेड कोच मांडला मशिंबयी ने कहा, जब से मैंने इस टीम के साथ काम करना शुरू किया, हमारा लक्ष्य वर्ल्ड कप के लिए मजबूत तैयारी करना रहा है। हमें भरोसा है कि यह टीम दक्षिण अफ्रीका को गर्व महसूस कराएगी। अब बस जरूरत है इस विश्वास को हर कदम पर बनाए रखने की।

दक्षिण अफ्रीका की टीम

लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), आयाबोंगा खाका, क्लोई ट्रायन, नादिन डी क्लर्क, मरिजाने कप्प, ताजमिन ब्रिट्स, साइनलो जाफ्टा, नोंकुलुलेको मलाबा, एनेरी डेरक्सन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, कराबो मेसो, तूमी सेखुखुने, नोंडुमिसो शांगासे।

त्रिकोणीय टी-20 सीरीजः अफगानिस्तान ने पाक को 18 रन से हराया, इब्राहिम, अतल ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली,03 सितंबर (एजेंसियां)।

शारजाह में खेले जा रहे त्रिकोणीय टी-20 सीरीज़ के तहत मंगलवार रात खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हरा दिया। श्रृंखला में तीसरी टीम यूएई की है।

अफगानिस्तान की जीत के नायक रहे इब्राहिम ज़ादरान (65) और सिदीकुल्लाह अतल (64), जिन्होंने शानदार अर्धशतक जमाए। इसके बाद गेंदबाज़ों ने सामूहिक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पारी को दबाव में रखा। पाकिस्तान की ओर से फ़हीम अशरफ़ (4/27) सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रहमानुल्लाह गुरबाज़ 8 रन बनाकर सैम अयूब का शिकार बने। इसके बाद अतल और इब्राहिम ने पारी संभाली और कई शानदार शॉट्स लगाए। दोनों ने नौवें ओवर में 50 रनों की साझेदारी पूरी की। 14वें ओवर में सूफ़ियान मुकीम के खिलाफ 20 रन लेकर मैच का रुख पलट दिया। इसी ओवर में अतल ने अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया।

दोनों के बीच 113 रनों की साझेदारी हुई। अशरफ़ ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए इब्राहिम, उमरज़ई और करीम जन्नत को आउट किया। हालांकि, मोहम्मद नबी ने तेज़ पारी खेलकर अफगानिस्तान को 169/5 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। साहिबज़ादा फ़रहान ने छक्का जड़ा, लेकिन दूसरे छोर से सैम अयूब पहली ही गेंद पर फ़ज़लहक़ फ़ारूकी के शिकार हो गए। फ़खर ज़मान और फ़रहान ने रनगति तेज की, मगर जल्द ही दोनों आउट हो गए। सलमान अली आगा के रन-आउट होने से पाकिस्तान पर दबाव और बढ़ गया।

इसके बाद अफगान गेंदबाज़ों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटके। नूर अहमद और मोहम्मद नबी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि राशिद खान ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह तोड़ दीं। आखिरि में हारिस रऊफ़ ने चार छक्के लगाकर थोड़ी चमक जरूर बिखेरी, लेकिन पाकिस्तान 20 ओवर में 151/9 तक ही पहुंच सका।

संक्षिप्त स्कोरः

अफगानिस्तानः 169/5 (20 ओवर) — इब्राहिम ज़ादरान 65, सिदीकुल्लाह अतल 64; फ़हीम अशरफ़ 4/27, साइम अय्यूब 1/18

पाकिस्तानः 151/9 (20 ओवर) — हारिस रऊफ़ 34*, फ़खर ज़मान 25; नूर अहमद 2/20, मोहम्मद नबी 2/20

परिणामः अफगानिस्तान 18 रन से विजयी।

पीएम मोदी ने जीएसटी काउंसिल की ओर से दो टैक्स स्लैब को मंजूरी दिए जाने का किया स्वागत

नई दिल्ली, 03 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई है। पीएम मोदी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए अर्थव्यवस्था के लिए इसे मजबूत कदम बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस निर्णय का स्वागत करते हुए लिखा, अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान मैंने जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लाने के हमारे इरादे के बारे में बात की थी। केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों को युक्ति संगत बनाने और प्रक्रियागत सुधारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया था, जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

उन्होंने आगे कहा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जीएसटी काउंसिल ने सामूहिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती और सुधारों पर प्रस्तुत प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें केंद्र और राज्य शामिल हैं। जिससे आम आदमी, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। व्यापक सुधार हमारे नागरिकों के जीवन में सुधार लाएंगे और सभी के लिए विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और व्यवसायों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई, जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

काउंसिल ने मौजूदा 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर केवल दो स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी को लागू रखने का निर्णय लिया है। इस कदम से कर ढांचे को सरल बनाने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

वित्त मंत्री ने बैठक के बाद घो-षणा की कि कई आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरों को कम किया गया है। इनमें हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप, बार, शैंपू, टूथपेस्ट, टेबलवेयर, किचनवेयर, नूडल्स, पास्ता, खाद्य पदार्थ, साइकिल, कई दवाइयां, मेडिकल उपकरण और कृषि उपकरण शामिल हैं। इस कदम से दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी, जिससे मध्यम वर्ग, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों को विशेष रूप से लाभ होगा।

वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर लगने वाले हर टैक्स की कड़ी समीक्षा की गई है और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी आई है। श्रम प्रधान उद्योगों को अच्छा समर्थन दिया गया है। किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र को भी लाभ होगा। अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों को प्रमुखता दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

अर्बन कंपनी का 1,900 करोड़ का आईपीओ 10 सितंबर से खुलेगा

नई दिल्ली। मोबाइल ऐप आधारित घरेलू एवं सौंदर्य सेवा मंच अर्बन कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 98 रुपए से 103 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का कुल मूल्यांकन 14,790 करोड़ रुपए के करीब आंका गया है। आईपीओ 10 से 12 सितंबर तक खुलेगा, जबकि एंकर निवेशक 9 सितंबर को बोली लगाएंगे। कंपनी नए शेयर जारी कर 472 करोड़ रुपए जुटाएगी, जबकि मौजूदा निवेशक 1,428 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। प्रमुख निवेशक एक्सेल इंडिया, बेसेमर इंडिया कैपिटल, एलिवेशन कैपिटल सहित अन्य शेयर बेचेंगे। आईपीओ से मिले पैसे का इस्तेमाल नई तकनीक, क्लाउड अवसंरचना, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। गुरुग्राम स्थित अर्बन कंपनी घरेलू सेवाओं में डिजिटल बदलाव ला रही है और निवेशकों के लिए अच्छा अवसर प्रस्तुत कर रही है ।

टीबीओ टेक क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करेगी

मुंबई। यात्रा वितरण प्लेटफॉर्म टीबीओ टेक ने अमेरिका स्थित लक्जरी ट्रैवल कंपनी क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करने के लिए द नजफी कंपनीज के साथ समझौता किया है। यह कदम टीबीओ टेक के लिए उत्तरी अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। क्लासिक वेकेशंस की अधिग्रहण प्रक्रिया फीनिक्स स्थित निवेश कंपनी द नजफी कंपनीज के माध्यम से पूरी हुई है, जिन्होंने 2021 में एक्सपीडिया ग्रुप से क्लासिक वेकेशंस को खरीदा था। टीबीओ टेक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी की विकास रणनीति को आगे बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीबीओ क्लासिक वेकेशंस को अपनी प्रणाली के साथ एकीकृत करेगा और भविष्य में इसी तरह के रणनीतिक गठबंधनों के लिए तैयार रहेगा। अंकुश ने इस अधिग्रहण को टीबीओ की वैश्विक विस्तार योजना के हिस्से के रूप में देखा है। क्लासिक वेकेशंस की सीईओ ने बताया कि टीबीओ के साथ मिलकर वे क्लासिक वेकेशंस को लक्जरी यात्रा के क्षेत्र में एक प्रमुख साझेदार के रूप में मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से कंपनी की वैश्विक पहुंच और ग्राहकों तथा आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध और भी मजबूत होंगे।

विक्रान इंजीनियरिंग का शेयर निर्गम मूल्य से करीब 3 फीसदी की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

मुंबई। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 97 रुपये से लगभग तीन फीसदी की बढ़त के साथ बुधवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,561.06 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर विक्रान इंजीनियरिंग की शेयर की शुरुआत 99.70 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 2.78 फीसदी की बढ़त है। इसके बाद में यह 4.52 फीसदी चढ़कर 101.39 रुपये पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर यह दो फीसदी की बढ़त के साथ 99 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। विक्रान इंजीनियरिंग के 772 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को इस इश्यू को प्रस्तावित 92-97 रुपये प्राइस बैंड पर बोली के अंतिम दिन गत शुक्रवार तक 23.59 गुना अभिदान मिला था। ये आईपीओ 721 करोड़ रुपये के नए शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 51 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड के आईपीओ में नया इश्यू और बिक्री प्रस्ताव दोनों शामिल हैं। मुंबई स्थित यह कंपनी नए शेयर की बिक्री से प्राप्त 541 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण और शेष राशि का इस्तेमाल कंपनी के सामान्य कामकाज के लिए करेगी। विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड तेजी से बढ़ती भारतीय इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण कंपनियों में से एक है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत और यूरोपीय...

वेडफुल ने उन्हें बताया कि जर्मनी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के समर्थन में अपना पूरा जोर लगाएगा। जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में भी सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि जर्मनी के साथ भारत के संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं और हम इसके लिए आगे बढ़ रहे हैं।जर्मनी के विदेश मंत्री की यह यूरोप से बाहर पहली विदेश यात्रा है। कुछ समय पहले ही विदेश मंत्री जयशंकर ने बर्लिन की यात्रा की थी और उसके तुरंत बाद जर्मन विदेश मंत्री की भारत यात्रा हुई है। जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी की रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे हो चुके हैं, जबकि वैज्ञानिक साझेदारी के 50 साल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक समझौते की नींव 60 साल पहले ही रखी गई थी। जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलुरु का भी दौरा किया। उन्होंने भारत और जर्मनी के बीच तकनीकी सहयोग की संभावनाओं का भी जिक्र किया। जर्मन विदेश मंत्री उद्योगपतियों के प्रतिनिधिमंडल और सांसदों के साथ भारत आए हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत और जर्मनी बहुत अच्छे सहयोग की अपनी मजबूत परंपरा को आगे बढ़ाएंगे और वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम करेंगे।

चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिदृश्यों के बीच भारत को अपनी विदेश नीति में कितने बदलाव करने पड़ रहे हैं? अमेरिका-चीन-रूस जैसी ताकतों के साथ सामंजस्य और सौहार्दपूर्ण रिश्ते रखने में देश को किन मुद्दों पर सोचना पड़ता है? मौजूदा दौर में ये रिश्ते कितने चुनौतीपूर्ण हैं और भारत कैसे संतुलन बना रहा है? इन सवालों पर आज विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, अन्य यूरोपीय देशों से इतर भारत और जर्मनी के संबंध ठोस रूप से आगे बढ़ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, भारत के दृष्टिकोण से देखें तो कई देशों के साथ हमारे सामरिक रिश्ते हैं। यूरोपीय यूनियन का सबसे बड़ा देश होने के नाते जर्मनी की अहमियत बढ़ जाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर दोनों देशों के रिश्ते को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए भारत और जर्मनी के संबंधों की अहमियत और बढ़ जाती है।

गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के संबंध मौजूदा दौर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों और टैरिफ के कारण तल्ख हो गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को खत्म करने में अपनी भूमिका का श्रेय लेने को लेकर ट्रंप की हठधर्मिता भी किसी से छिपी नहीं है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात वर्षों के बाद चीन दौरे पर गए जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। रूस-भारत और चीन (आरआईसी) के इस गठजोड़ को अमेरिकी सियासत के बीच बड़े विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इसी संदर्भ में डॉ जयशंकर से भारत की विदेश नीति और ताकतों के बीच संतुलन बनाने की चुनौती का सवाल पूछा गया था।

जयशंकर ने कहा, यूरोपीय संघ के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जर्मनी की भूमिका अहम है। भारत और जर्मनी के बीच बहुस्तरीय सहयोग का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि आज की बातचीत से हमारे संबंध बेहतर होंगे। प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने जर्मन विदेश मंत्री के भारत आगमन की सराहना की। उन्होंने कहा, हम 25 वर्षों की रणनीतिक साझेदारी, 50 वर्षों के वैज्ञानिक सहयोग, लगभग 60 वर्षों के सांस्कृतिक समझौतों और एक शताब्दी से भी अधिक के व्यावसायिक संबंधों का जश्न मना रहे हैं। मुझे खुशी है कि इस यात्रा के दौरान आपको बेंगलुरु जाने और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारे सहयोग की अपार संभावनाओं को देखने का अवसर मिला।

जयशंकर ने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ हमारे रिश्तों को मजबूत बनाने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जर्मनी की भूमिका अहम है। भारत और जर्मनी के बीच बहुस्तरीय सहयोग का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि आज की बातचीत से हमारे संबंध बेहतर होंगे। बैठक में जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल ने कहा, मेरे लिए, बंगलूरू की यात्रा वाकई दिलचस्प रही। हम आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से साथ मिलकर क्या कर रहे हैं। यह देखकर मुझे हैरानी हुई कि कितने छात्र जर्मन सीख रहे हैं और इससे पता चलता है कि हमारे देशों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। जर्मनी मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द से जल्द बातचीत करने के पूरे समर्थन में है। हम एक मुक्त व्यापार राष्ट्र हैं। यूरोपीय संघ भारत के साथ समझौते पर काम कर रहा है, यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम इसमें सफल होंगे। वेडफुल ने भरोसा दिलाया कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने में भी वे पूरा सहयोग करेंगे।

अपनी यात्रा से पहले जर्मन विदेश मंत्री ने भारत-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक मंच पर एक प्रमुख भागीदार के रूप में भारत की भूमिका के बारे में बात की। वेडफुल ने जर्मनी और भारत के बीच घनिष्ठ राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षा सहयोग, नवाचार, प्रौद्योगिकी और कुशल कार्यबल भर्ती जैसे क्षेत्रों को द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ बताया। वेडफुल ने कहा कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख साझेदार है। हमारे राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से घनिष्ठ संबंध हैं। हमारी रणनीतिक साझेदारी के विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की आवाज रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र से परे भी सुनी जाती है। इसीलिए मैं बेंगलुरु और नई दिल्ली की यात्रा कर रहा हूं।

जर्मन विदेश मंत्री ने जर्मनी और भारत जैसे लोकतंत्रों के बीच स्वाभाविक गठबंधन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमारी सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाता है। हम बतौर लोकतंत्र इसमें स्वाभाविक साझेदार हैं। विशाल भू-राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए हमें मिलकर नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखना चाहिए।

एस-400 घातक...

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, 2020 से 2024 के बीच भारत के कुल हथियार आयात में 36 प्रतिशत हिस्सा रूस का था, जबकि फ्रांस से 33 प्रतिशत और इजराइल से 13 प्रतिशत हथियार भारत ने खरीदे।

अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ का बोझ लादे जाने के जवाब में रूस ने भारत को तेल पर छूट देने की घोषणा की है। रूसी कच्चे तेल की कीमत भारत के लिए और घटा दी गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, यूराल्स ग्रेड तेल की कीमत अब सितंबर-अक्टूबर की डिलीवरी के लिए 3-4 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर मिल रही है। यह छूट तब दी गई है, जब अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीदने को लेकर टैरिफ दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया है।

2022 से भारत, रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने वाला एक बड़ा ग्राहक बन गया है। अमेरिका ने इसे लेकर कई बार नाराजगी जताई और टैरिफ का बोझ लादा। व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि भारत सस्ता रूसी तेल खरीद कर उसे रिफाइन करता है और विदेशों में बेचता है, जिससे पुतिन की युद्ध मशीन को फायदा हो रहा है। भारत ने इस आलोचना का जवाब देते हुए कहा है कि ऐसी खरीद पर कोई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी नहीं है, यहां तक कि अमेरिकी रिफाइनरी भी अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल का फायदा उठाते हैं।

उल्लेखनीय है कि अगस्त में थोड़े समय के लिए खरीदारी रुकी थी, लेकिन अब भारत के रिफाइनरी फिर से रूस से तेल खरीदना शुरू कर चुके हैं, क्योंकि यह अमेरिका के तेल के मुकाबले काफी सस्ता है, जो 3 डॉलर (लगभग 264.52 भारतीय रुपए) प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है। भारत को मिल रहे तेल का सस्ता किया जाना इस बात की सनद है कि भारत और रूस के बीच रिश्ते मजबूत हैं। इसी का नतीजा है कि भारत को रूस से मिलने वाले कच्चे तेल पर अब और ज्यादा छूट मिलने जा रही है। इसके साथ ही, भारत और रूस के बीच एक बार फिर एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर बातचीत तेज हो गई है।

भारत रूस से पहले से ही रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीद रहा है लेकिन अब यह छूट और बढ़ रही है। रूस का यूराल क्रूड ऑयल अब ब्रेंट क्रूड ऑयल के मुकाबले 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल सस्ता मिलने वाला है। यह छूट सितंबर के अंत और अक्टूबर के महीने में मिलने की संभावना है। पिछले सप्ताह यह छूट 2.50 डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि जुलाई में यह केवल 1 डॉलर प्रति बैरल थी। इस छूट से भारत को बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। क्योंकि भारत हर महीने लाखों बैरल कच्चा तेल आयात करता है, और प्रति बैरल कुछ डॉलर की बचत भी कुल मिलाकर हजारों करोड़ रुपए की बचत बन सकती है। अगर रूस भारत को और सस्ती दरों पर तेल देगा, तो भारत पर अमेरिका के टैरिफ से जो आर्थिक दबाव पड़ा है, वह कुछ हद तक कम हो सकता है। सितंबर में भारत ने अगस्त के मुकाबले रूस से 10-20 प्रतिशत ज्यादा तेल खरीदा। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बढ़ोतरी करीब 1.5 से 3 लाख बैरल की रही। अगर रूस और छूट देता है, तो खरीद और बढ़ सकती है।

जहां तक एस-400 डिफेंस सिस्टम की नई खेप लाने का प्रसंग है, इसे लेकर बातचीत अब निर्णायक स्तर पर पहुंच चुकी है। साल 2018 में दोनों देशों के बीच करीब 5.5 अरब डॉलर की डील हुई थी, जिसमें भारत को 5 एस-400 सिस्टम मिलने थे। इनमें से 3 सिस्टम भारत को पहले ही मिल चुके हैं। बाकी दो सिस्टम भारत को 2026 और 2027 में मिलने की उम्मीद है। रूसी सैन्य सहयोग एजेंसी (फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री टेक्निकल कोऑपरेशन) के प्रमुख दिमित्री सुगायेव के अनुसार, दोनों देश इस सिस्टम को लेकर आगे सहयोग बढ़ाने की योजना बना रहे हैं और नई डील की संभावना पर बातचीत चल रही है। ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। यह सिस्टम दुश्मन के विमानों और मिसाइलों को दूर से ही पहचान कर उन्हें मार गिराने में सक्षम है। इसके चलते पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों को भारत के खिलाफ कोई दुस्साहस करने की हिम्मत नहीं हुई। यही कारण है कि भारत अब और एस-400 सिस्टम खरीदने पर विचार कर रहा है।

निलंबन के एक दिन ...

पहनकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ पिछड़ा वर्ग आरक्षण और अन्य पहलों के लिए काम किया। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ये गतिविधियां पार्टी विरोधी गतिविधियां कैसे हैं। कुछ पार्टी सदस्यों ने टिप्पणियां कीं, और मैंने उनका जवाब दिया। मैंने हरीश राव और संतोष के बारे में बात की और कहा कि जब उनके घरों में सोना होता है तो सुनहरा तेलंगाना नहीं होता। मैंने पहले अपने भाई केटीआर से मेरे खिलाफ साजिश रचने वाले लोगों के बारे में बात की थी और उनसे कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। मुझे खुशी है कि मेरे निलंबन के बाद बीआरएस की महिला विधायक एकजुट हुईं, जिसकी मैंने हमेशा कल्पना की थी। कविता ने अपने भाई केटीआर को दोनों से बचकर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वे उनके शुभचिंतक नहीं हैं। साथ ही उन्होंने अपने पिता बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव से अनुरोध किया कि वे अपने आसपास क्या हो रहा है, इस पर नजर रखें। के. कविता ने कहा, मैं अपने पिता से अनुरोध कर रही हूं कि वे अपने आसपास के पार्टी नेताओं की जांच करें। मैंने स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी और उनसे अपने शब्दों पर विचार करने का अनुरोध किया।

प्रदेश के सीएम रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी और हरीश राव ने कथित तौर पर हमारे परिवार को नष्ट करने की योजना बनाई थी। रेवंत रेड्डी को इसका जवाब देना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने केवल मेरे परिवार के सदस्यों, केटीआर और केसीआर के खिलाफ मामला दर्ज किया, लेकिन हरीश राव के खिलाफ नहीं। कालेश्वरम परियोजना में अनियमितता के आरोपों पर उन्होंने कहा कि जब कालेश्वरम परियोजना शुरू हुई उस समय हरीश राव सिंचाई मंत्री थे, और रेवंत रेड्डी ने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा। हरीश राव और संतोष राव कथित तौर पर हमारे परिवार और पार्टी को नष्ट करने की योजना बना रहे हैं। हरीश राव पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वे हमारे शुभचिंतक नहीं हैं, बल्कि एक बबल शूटर हैं। उन्होंने विधानसभा चुनावों में केसीआर और केटीआर के खिलाफ काम करने के लिए पैसे दिए थे।

हिंदू, सिख, बौद्ध,...

अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी। हाल ही में लागू अप्रवासीय एवं विदेशी (नागरिक) अधिनियम, 2025 के तहत जारी किया गया यह महत्वपूर्ण आदेश बड़ी संख्या में लोगों राहत प्रदान करेगा। विशेषकर पाकिस्तान से आए उन हिंदुओं को जो 2014 के बाद भारत आए और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदाय - हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई जो धार्मिक उत्पीड़न या इसके डर से भारत में शरण लेने के लिए मजबूर हुए और 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले वैध दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया, उन्हें वैध पासपोर्ट और वीजा रखने के नियम से छूट दी जाएगी।

पहले पवन खेड़ा...

पवन खेड़ा का नाम दिल्ली की दो विधानसभा सीटों जंगपुरा और काका नगर नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में पाया गया। दोनों जगहों पर उनके नाम से अलग-अलग एपिक नंबर एक्टिव हैं। इस आधार पर चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस भेजा। आयोग ने कहा है कि एक व्यक्ति दो जगहों पर वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो सकता। इसलिए पवन खेड़ा से 8 सितंबर 2025 तक जवाब मांगा गया है।

पवन खेड़ा का कहना है कि उन्होंने 2016 में एक जगह से नाम हटाने के लिए आवेदन किया था। लेकिन चुनाव आयोग ने उसे समय पर हटाया नहीं। उन्होंने जांच की मांग की और कहा कि अगर उन्होंने दो बार वोट डाला है तो सीसीटीवी फुटेज पेश किया जाए। भाजपा ने इस मुद्दे को कांग्रेस के दोहरे रवैये से जोड़ा है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस पार्टी खुद वोट चोरी के आरोप लगाती है, लेकिन उसके अपने नेता ऐसे कृत्यों में शामिल हैं। भाजपा ने राहुल गांधी से सवाल किया है कि वे अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ लगे इन आरोपों पर क्यों चुप हैं।

दिल्ली के हिंदू...

पारित होने के तुरंत बाद घटित घटनाओं में, खालिद और इमाम ने लोगों को भड़काने की पहल की थी। हाईकोर्ट ने कहा, पहली नजर में यह साफ होता है कि जैसे ही दिसंबर 2019 की शुरुआत में नागरिकता संशोधन विधेयक पारित हुई, ये लोग (अपीलकर्ता) सक्रिय हो गए। इन्होंने तुरंत वॉट्सऐप ग्रुप बनाया और मुस्लिम बहुल इलाकों में पर्चे बांटें, जिसमें लोगों से कानून का विरोध करने और तुरंत चक्काजाम जैसी कार्रवाई में भाग लेने की अपील थी। इन पर्चों में लोगों से पूरी व्यवस्था, जिसमें इमरजेंसी सेवाएं भी शामिल हैं, उन्हें भी ठप कर देने को कहा गया। हाईकोर्ट के मुताबिक, शरजील-उमर जैसे लोगों का मकसद सिर्फ राजनीतिक विरोध नहीं था, बल्कि लोगों को खासकर मुस्लिम समुदाय को ये विश्वास दिलाना था कि सीएए और एनआरसी उनके खिलाफ हैं, ताकि जानबूझकर गड़बड़ी फैलाई जा सके।

हाईकोर्ट ने खालिद और शरजील इमाम के भड़काऊ भाषणों की टाइमिंग पर भी ध्यान दिया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इन लोगों ने तब भड़काऊ भाषण दिए, जब एक खास माहौल बना हुआ था। ऐसे में परिस्थितियों के साथ इन चीजों को जोड़ें, तो ये मामला सिर्फ राजनीतिक अभिव्यक्ति से अधिक आगे बढ़ जाता है। ऐसे में यह मामला राजनीतिक बदले की कार्रवाई से कहीं अधिक गंभीर है। फिर, शरजील और उमर जैसे लोगों को यूएपीए जैसे गंभीर मामले भी हैं, ऐसे में इनके भाषणों को सिर्फ राजनीतिक मानना बड़ी भूल साबित हो सकती है। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया कि इमाम और खालिद इस पूरी साजिश के मुख्य षड़यंत्रकारी थे, जो अपने सहयोगियों के साथ तन-मन-धन से इस काम में लगे हुए थे।

श्राद्ध पक्ष की शुरुआत में लगेगा चंद्र ग्रहण

साल की शुरुआत में मार्च माह में एक बार चंद्र ग्रहण लग चुका है। लेकिन सितंबर महीने में साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। बड़ी बात यह है कि इसे भारत में देखा जा सकेगा। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा। जिन जगहों पर ग्रहण दिखाई देता है, वहां-वहां चंद्र ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के सूतक के समय में पूजा-पाठ नहीं किए जाते हैं, मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण खत्म होने के बाद सूतक खत्म होता है। मंदिरों का शुद्धिकरण होता है और फिर पूजा-पाठ आदि धर्म-कर्म किए जाते हैं।

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह ग्रहण अंटार्कटिका, पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलेशिया, एशिया, हिंद महासागर, युरोप पूर्वी अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। रुस और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में चन्द्रास्त के समय उपच्छाया का प्रारम्भ दिखाई देगा। आइसलैंड, अफ्रीका के पश्चिमी हिस्से और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में उपच्छाया का अन्त चन्द्रोदय के समय दिखाई देगा।

7 सितंबर से पितृ पक्ष का आरंभ

इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से हो रहा है और 21 सितंबर तक चलेगा। लेकिन पूर्णिमा का श्राद्ध 7 सितंबर को होगा और उसी दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लगेगा। भारत में चंद्र ग्रहण दिखाई देगा इस कारण सूतक लगेगा। ये चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा।

7 सितंबर को दूसरा चंद्र ग्रहण (पूर्ण चंद्र ग्रहण)

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा, जिसमें चंद्रमा के साथ राहु और सप्तम भाव में सूर्य, केतु और बुध विराजमान होंगे। इस संयोजन का कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में जन्मे व्यक्तियों पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है। इन जातकों को सावधानी बरतने का आवश्यकता रहेगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

उपच्छाया प्रवेश रात्रि 08:57,
ग्रहण प्रारम्भ (स्पर्श) :- रात्रि 09:57,
पूर्णता प्रारम्भ : मध्यरात्रि 11:00,
ग्रहण मध्य: मध्यरात्रि 11:41,
पूर्णता समाप्त मध्यरात्रि 12:23,
ग्रहण समाप्त (मोक्ष):-मध्यरात्रि 01:27,
उपच्छाया अन्त: मध्यरात्रि 02:27,
ग्रहण की अवधि:- 03 घंटे 30 मिनट,
पूर्णता की अवधि:- 01 घंटे 23 मिनट

भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से भारत सहित एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी देखा जा सकेगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण भारत के सभी हिस्सों से दिखाई देगा। पूरे देश में ग्रहण की शुरुआत से लेकर अंत तक उपच्छाया सहित ग्रहण के सभी चरण दिखेंगे।

सूतक काल का समय

चंद्र ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले हमेशा सूतक काल लगाता है। ऐसे में 7 सितंबर 2025 को लगने वाला चंद्र ग्रहण रात 9:57 मिनट से शुरू होगा। इसलिए इससे 9 घंटे पहले से सूतक काल लग जाएगा। इसका सुतक दोपहर 12:57 पर प्रारम्भ हो जायेगा।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

चार ग्रहणों की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आर-ोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से भारत सहित एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी देखा जा सकेगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण भारत के सभी हिस्सों से दिखाई देगा। पूरे देश में ग्रहण की शुरुआत से लेकर अंत तक उपच्छाया सहित ग्रहण के सभी चरण दिखेंगे।

न करें ये काम

ग्रहण लगने पर मंदिरों में मूर्तियों को स्पर्श करने से बचें। कैंची, सुई-धागे और धारदार वस्तुओं का उपयोग न करें। यात्रा करने से बचें। ग्रहण को देखने की भूल न करें। महिलाएं ग्रहण के दौरान श्रृंगार न करें। गर्भवती स्त्रियों को ग्रहण के दौरान घर के अंदर रहना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने के बाद ही ताजा बना हुआ भोजन करें।

7 सितंबर से 21 सितंबर तक चलेगा पितृपक्ष

देवी-देवताओं के अलावा पितर भी हमारे जीवन के लिए, मंगलकार्यों के लिए बहुत जरूरी हैं। हमारे ये पूर्वज पितृ लोक में वास करते हैं और श्राद्ध पक्ष के 15 दिनों के लिए वे धरती पर आते हैं। इसीलिए उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण, अर्पण और दान देने की परंपरा है। ऐसा करने से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और उन्हें मोक्ष मिलता है। वह हमें आशीर्वाद देकर जाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से हो रहा है और 21 सितंबर तक चलेगा। लेकिन पूर्णिमा का श्राद्ध 7 सितंबर को होगा और उसी दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लगेगा। भारत में चंद्र ग्रहण दिखाई देगा इस कारण सूतक लगेगा। ये चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा। पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण आदि क्रम किए जाते हैं। पितृ पक्ष के दौरान पितर लोक से पितर धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इस दौरान उनके नाम से पूजा पाठ करना उनकी आत्मा को शांति देता है। साथ ही उन्हें मोक्ष मिलता है। पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। पितरों की पूजा और तर्पण आदि कार्यों के लिए श्राद्ध पक्ष बहुत ही उत्तम माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके श्राद्ध, तर्पण, और पिंडदान आदि करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि पितरों का श्राद्ध आदि करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पितृपक्ष पितरों को समर्पित है। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से होती है और अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर इसका समापन होता है। पितृपक्ष यानी श्राद्ध का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को श्रद्धा-पूर्वक याद करके उनका श्राद्ध कर्म किया जाता है। पितृपक्ष में पितरों को तर्पण देने और श्राद्ध कर्म करने से उनको मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दौरान न केवल पितरों की मुक्ति के लिए श्राद्ध किया जाता है, बल्कि उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करने के लिए भी किया जाता है। पितृपक्ष में श्रद्धा पूर्वक अपने पूर्वजों को जल देने का विधान है। पितरों की कृपा नहीं हो, तो जातक की कुंडली में पितृ दोष लगता है। ऐसे लोगों का जीवन दुखों और परेशानियों से भर जाता है। घर परिवार में सुख-शांति नहीं रहती है। आकस्मिक दुर्घटनाएं होती हैं। वैवाहिक जीवन में भी परेशानियां होने लगती हैं। लिहाजा, पितरों की शांति के लिए श्राद्धपक्ष के ये 15 दिन बहुत विशेष होते हैं।

दोपहर में करना चाहिए तर्पण-अर्पण

देवी-देवताओं की पूजा-पाठ सुबह और शाम को की जाती है। पितरों के लिए दोपहर का समय होता है. दोपहर में करीब 12:00 बजे श्राद्ध कर्म किया जा सकता है। सुबह नित्यकर्म और स्नान आदि के बाद पितरों का तर्पण करना चाहिए।

श्राद्ध की तिथियां

7 सितंबर - पूर्णिमा श्राद्ध
8 सितंबर - प्रतिपदा श्राद्ध
9 सितंबर - द्वितीया श्राद्ध
10 सितंबर - तृतीया श्राद्ध - चतुर्थी श्राद्ध
11 सितंबर - पंचमी श्राद्ध
12 सितंबर - षष्ठी श्राद्ध
13 सितंबर - सप्तमी श्राद्ध
14 सितंबर - अष्टमी श्राद्ध
15 सितंबर - नवमी श्राद्ध
16 सितंबर - दशमी श्राद्ध
17 सितंबर - एकादशी श्राद्ध
18 सितंबर - द्वादशी श्राद्ध
19 सितंबर - त्रयोदशी श्राद्ध
20 सितंबर - चतुर्दशी श्राद्ध
21 सितंबर - सर्व पितृ अमावस्या
22 सितंबर - मातामह नान श्राद्ध

चंद्र ग्रहण से 1 दिन पहले इन 4 राशियों के जीवन में लगने वाला है ग्रहण

साल का अंतिम चंद्र ग्रहण 7 सितंबर को लगेगा, लेकिन इससे एक दिन पहले 6 सितंबर को राहु और चंद्रमा शनि की राशि में युति जिससे ग्रहण योग बनेगा। ग्रहण योग सूर्य, चंद्रमा और राहु-केतु के एक साथ या एक-दूसरे के प्रभाव में आने से बनता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में मानसिक अस्थिरता, भावनात्मक उतार-चढ़ाव, करियर में रुकावटें और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ सकती है। चंद्र ग्रहण से पहले बन रहा खतरनाक ग्रहण योग धनु राशि वालों को आर्थिक मोर्चे पर चोट पहुंचाएगा। बेवजह किसी अपने से विवाद हो सकता है, वाणी पर कंट्रोल रखें। कानूनी मामले तक बात पहुंच सकती है।

मीन राशि वालों को ग्रहण योग के प्रभाव से धन संकट गहरा सकता है, इतना कि किसी के सामने हाथ फैलाने की नौबत आ सकती है, अभी से सेविंग्स करके चलें। कोई बड़ा खर्चा न करें। परिवार के साथ रिश्ते अच्छे रखें।

कन्या राशि को करियर में कोई भी फैसला लेने में जल्दबाजी नहीं करना चाहिए, ग्रहण योग से हानि हो सकती है। मानसिक तनाव हो सकता है।

चंद्रमा राहु की युति से मिथुन राशि के लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। इस राशि के लोगों का वाद-विवाद हो सकता है, इसलिए ऐसे मामलों से दूर रहें। वहीं पैसे से जुड़े मामलों में भी सावधानी बरतें।

सर्व पितृ अमावस्या पर सूर्य ग्रहण कैसे और कब कर पाएंगे श्राद्ध ?

इस साल पितृ पक्ष की समाप्ति सूर्य ग्रहण से हो रही है, 21 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या पर सभी पितरों को श्रद्धांजलि दी जाएगी लेकिन इस दिन ग्रहण का साया मंडरा रहा है। सूर्य ग्रहण भारतीय समय अनुसार रात 10.59 से देर रात 3.23 तक रहेगा, रात में लगने के कारण भारत में सूर्य ग्रहण नहीं दिखाई देगा, इसका सूतक भी मान्य नहीं होगा। इसका मतलब है कि सर्व पितृ अमावस्या पर भारत में श्राद्ध कर्म करने वालों पर ग्रहण का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सूतक न होने से पूरे दिन अमावस्या से जुड़े सभी धर्म-कर्म कर सकते हैं।

सर्व पितृ अमावस्या पर श्राद्ध, तर्पण और

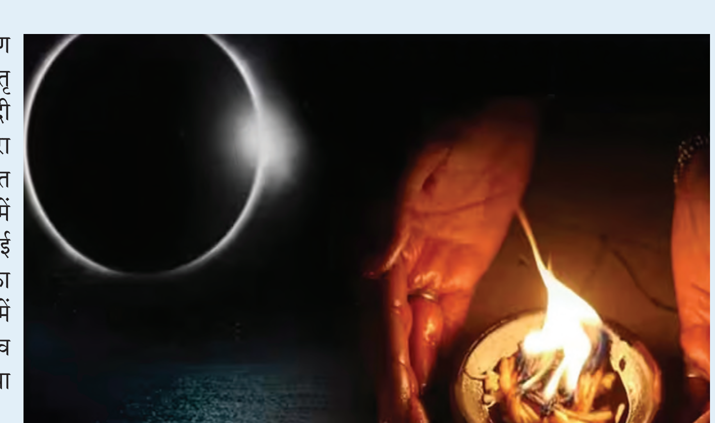

पिंडदान के लिए सुबह 11.50 से दोपहर 1.27 तक मुहूर्त है। इस दौरान आप पूर्वजों की बिना रुकावट पूजा कर सकते हैं। ब्राह्मण भोजन करा सकते हैं। दोपहर के समय के स्वामी पितर देव माने जाते है, इसलिए गाय के गोबर से बने कंडे (उपले) जलाएं और पितरों का ध्यान करते हुए अंगारों पर गुड़-घी अर्पित करें। हथेली में जल लेकर अंगूठे की ओर से पितरों को तर्पण दें। अमावस्या की शाम को पीपल की पूजा भी करें, इसके नीचे सरसों के तेल का दीपक लगाएं, और सरोवर में दीपदान करें, इससे पितरों को अपने लोक लौटन में आसानी होती है।

पितृ पक्ष में भूलकर भी न बनाएं ये दो सब्जी, भूखे लौट जाते हैं पितर

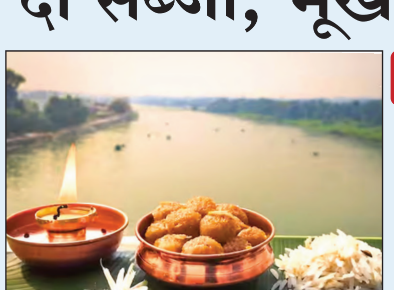

पितृ पक्ष 7 सितंबर से 21 सितंबर तक रहेंगे। इस दौरान पूर्वजों की मृत्यु तिथि पर श्राद्ध कर्म के अलावा ब्राह्मण भोजन कराया जाता है, मान्यता है इससे पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। वह तृप्त रहते हैं। पितरों के भोजन में कभी भी बंद पत्ता गोभी और कुम्हड़ा की सब्जी नहीं बनानी चाहिए। न ही इसे ब्राह्मण को खिलाएं क्योंकि पितर ये सब्जियां ग्रहण नहीं करते हैं और वह अतृप्त होकर लौट जाते हैं, ऐसे में परिवारजन को दोष लगता है।

पितृ पक्ष अश्विन माह में आते हैं। ऐसे में इस दौरान शकरकंद, मूली, गाजर, शलजम, चुकंदर, अरबी, सूरन इस तरह की सभी सब्जियों को खाने से परहेज करना चाहिए। पितृ पक्ष अश्विन माह में आते हैं। ऐसे में इस दौरान शकरकंद, मूली, गाजर, शलजम, चुकंदर, अरबी, सूरन इस तरह की सभी सब्जियों को खाने से परहेज करना चाहिए। चने की दाल, सत्तू, मसूर और उड़द की दाल भी पितृ पक्ष में खाने को मना किया जाता है। पितृ पक्ष में श्राद्ध के भोजन में भूल से भी प्याज और लहसुन का इस्तेमाल न करें। साथ ही स्वच्छता से भोजन बनाएं, स्नान करने के बाद, चप्पल न पहनें।

पितृ पक्ष में करें ये आसान वास्तु उपाय, हर काम में मिलेगी तरक्की और मानसिक शांति

पितृ पक्ष हिन्दू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है। यह समय अपने पूर्वजों को याद करने, उनके प्रति सम्मान दिखाने और उनके आशीर्वाद पाने का होता है। इस दौरान धर्मशास्त्रों के अनुसार कुछ वास्तु उपाय करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, मन की शांति बढ़ती है और जीवन के हर क्षेत्र में तरक्की मिलती है। अगर आप भी इस पवित्र समय का पूरा लाभ उठाना चाहते हैं, तो ये आसान वास्तु टिप्स अपनाएं।

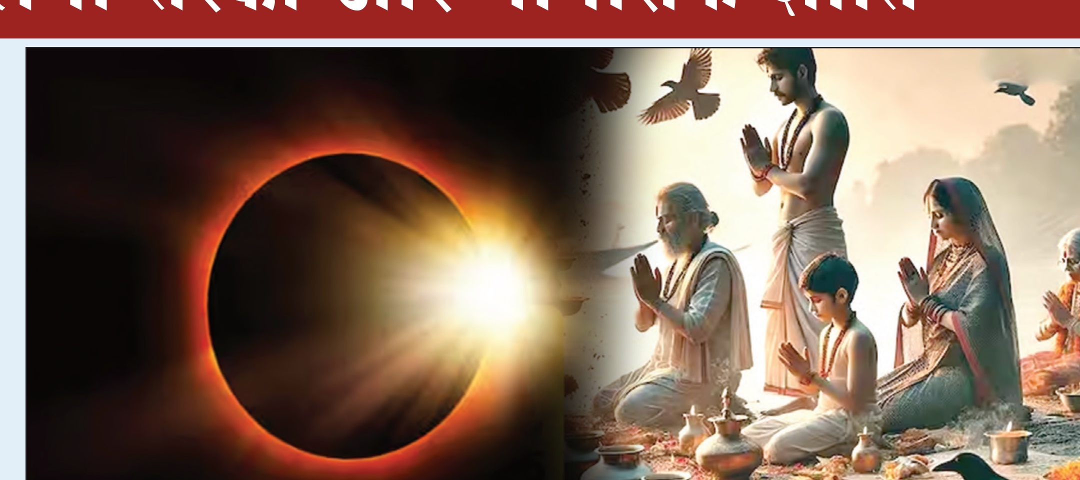

* **पूर्व या उत्तर दिशा में रखें पूजा का स्थान:** घर के पूजा स्थल को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में बनाएं। इन दिशाओं से सकारात्मक ऊर्जा आती है। इस दौरान पितृ पक्ष में दीपक जलाना और अपने पूर्वजों की तस्वीर या स्मृति स्थल पर फूल चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

* **घर की साफ-सफाई और अव्यवस्था दूर करें:** वास्तु के अनुसार घर की अव्यवस्था और गंदगी नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है। पितृ पक्ष में घर के हर कोने की सफाई करें। खासकर पूजा स्थल, पूर्व और उत्तर दिशा के कमरे और मुख्य दरवाजों को साफ रखें।

* **पानी का सही स्थान और उपयोग:** घर में पानी की सकारात्मक दिशा पूर्व या उत्तर में होनी चाहिए। इस दिशा में किसी फव्वारे या वाटरप्लांट का होना शुभ माना जाता है। पितृ पक्ष में पानी में हल्का सा नमक मिलाकर इसे पूर्वजों के नाम से घर के मुख्य दरवाजे पर या पूजा स्थल में छोड़ना भी शुभ है।

* **दान और पुण्य कार्य करें:** पितृ पक्ष में किसी गरीब या जरूरतमंद को अनाज, कपड़े या पैसे का दान देना अत्यंत शुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार इससे घर में सुख-शांति और तरक्की बढ़ती है।

* **अवांछित चीजें घर से बाहर करें:** पुराने, टूटी-फूटी और बेकार चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती हैं। इस समय उन्हें दान करें या सही तरीके से निकाल दें। घर को हल्का और व्यवस्थित रखने से मन की शांति और सकारात्मकता बढ़ती है।

पितृ पक्ष सिर्फ पूर्वजों को याद करने का समय नहीं, बल्कि अपने घर और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाने का भी अवसर है। इन सरल वास्तु उपायों को अपनाकर आप अपने घर और परिवार में सुख, शांति और तरक्की ला सकते हैं। याद रखें, छोटे-छोटे बदलाव भी बड़ा असर डालते हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

पापा, आपके मुंह से बदबू आती है, बेटी की बात सुनकर ऋषि कपूर ने छोड़ दी थी स्मोकिंग

बॉलीवुड में बहुत से सितारे आए और गए, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो सिनेमा से कहीं आगे हमारे दिलों में बस जाते हैं। ऋषि कपूर उन्हीं सितारों में से एक थे। एक जमाना था, जब हर युवा उनके जैसा दिखना चाहता था और लड़कियां उनकी मुस्कान पर फिदा थीं। फिल्मों के परदे से बाहर ऋषि कपूर की जिंदगी भी आम इंसानों जैसी ही थी, जिसमें प्यार, रिश्तों की गर्माहट और कुछ बुरी आदतें शामिल थीं।उन्हीं आदतों में एक थी सिगरेट पीना। वो चेन स्मोकर थे, पर एक दिन, एक मासूम सी बात ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी। यह बात ऋषि कपूर के दिल को गहराई से लगी और उन्होंने उसी दिन सिगरेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया।

ऋषि कपूर का जन्म 4 सितंबर 1952 को मुंबई के मशहूर कपूर खानदान में हुआ था। उनके पिता राज कपूर हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक थे। फिल्मों का माहौल उन्हें बचपन से ही मिला। उन्होंने पहली बार पर्दे पर 1970 की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' में बाल कलाकार के रूप में काम किया और इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता। लेकिन, असली स्टारडम उन्हें 1973 में मिली, जब 'बॉबी' फिल्म आई। 21 साल के ऋषि ने एक कॉलेज बॉय का किरदार निभाया और पूरे देश में रोमांस के नए पोस्टर बॉय बन गए।

इसके बाद उन्होंने 'कर्ज', 'सरगम', 'प्रेम रोग', 'चांदनी', 'नगीना', 'नसीब', 'कुली', 'सागर' और 'अमर अकबर एंथोनी' जैसी कई हिट फिल्में दीं। 70 और 80 के दशक में वह सबसे व्यस्त और सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सितारों में शामिल थे। रोमांटिक हीरो की छवि से बाहर आकर भी उन्होंने कई किरदारों को निभाया। कभी वह खलनायक बने तो कभी कॉमेडियन। 'अग्निपथ', 'कपूर एंड सन्स', '102 नॉट आउट' जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र के साथ खुद को फिर से साबित किया। सिगरेट छोड़ने वाला किस्सा भी उनकी इसी शख्सियत को दिखाता है। वह सिर्फ बड़े पर्दे पर हीरो नहीं थे, अपने परिवार के लिए भी एक जिम्मेदार इंसान थे। उन्होंने इस बात को अपनी आत्मकथा 'खुल्लम खुल्ला' में भी बयां किया है, जिसे मीना अय्यर ने लिखा और हार्पर कॉलिन्स ने प्रकाशित किया। इसमें ऋषि कपूर ने अपने करियर से लेकर निजी जिंदगी तक के कई अनकहे पहलुओं पर खुलकर बात की। किताब के जरिए ऋषि कपूर ने बताया, मैं बहुत ज्यादा स्मोकिंग करता था, लेकिन मैंने तब सिगरेट छोड़ दी, जब उसने (बेटी ने) कहा, 'मुझसे आपको सुबह-सुबह किस नहीं होगा, क्योंकि आपके मुंह से बदबू आती है।' उस दिन के बाद से मैंने सिगरेट को हाथ नहीं लगाया।'' बता दें कि रिद्धिमा ऋषि की पहली संतान हैं। 1980 में उनका जन्म हुआ था। 'खुल्लम खुल्ला' में ऋषि ने बताया कि जब रिद्धिमा का जन्म हुआ तो वह और नीतू खुशी के चलते सातवें आसमान पर थे। बाद में रणबीर का जन्म हुआ और उनकी फैमिली पूरी हो गई।

पिता के तौर पर ऋषि कपूर अपने बेटे रणबीर कपूर से थोड़े सख्त थे। उन्होंने खुद माना कि वह दोस्त जैसे पिता नहीं बन पाए। इस बात को भी उन्होंने दिल से स्वीकार किया और कहा कि रणबीर अपने बच्चों के साथ जरूर अलग तरीके से पेश आएगा।

दमदार एक्टिंग के लिए ऋषि कपूर को कई अवॉर्ड मिले। उन्हें 'बॉबी' के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला, 'दो दूनी चार' के लिए क्रिटिक्स अवॉर्ड और 'कपूर एंड सन्स' के लिए बेस्ट को-स्टार का अवॉर्ड मिला। उन्होंने अपने करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और हर भूमिका को बखूबी निभाया। 2018 में उन्हें कैंसर का पता चला और इलाज के लिए वह न्यूयॉर्क चले गए। लगभग एक साल इलाज के बाद जब वे भारत लौटे तो एक बार फिर फिल्मों में काम करने लगे। लेकिन, बीमारी ने उन्हें ज्यादा समय नहीं दिया। 30 अप्रैल 2020 को ऋषि कपूर ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

सलाकार की सफलता से लेकर नॉन-स्टॉप शूटिंग तक : मौनी रॉय के पास प्रोजेक्ट्स की भरमार

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कभी भी ठहराव नहीं आता, और मौनी रॉय के लिए, जो इन दिनों सफलता की लहर पर सवार हैं, यह रफ्तार अब एक व्यस्त शूटिंग शेड्यूल में तब्दील हो चुकी है। हाल ही में रिलीज़ हुई सीरीज़ 'सलाकार' में मरियम के अपने आकर्षक किरदार के लिए मिली आलोचनात्मक प्रशंसा के बाद, इस बहुमुखी अभिनेत्री ने खुद को एक व्यस्त शेड्यूल में पाया है, जहाँ वह एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट में सहजता से आगे बढ़ रही हैं।

मरियम के रूप में उनकी भावपूर्ण अभिनय ने न केवल एक कलाकार के रूप में उनकी अभिनय क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री की सबसे विश्वसनीय और बहुप्रतिभाशाली कलाकारों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को भी मजबूत किया, इसके चलते उन्हें कई नामी निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है।

फिलहाल मौनी रॉय मशहूर फिल्मकार मधुर भंडारकर की अगली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर सेट से एक बिहाइंड-द-सीन्स पल साझा किया, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा चलो चलो – जो उनके शेड्यूल की रफ्तार और ऊर्जा को बखूबी दर्शाता है।

मधुर भंडारकर, जो समकालीन भारतीय समाज की यथार्थवादी कहानियों के लिए जाने जाते हैं, एक बार फिर ऐसे कलाकारों के साथ काम कर रहे हैं जो उनके किरदारों में गहराई और प्रामाणिकता ला सकें, और इस प्रोजेक्ट में मौनी का शामिल होना इंडस्ट्री में उनके बढ़ते कद और विश्वास को दर्शाता है। यह बैक-टू-बैक शूटिंग शेड्यूल इस बात का उदाहरण है कि मनोरंजन जगत में सफलता किस तरह प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए नए अवसरों का सिलसिला बन जाती है।

मौनी रॉय के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं और निर्देशक उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं – यह उनके करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है। मौनी अगली बार टॉलीवुड मेगास्टार चिरंजीवी के साथ उनकी अगली फिल्म 'विश्वंभर' में एक विशेष भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके बाद फिल्म 'सिला' में एक और स्पेशल डांस नंबर में दिखाई देंगी।

जहां वह फिलहाल 'द वाइव्स' की शूटिंग कर रही हैं, वहीं मौनी ने मई 2025 में वरुण धवन अभिनीत फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग पूरी कर ली है। चार बड़े प्रोजेक्ट्स की रिलीज़ के साथ, मौनी रॉय ने यह साबित कर दिया है कि वह एक भरोसेमंद और प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जो किसी भी प्रोजेक्ट में अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से जान डाल सकती हैं।

डू यू वाना पार्टनर में अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर श्वेता तिवारी बोलीं, मैं कांप रही थी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है।

'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा।इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं।

तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी।श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है।शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार सीरीज के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' का प्रीमियर 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

लहंगे में इतराईं अमायरा दस्तूर, राधा गोरी गोरी भजन के साथ दिखा पारंपरिक अंदाज

अमायरा दस्तूर उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो न सिर्फ अपनी खूबसूरती और अदाकारी से लोगों को प्रभावित करती हैं, बल्कि अपने पहनावे और स्टाइल से भी फैशन की दुनिया में एक खास पहचान रखती हैं। उनकी हर पोस्ट, हर लुक और हर वीडियो में आत्मविश्वास साफ झलकता है, जो उन्हें बाकी अभिनेत्रियों से अलग बनाता है।

बुधवार को अमायरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जो न सिर्फ उनके लुक को बल्कि उनके अंदाज को भी खूबसूरती से दर्शाता है।

वीडियो में अमायरा ने एक बेहद खूबसूरत ग्रीनिश-ग्रे कलर का लहंगा पहना है, जो बारीक कढ़ाई और चमकीले वर्क से सजा हुआ है। उनका ब्लाउज डीप नेकलाइन वाला है और उस पर की गई जरी की कढ़ाई देखने लायक है। इस लुक के साथ उन्होंने एक हल्की लेकिन एलीगेंट चोकर ज्वेलरी पहनी है और लंबे झुमकों से इसे पूरा किया है। उनका मेकअप काफी नेचुरल है। बाल खुले और स्ट्रेट हैं, जो इस पूरे ट्रेडिशनल अवतार के साथ बिल्कुल फिट बैठते हैं।

वीडियो में अमायरा कभी बैठकर कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए पोज देती हैं, तो कभी खुशी में घूमती हैं। उनका आत्मविश्वास और खुशी इस वीडियो में साफ नजर आता है। खास बात यह है कि इस वीडियो में अमायरा ने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर 'राधा गोरी गोरी' भजन का इस्तेमाल किया है।

अमायरा दस्तूर ने महज 16 साल की उम्र में ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग में किस्मत आजमाई और फिर एक्टिंग की दुनिया में एंट्री की। साल 2013 में उन्होंने फिल्म 'इश्क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ प्रतीक बब्बर नजर आए थे। हालांकि, फिल्म को खास सफलता नहीं मिली, लेकिन अमायरा ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार मेहनत की और धीरे-धीरे फिल्मों की दुनिया में अपनी जगह बनानी शुरू की। 2017 में उन्हें जैकी चेन के साथ 'कुंग फू योगा' में काम करने का मौका मिला, जो उनके करियर के लिए बड़ा अवसर साबित हुआ।इसके बाद अमायरा ने न सिर्फ हिंदी बल्कि तमिल, तेलुगु और पंजाबी फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने इमरान हाशमी के साथ फिल्म 'मिस्टर एक्स' में भी अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी नजर आ चुकी हैं। वे 'तांडव' और 'मुंबई मेरी जान' जैसे शोज का हिस्सा रह चुकी हैं।

8 साल की रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट की जर्नी में धैर्य ही मेरा सबसे बड़ा शिक्षक रहा : साची बिंद्रा

व्योम और साची बिंद्रा की मुख्य भूमिकाओं से सजी क्यूरियस आईज़ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म मन्नू क्या करेगा?, अपने गीत-संगीत से दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है। फिल्म के ट्रेलर और संगीत को दर्शकों का अपार प्यार मिला है और इसके साथ ही जो बात सबसे अधिक प्रभावित करती है, वह है व्योम और साची बिंद्रा की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री। उनकी नई और ताज़गी भरी जोड़ी ने युवाओं के दिलों को छू लिया है।

अपने किरदार की तैयारी पर बात करते हुए, डेब्यू कर रही अभिनेत्री साची बिंद्रा ने इस पर कहा, चुनौतियाँ तो शुरुआत से ही थीं लेकिन इस मुकाम तक पहुँचने में बहुत कुछ लगा है। अराम नगर की लाइनों में खड़े होने से लेकर शॉर्टलिस्ट होने तक लगभग 8-9 साल हो गए मुझे ऑडिशन देते हुए। रिजेक्ट होने से लेकर रिप्लेस किए जाने तक, मैंने सब कुछ देखा है। इस पूरी जर्नी ने मुझे सबसे बड़ी चीज़ सिखाई वो है धैर्य। इसमें दो राय नहीं कि साची बिंद्रा के लिए मन्नू क्या करेगा? में डेब्यू करना धैर्य और विश्वास से बनाई गई वर्षों की मेहनत का नतीजा है।

फिल्म में विनय पाठक, कुमुद मिश्रा, राजेश कुमार और चारु शंकर भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। यह फिल्म 2025 में भारत के रोमांटिक म्यूज़िकल जॉनर को नया आयाम देने की ओर बढ़ रही है। नई स्टारकास्ट के साथ सच्ची भावनाओं और संगीत की धड़कनों से सजी मन्नू क्या करेगा? इस साल की सबसे आत्मीय सिनेमाई यात्रा साबित होने का वादा करती है। तो इस जादू को बड़े पर्दे पर महसूस कीजिए और देखना न भूलिए 12 सितंबर 2025 को देशभर में रिलीज़ हो रही फिल्म मन्नू क्या करेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आज जीवन के कई अहम मुद्दों पर आप घरवालों के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आज आपका धन कई चीजों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता है इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मन में आज अपने किसी खास को लेकर निराशा रेहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। वाहन चलाते हैं तो आज थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आज के दिन का अच्छा प्रयोग आप उज्वल भविष्य की योजना बनाने के लिए कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौक़ों का भरपूर फ़ायदा उठाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। आपके जीवनसाथी की सुस्ती आपके कई कामों पर पानी फेर सकती है। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 सितंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 04:10 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 11:44 तक
योग : सौभाग्य सायं 03:22 तक
करण : बव सायं 04:22 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , वामन जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार की योजनाओं के केन्द्र में किसानों का सशक्तीकरण: भजनलाल

जयपुर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। हमारी योजनाएं और नीतियां किसानों का सर्वांगीण विकास करने के साथ–साथ विकसित राजस्थान–2047 की यात्रा में उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी बजटीय घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करें जिससे किसानों और पशुपालकों को धरातल पर उनका लाभ मिल सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कृषि, कृषि विपणन, उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी तथा गोपालन विभाग की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि को रोजगारोन्मुखी व्यवसाय बनाने के दृष्टिगत दूरगामी निर्णय ले रही है। श्री शर्मा ने कृषि में उन्नत तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के साथ ही किसानों के लिए सुविधाओं एवं सेवाओं में द्रुतगति से विस्तार के लिए विशेष निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु एवं सीमांत किसानों को उचित दर पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में 1 हजार कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इन सेंटर्स के संचालन के लिए एफपीओ को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, जीएसएस, केवीएसएस और पंचायत द्वारा भी संचालन की जिम्मेदारी पर भी विचार किया जाए। उन्होंने कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना से पूर्व अन्य राज्यों के मॉडल का परीक्षण करने और श्रेष्ठ मॉडल को लागू करने के लिए निर्देशित भी किया। साथ ही, इन सेंटर्स के व्यापक प्रचार–प्रसार के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें। शर्मा ने कहा कि किसानों के खेत से ही फसल की सीधी खरीद और उसे तत्परता से विक्रय करने के लिए ई–मण्डी प्लेटफॉर्म का नवाचार किया जा रहा है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और उनका आर्थिक रूप से सशक्तीकरण होगा। उन्होंने अधिकारियों को पंचायत स्तर पर ई–मण्डी प्लेटफॉर्म में फसल के भण्डारण के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कृषि उपज मण्डी समितियों के प्रभावी संचालन और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के क्रम में आवश्यक कदम उठाने के लिए भी निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट (ग्राम)–2026 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में कृषि शासन सचिव को प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार मिलेट्स को प्रोत्साहन देने के लिए 'श्री अन्न प्रमोशन एजेन्सी' की स्थापना कर रही है। उन्होंने ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देने और बैलों से खेती करवाए जाने पर प्रोत्साहन राशि दिए जाने के संबंध में भी चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। शर्मा ने अधिकारियों को दूध संकलन के दौरान गुण–वत्ता का पूर्ण ध्यान रखने एवं मिलावटी दूध बनाने में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आरसीडीएफ को उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, पशु चिकित्सा के लिए संचालित मोबाइल वेटेनरी वैन की निरंतर मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए। श्री शर्मा ने पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए दवाओं की नियत दरों पर ही उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने राजकीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि भूमि की अनुपलब्धता पर नए प्रोजेक्ट्स के लिए सरकारी अनुपयोगी इमारतों का उपयोग किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला कलक्टर की एनओसी के बाद ही भूमि का आवंटन किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने राजस्थान किसान आयोग के वर्ष 2025 के अंतरिम प्रतिवेदन का विमोचन किया। इस दौरान कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, , मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अंता विधानसभा उप चुनाव की तैयारियां शुरू

मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

जयपुर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी बारां की अध्यक्षता में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आगामी उप चुनाव के दृष्टिगत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 193–अंता में अर्हता 1 जुलाई 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी, बारां द्वारा अर्हता दिनांक 01.07.2025 के संदर्भ में विषेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की गई जिसके तहत दिनांक 03.09.2025 को मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन किया गया। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मीडिया की उपस्थिति में मतदाता सूची की प्रति की हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी सीडी एवं पेनड्राइव में उपलब्ध करवाई जाकर प्राप्ति रसीद प्राप्त की गई। महाजन ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को भी संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियों के तहत प्रारूप प्रकाशन के पश्चात 3 सितंबर से 17 सितंबर तक दावे आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि से अवगत कराया गया। सभी प्राप्त दावें आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक किया जाना है। इसके बाद 01 अक्टूबर, 2025 को मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। जिला स्तर से दिनांक 07 तथा 14 सितम्बर, 2025 (रविवार) को विशेष अभियान तिथि निर्धारित की गई है जिसके अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र 193–अंता के सभी मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल अधिकारी उपस्थित रहेगें तथा दावे आपत्तियां प्राप्त करेगें। इस संदर्भ में मीडिया में व्यापक प्रचार–प्रसार करने एवं नियमित रूप से समाचार पत्रों में प्रेस नोट प्रकाशित करने हेतु आग्रह किया गया। मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के अन्तर्गत अंता विधानसभा क्षेत्र में 1,15,982 पुरूष, 1,10,241 महिला एवं 04 अन्य मतदाता पंजीकृत है। इस प्रकार प्रारूप प्रकाशन के समय विधानसभा क्षेत्र अन्ता में 2,26,227 मतदाता पंजीकृत है। मतदाता सूचियों के मतदाताओं के संबंध में तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा–निर्देशों की मीडिया व राजनैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया एवं आमजन से भी अपील की गयी कि जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाईट पर उपलब्ध प्रारूप सूची में अपना नाम जांच लेवे एवं संतुष्ट न होने की स्थिति में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अंता को दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करें।

सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान : 2.51 लाख युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

जयपुर , 03 सितंबर (एजेंसियां)। सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान के सहयोग से चलाए जा रहे सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान के अंतर्गत अब तक विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों तथा कॉलेजों के लगभग 2 लाख 51 हजार से अधिक युवाओं को सड़क सुरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। बुधवार को महारानी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से 'सबसे बड़ा युवा नेतृत्वित सड़क सुरक्षा अभियान एवं सुरक्षित सड़क कॉरिडोर विकास' शीर्षक से स्थापित रिकॉर्ड की घोषणा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान जीवन का हिस्सा बनना चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उन्होंने कहा कि हेलमेट लगाना, सीट बेल्ट पहनना, लाल बत्ती पर रुकना और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करना जैसे सड़क सुरक्षा नियमों को अपनाना आवश्यक है। तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन आएगा। उन्होंने मुख्य अभियंता (गुण–वत्ता नियंत्रण) जसवंत खत्री, विभाग की टीम एवं अन्य सहयोगियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। 1500 करोड़ की लागत से सड़कों की मरम्मत होगी– उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश समाप्त होते ही लगभग 1500 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के स्थायी पुनर्निर्माण के कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई सड़कें बनाने के साथ–साथ मौजूदा सड़कों को दुरुस्त रखना सरकार की प्राथमिकता है और इन कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाएगा। सड़क निर्माण में भी जागरूक रहें नागरिक– उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को सक्रिय नागरिक की तरह ध्यान रखना चाहिए कि उनके क्षेत्र में बनने वाली सड़कें निर्धारित मानकों के अनुरूप हों और उनमें प्रयुक्त सामग्री सही गुणवत्ता की हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीडब्ल्यूडी सेवा ऐप को आमजन की शिकायतों के लिए शीघ्र सार्वजनिक किया जाए। साथ ही अधिकारियों को सप्ताह में अनिवार्य रूप से दो दिन फील्ड में रहकर सड़कों की जांच करने के निर्देश भी दिए। मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) जसवंत खत्री के निर्देशन में 9 अगस्त से 15 सितंबर तक चलाए जा रहे इस अभियान के तहत प्रदेश के राजकीय व निजी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियम, सावधानियां और निर्धारित मानकों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस अभियान की कमान विभाग की 60 महिला अभियंताओं ने संभाल रखी है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता लाना, हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देना और सुरक्षित सड़क निर्माण के मानकों की जानकारी देना है।

बिजली का करंट लगने से 3 लोगों की मौत अनिल विज ने दिया मुआवजे का आदेश

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने हिसार में 11 केवी की बिजली लाइन के संपर्क में आने से तीन लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस मामले में एक कनिष्ठ अभियंता को निलंबित करने के साथ ही जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों को उचित मुआवजा देने के आदेश भी जारी किए हैं।

अनिल विज ने बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हिसार के सेक्टर–1/4, डीएचबीवीएन के 33 केवी सब–स्टेशन के पास हुई, जहाँ 11 केवी एमजी क्लब फीडर का तार टूट गया था। इस हादसे में तीन निजी व्यक्तियों की मौत हो गई, जिनकी पहचान बंटी (26), राजकुमार (31) और अमित (15) के रूप में हुई है। मंत्री ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए निदेशक संचालन और निदेशक परियोजना की एक समिति गठित की गई है। जांच पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। विज ने कहा कि हिसार में कुछ सब–स्टेशन पानी में डूब गए हैं, जिससे बिजली आपूर्ति में बाधा आ सकती है। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे सभी सब–स्टेशनों का अध्ययन करने और अगली बारिश से पहले उनका फ्लोर लेवल ऊंचा करने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा सहित उत्तर भारत में बाढ़ राहत कार्यों में गहनता से तेज़ी लाई जाए : सैलजा

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय मौसम विभाग और राज्य स्तर की रिपोर्टों के अनुसार इस वर्ष हरियाणा में भारी वर्षा और नदियों के उफान के कारण गंभीर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। यह वक्त राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि राहत और बचाव कार्यों को मिशन मोड पर चलाने का है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी हर संभव सहायता के लिए हमेशा प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा के 12 जिलों में लगभग 1,385 गांव बाढ़ की चपेट में आए हैं । इन प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 1,60,695 हेक्टेयर फसलभूमि जलमग्न हो चुकी है, जिससे व्यापक रूप से खेती प्रभावित हुई है । इस त्रासदी की वजह से अब तक कम से कम 26 लोगों की मृत्यु हुई है, और कई लोग जल–जनित बीमारियों जैसे त्वचा रोग, सांप के काटने और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हुए हैं।

विशेष रूप से रोहतक जिले के महम क्षेत्र में दर्जनों गांवों में सैकड़ों एकड़ फसल डूब गई है– कुछ ग्रामीणों ने 1,000 एकड़ तक ज़मीन बाढ़ में डूब जाने की बात कही है। जींद जिला में जुलाई–अगस्त के दौरान वर्षा में पिछले तीन वर्षों में 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई (2025 में 1,857 मिमी बनाम 2023 में 1,347 मिमी), जिससे गांवों में जलभराव और फसल नुकसान की परिस्थितियां गहराई हैं जैसे जुलाना में लगभग 12 गांव जलमग्न और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक नुकसान।

कुमारी सैलजा ने कहा कि यह वक्त राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि राहत और बचाव कार्यों को मिशन मोड पर चलाने का है।

हरियाणा में बिलों के लिए अब सिर्फ ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में तैनात खजाना एवं लेखा विभाग और स्थानीय लेखा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। अब बिल प्रक्रिया और अनुमोदन से संबंधित सभी कार्य केवल हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल (क्एथझ) के माध्यम से ही किए जाएंगे, और किसी भी तरह की भौतिक फाइल प्रक्रिया को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। यह निर्देश मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जारी किया है, जिनके पास वित्त विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी है। पत्र में बताया गया है कि फाइलों का भौतिक रूप से आदान–प्रदान न केवल कार्यों में देरी का कारण बनता है, बल्कि यह आधुनिक तकनीक का उपयोग करके सुशासन स्थापित करने के लक्ष्य को भी बाधित करता है।

सरकार ने इस फैसले के पीछे पारदर्शिता और कार्यकुशलता को बढ़ावा देने का उद्देश्य बताया है। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है और किसी भी तरह की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। इस कदम से सरकारी कामकाज में गति आने और डिजिटल प्रक्रिया को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

भिवानी और महेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेजों में इसी सत्र से होंगे एडमिशन

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा को मेडिकल के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य में दो नए मेडिकल कॉलेजों – भिवानी और कोरियावास (महेंद्रगढ़) में इसी शैक्षणिक सत्र से चइइड की 100–100 सीटों पर एडमिशन की अनुमति मिल गई है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस उपलब्धि के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने 19 अगस्त, 2025 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इन दोनों नए मेडिकल कॉलेजों – पंडित नेकीराम शर्मा गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज भिवानी और महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास (महेंद्रगढ़) में इसी सत्र से एडमिशन की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उनके पत्र के मात्र 13 दिन के भीतर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से मंजूरी मिल गई है। आरती सिंह राव ने कहा कि इस फैसले से हरियाणा के उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सपना पूरा होगा, जो नीट परीक्षा में मेरिट में आए थे और अपने ही प्रदेश में चइइड की पढ़ाई करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि इन कॉलेजों के शुरू होने से न केवल विद्यार्थियों को फायदा होगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि राज्य के लोगों को सस्ती और सुलभ चिकित्सा सुविधा मिल सके।

सीआईएसएफ ने बनाई पहली महिला कमांडो यूनिट, हवाई अड्डों पर होगी तैनात

चंडीगढ़, 03 सितंबर (एजेंसियां)। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने पहली बार अपनी महिला कमांडो टीम का गठन किया है। इन महिला कमांडो को अब मुख्य ऑपरे–शनल ड्यूटी के लिए तैयार किया जा रहा है। सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि मध्य प्रदेश के बरवाहा स्थित क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) में महिला कमांडो का प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। यह 8 सप्ताह का कमांडो कोर्स महिला कर्मियों को उच्च सुरक्षा वाले प्रतिष्ठानों और हवाई अड्डों पर त्वरित प्रतिक्रिया दल और विशेष कार्य बल में शामिल होने के लिए प्रशिक्षित करेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला कमांडो को शारीरिक फिटनेस, हथियारों का प्रशिक्षण, तनावपूर्ण परिस्थितियों में लाइव–फायर अभ्यास, बाधा दौड़, रैपलिंग, और जंगलों में जीवन रक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा, विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने और टीम वर्क की क्षमताओं का भी परीक्षण किया जाएगा। 30 महिलाओं का पहला बैच, जो वर्तमान में विभिन्न हवाई अड्डों पर तैनात हैं, 11 अगस्त से 4 अक्टूबर, 2025 तक प्रशिक्षण लेगा। इसके बाद, 6 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक दूसरा बैच प्रशिक्षण लेगा।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

प्रधानमंत्री और उनकी मां पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में बिहार बंद आज

पटना (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ कथित अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरोध में एनडीए के घटक दलों की महिला शाखा ने कल यानी चार सितंबर को पांच घंटे के लिए बिहार बंद का आह्वान किया है। यह बंद बृहस्पतिवार सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक प्रभावी रहेगा। दरअसल दरभंगा में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में खुले मंच से पीएम मोदी को गाली दी गई थी।

इस संबंध में मंगलवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित, एनडीए के घटक दलों के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि हम के सभी नेता 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में राजद और कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ अभद्र शब्दों के इस्तेमाल की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ मोदी की मां का नहीं बल्कि देश की हर मां का अपमान है।'

उन्होंने बताया कि महिला शाखा द्वारा आहूत बंद में आम जनता को कम से कम असुविधा हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपातकालीन सेवाओं को बंद से पूरी तरह मुक्त रखा जाएगा। डॉ. जायसवाल ने इस घटना को बिहार का भी अपमान बताया और कहा कि माताओं को देव-तुल्य माना जाता है, उनका अपमान असहनीय है। उन्होंने लोगों से बंद में शामिल होने और कांग्रेस-राजद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने भी इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि 'महागठबंधन की यात्रा के दौरान की गई अभद्र टिप्पणियां न सिर्फ लोकतांत्रिक परंपराओं का, बल्कि मां के पूजनीय पद का भी अपमान है।

बिहार की धरती माताओं-बहनों का अपमान करने वालों को नहीं बख्शेगी।' वहीं, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि राजद-कांग्रेस के मंच से इस्तेमाल की गई भाषा लोगों को जंगलराज की याद दिलाती है। एनडीए नेताओं ने कहा कि महिला मोर्चा चार सितंबर को सड़कों पर उतरेगा और अभद्र भाषा के खिलाफ सशक्त विरोध दर्ज कराएगा।

गृह मंत्री अमित शाह बिहार भाजपा के नेताओं के साथ करेंगे चुनाव पर मंथन

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ी बैठक बुलाई है। यह बैठक आज दिल्ली में होगी। इसके लिए बिहार भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता दिल्ली तलब किए गए हैं। दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल समेत सभी वरिष्ठ नेता दिल्ली पहुंच चुके हैं। भाजपा सूत्रों की मानें तो बिहार चुनाव को लेकर अमित शाह ने यह बैठक बुलाई है। इसमें 243 सीटों पर बात की जाएगी। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सारे आंकड़ें और रिपोर्ट लेकर दिल्ली पहुंचे हैं। गृह मंत्री इस रिपोर्ट को देखेंगे।

राजनीतिक पंडितों को मानें तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में किस दल को कितनी सीटें मिलेंगी? इसका फैसला अब तक नहीं लिया गया है। ऐसे में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई गई यह

बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भाजपा प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल के अनुसार, बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

सूत्रों की मानें तो एनडीए के अंदर इस बार सीटों का बंटवारा इस तरह से हो रहा है कि जनता दल यूनाईटेड एक तरफ है और दूसरी तरफ भाजपा व बाकी दल। एनडीए में बिहार विधानसभा की 243 में से 100 सीटें जदयू को मिल रही हैं। जदयू इसे बढ़ाने की कोशिश में है, लेकिन भाजपा उसे इतने पर राजी कराने की कोशिश में है। भाजपा के कोटे में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा है। भाजपा को 143 सीटों में से अपने पास 100+ रखकर बाकी को बांटना है। वहीं चिराग पासवान 40 तक सीटें चाह रहे हैं, लेकिन उन्हें 20 से अधिक सीटें नहीं देने की राय बनी हुई है। वहीं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख व सांसद उपेंद्र कुशवाहा 10 सीटों की मांग कर रहे हैं। भाजपा उनके लिए एक रास्ता तलाश रही है ताकि विधानसभा के सीट बंटवारे में उन्हें संतुष्ट किया जा सके।

मनरेगा ऑफिस में शराब पार्टी, 4 लोगों को पुलिस ने किया अरेस्ट

दरभंगा (एजेंसियां)। कुशेश्वरस्थान प्रखंड के मनरेगा प्रोग्राम पदाधिकारी संजीव कुमार के लिए आयोजित विदाई समारोह के दौरान मनरेगा कार्यालय मे शराब पार्टी करते हुए पुलिस ने एक मनरेगाकर्मी सबेरा कुमार सहित चार लोगो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अंकित चौधरी ने बताया कि चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है कि मौके से फरार हुए लोग कौन कौन हैं।

बताया जाता है कि मंगलवार की शाम को मनरेगा पीओ संजीव कुमार स्थानांतरण के उपलक्ष्य में विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। विदाई समारोह के दौरान ही मनरेगा कार्यालय के एक कमरे मे शारब पार्टी का आयोजन चल रहा था। इस दौरान किसी ने कुशेश्वरस्थान थाने की पुलिस को सूचना दे दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे से कासिमपुर के विजय कुमार यादव, अदलपुर के राहुल कुमार पासवान, परमानंदपुर के राम नरेश यादव तथा मनरेगाकर्मी बेनीपुर के सबेरा कुमार को गिरफ्तार किया है। जबकि मौके से कुछ लोग फरार भी हुए हैं। पुलिस के अनुसार मौके से शराब पार्टी और मटन के मिलने की बात कही गई है।

इस संबंध में कुशेश्वरस्थान थानाध्यक्ष अंकित चौधरी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मनरेगा कार्यालय भवन से शराब पार्टी करते चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि कुछ लोग मौके से फरार भी हुए हैं। भागने वालों की पहचान की जा रही है। गिरफ्तार लोगों में एक मनरेगाकर्मी बताया जा रहा है, बाकि की पहचान की जा रही है।

मां के नाम पर बिहार की सियासत में उखाड़े जा रहे गड़े मुर्दे : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)। बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर की गई अमर्यादित टिप्पणी पर काफी बवाल मचा हुआ है। इस घटना के विरोध में एनडीए ने आधे दिन के बिहार बंद का आह्वान भी किया है। अब इस मुद्दे पर बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का बयान सामने आया है। उन्होंने इस टिप्पणी को अमर्यादित बताया, लेकिन साथ ही भाजपा पर भी ऐसे ही शब्दों के इस्तेमाल का आरोप लगाया है।

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। तेजस्वी ने कहा कि मां शब्द कहते ही आदर का भाव आता है। सुकून मिलता है। बेजुबानों की भी मां होती है। किसी को किसी की भी मां को लेकर अभ्रद्र नहीं बोलना चाहिए। लेकिन, हम

प्रधानमंत्री जी से ये पूछना चाहते हैं कि वो सोनिया गांधी से लेकर, पचास करोड़ की गर्ल फ्रेंड वाली बात जो बोले थे, उस पर उनका क्या कहना है?

इन्होंने नीतीश कुमार के डीएनए पर सवाल उठाया था, वो क्या था? हमारी प्रवक्ता सारिका पासवान को जिसने गाली दी, निर्वस्त्र कर सड़क पर घूमाने की जिसने बात की, आज वो उनकी पार्टी में है।

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बेंगलुरू के नेता रमन्ना के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री क्यों गए थे? वो रमन्ना जिसने हजारों महिलाओं का शोषण कर रखा था। इस पर मोदी जी क्या कहेंगे? देखिए, इन लो-गों के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए मुद्दा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, कल एनडीए की ओर से बिहार बंद के आह्वान पर तेजस्वी ने कहा कि वोट अधिकार यात्रा में जो अपार सफलता हम लोगों को मिली है, उसको लेकर ये लोग घबरा गए हैं, इसलिए ऐसा कर रहे हैं।

दरअसल, दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान एक मंच से एक लड़के ने पीएम मोदी को मां की गाली दी थी। हालांकि, मंच पर मौजूद लोगों ने हालात को संभाला तब तक बात आगे निकल चुकी थी। बाद में उस लड़के को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अब सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी इसे चुनावी मुद्दा बनाने की पुरजोर कोशिश में जुटी है। बिहार में इस साल के आखिर में चुनाव है तो मामला तूल पकड़े हुए है। बीजेपी इसे किसी भी हालत में हाथ से जाने देना नहीं चाहती है।

गर्भवती महिला की मौत को लेकर बवाल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी ला-परवाही सामने आई है। नगर के हॉस्पिटल रोड स्थित न्यू पारस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। स्थिति बिगड़ते देख अस्पताल प्रबंधन ने आनन-फानन में क्लिनिक पर ताला जड़ दिया और डॉक्टर व स्टाफ फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, लौरिया थाना क्षेत्र के सुअर छापर निवासी चंदन कुशवाहा की पत्नी रश्मि कुमारी को परिजन इलाज कराने न्यू पारस हॉस्पिटल लाए थे। गर्भवती महिला को एडमिट करने के बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन की तैयारी शुरू कर दी। इसी बीच उसे कुछ इंजेक्शन दिया गया, जिसके बाद अचानक महिला की हालत बिगड़ गई। देखते ही देखते उसने दम तोड़ दिया।

पति का मुंह बांधा और दरिंदों ने लूट ली आबरू

बिहार में शर्मनाक कांड के बाद चौकीदार का एक बेटा गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)। बिरौल थाना क्षेत्र के एक गांव में चौकीदार जलील नदाफ के दोनों बेटों पर गैंगरेप का आरोप लगा है। आरोप है कि दोनों ने गांव की एक विवाहिता के साथ उसके पति के सामने ही रेप किया। इसके बाद पीड़िता ने बिरौल थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराई। बिरौल थाना की पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला के मुताबिक उसे चौकीदार ने धमकी दी कि अगर केस दर्ज कराया वो उसके तीन साल के बेटे को जान से मार देगा।

पीड़िता ने दर्ज प्राथमिकी मे पीड़िता ने कहा है की गांव के चौकीदार के दोनों बेटे जमाल

नदाफ और सत्तार नदाफ सोमवार की रात करीब एक बजे बजे महिला के कमरे में घुस गए। इसके बाद पति के सामने ही गमछे से महिला का मुंह दबाकर सत्तार ने दुष्कर्म किया, जबकि जमाल ने उसे जकड़ कर रखा।

पति ने जब घटना का विरोध किया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। पति ने तत्काल घटना की सुचना आरोपी के पिता जलील नदाफ को दी। मौके पर पहुंचते ही चौकीदार ने अपने दोनों बेटा को भगाने लगा, लेकिन इसी दौरान हंगामा सुन मौके पर जुटे ग्रामीणों ने चौकीदार के बेटे सत्तार को खदेरकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

पीड़िता ने पुलिस को शिकायत करते हुए कहा की जब वह थाने पहुंची तो चौकीदार जलील नदाफ ने धमकी दिया की अगर थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराई तो तुम्हारे तीन साल के बेटे को मार डालूंगा। इस कारण वह डर गई थी लेकिन ग्रामीणों और पंच से राय मशबरे के बाद आखिरकार उसने प्राथमिकी दर्ज करा दी। बिरौल थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह ने कहा कि पीड़िता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। घटना का वीडियो भी उन्हें मिला है, इस घटना के एक आरोपी सत्तार को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दूसरे आरोपी जमाल को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।

शराब माफियाओं का खौफ! युवक की गिरफ्तारी पर लोगों ने पुलिस पर किया भीषण हमला

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी कानून को धता बताते हुए शराब माफियाओं का दुस्साहस दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। ताज़ा मामला शिवहर जिले के पिपराही थाना क्षेत्र स्थित देकुली धाम का है, जहां मंगलवार की देर शाम उत्पाद विभाग की टीम छापेमारी करने पहुंची। तभी शराब तस्करों और उनके समर्थकों ने अचानक टीम पर हमला कर दिया। इस भीषण हमले में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के दौरान टीम ने एक युवक को शराब के साथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी होते ही गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग जुट गए और पुलिस पर हमला कर दिया। अफरातफरी के बीच लोगों ने गिरफ्तार युवक को छुड़ा लिया और पुलिस बल पर हमला करते हुए फरार हो गए।

उत्पाद थाना प्रभारी निकिता कुमारी ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों का इलाज कराया जा रहा है। हमलावरों की पहचान की जा रही है। मौके पर पहुंची पिपराही थाना पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और जांच शुरू कर दी है।

यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 27 जुलाई को तरियानी क्षेत्र के तुलसीनगर गांव में भी उत्पाद विभाग की टीम पर शराब माफियाओं ने हमला किया था, जिसमें आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। लगातार हो रहे हमलों से पुलिस-प्रशासन की सख्ती पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

लोगों का नीतीश कुमार पर भरोसा बरकरार : अशोक चौधरी

पटना (एजेंसियां)। बिहार में आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के मंत्री अशोक चौधरी ने विश्वास जताया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लो-गों का बहुत समर्थन हासिल है। लोगों को उन पर और उनके काम पर भरोसा है। यह बात चौधरी ने ऐसे समय में की है जब राज्य में 'वोटर अधिकार यात्रा' और पीएम मोदी पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर विवाद गहरा गया है। एनडीए ने इसके विरोध में बिहार बंद का आह्वान किया है।

मंत्री अशोक चौधरी ने कहा है कि बिहार के लोग नीतीश कुमार का बहुत समर्थन करते हैं। लोगों का मानना है कि उन्होंने बिहार के विकास के लिए बहुत मेहनत की है। चौधरी ने यह बात कहकर संकेत दिया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता एक बार फिर नीतीश कुमार को राज्य की सत्ता सौंपेगी। विपक्ष की वोटर अधिकार यात्रा के चलते बिहार में बने सत्ता विरोध माहौल में सरकार को यह जताना पड़ रहा है कि उस पर अभी लोगों का भरोसा कायम है।

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से किए गए मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर विवाद जारी है। विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर कथित रूप से वोट चोरी का आरोप भी लगाया है। विपक्ष के इंडिया गठबंधन (बिहार में महागठबंधन) के नेताओं ने 16 दिनों की 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली। यह यात्रा 23 जिलों से गुजरी थी। इसका मकसद चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस अभियान का नेतृत्व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने किया।

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान किसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां

पर कथित अपमानजनक टिप्पणी की जिसको लेकर देश भर में विवाद हो गया। यह घटना दरभंगा में हुई थी। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के नेता उमेश कुशवाहा ने कहा है कि, 'दरभंगा में विपक्ष की रैली के दौरान, पीएम मोदी और उनकी मां के खिलाफ अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया गया। यह नैतिक और राजनीतिक रूप से गलत है।

उन्होंने कहा, 'ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना बहुत गलत है। महागठबंधन के नेताओं ने अभी तक इसके लिए माफी नहीं मांगी है। इससे पता चलता है कि वे कितने अहंकारी हैं। उन्होंने हमारी माताओं और बहनों का अपमान किया है और अब हम इसका जवाब देंगे। इसलिए एनडीए ने बिहार बंद का आह्वान किया है, और महिला विंग पूरे बिहार में विरोध प्रदर्शन करेगी।

एनडीए ने 4 सितंबर को बिहार में राज्यव्यापी बंद का ऐलान किया है। यह बंद विपक्ष द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा के विरोध में किया जा रहा है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा है कि पांच घंटे का बंद सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। हालांकि बंद के दौरान आपातकालीन सेवाएं और रेल परिचालन जैसी जरूरी सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी। बीजेपी महिला मोर्चा इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेगा।

इस घटनाक्रम से बिहार की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। एक तरफ जहां नीतीश कुमार के समर्थन की बात की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष के विरोध और आरोपों ने माहौल को और भी तनावपूर्ण बना दिया है। एक तरफ विपक्ष 'वोटर अधिकार यात्रा' के जरिए जनता में सत्ता के खिलाफ माहौल बनाने में जुटा है और विधानसभा चुनाव में इसका लाभ लेना चाहता है, वहीं बीजेपी सहित सत्ता पक्ष के दल दरभंगा की घटना को लेकर विपक्ष के खिलाफ आक्रामक हो गए हैं। महिलाओं के हित में कई घोषणाएं करने वाली राज्य की एनडीए सरकार ने महिलाओं के अपमान को विपक्ष के खिलाफ हथियार बना लिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के मुद्दे चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com